हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची • मंगलवार • 04.03.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 221 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

झारखंड विस में 1.45 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में सोमवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,45,400 करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया। इसे राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सदन में पेश किया।

बजट प्रस्तुत करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने बताया कि राज्य की आर्थिक विकास दर 2019-20 में 1.1 प्रतिशत थी, जो 2022-23 में 7.8 प्रतिशत और 2023-24 में 7.5 प्रतिशत रही। वर्ष 2025-26 में भी यह 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

वित्त मंत्री ने कहा कि गठबंधन की सरकार ने राजकोषीय घाटा को नियंत्रित करने और कम से कम स्तर तक रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बेहतर वित्तीय प्रबंधन से वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटा को 1.1 प्रतिशत रखने में सफलता मिली है। इससे राज्य का डेट जीडीपी रेशियो में सुधार हुआ है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह 30.2 प्रतिशत था, 2022-23 में 28.4 प्रतिशत तथा 2023-24 में 27.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

61,056.12 करोड़ राजस्व आय का अनुमान

वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड ने राजस्व आय (कर और गैर कर राजस्व) में उत्तरोत्तर वृद्धि हासिल की है। वर्ष 2019-20 में राज्य के स्त्रोत से कुल राजस्व आय 25,521 करोड़ रुपया था, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 41,429.88 करोड़ रुपया हो गया और 2025-26 में 61,056.12 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। मौके पर सीएम हेमंत सोरेन सहित अन्य मंत्री, सत्तारूढ दलों के (झामुमो-कांग्रेस-राजद) विधायक और विपक्षी (एनडीए) विधायक भी उपस्थित थे।

वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य के विकास कार्यों को वर्तमान सरकार स्थापना व्यय की तुलना में अधिक प्राथमिकता दे रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में पूंजीगत परिव्यय के पुनरीक्षित बजट पर 9.06 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 25 हजार 720 करोड़ 41 लाख रुपए पूंजीगत परिव्यय का आंकलन किया गया है। सरकार की ओर से राज्य के आर्थिक स्वास्थ्य को बेहतर करने और भविष्य की पीढ़ी को आर्थिक बोझ की विरासत से बचाने के लिए बेहतर ऋण प्रबंधन किया गया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि आधारभूत संरचना के विकास के लिए ऋण लेना सरकार की बाध्यता है और ऐसा करना पड़ता है। पूर्व में लिए गए ऋणों के भुगतान में भविष्य में संभावित किसी विपरीत आर्थिक स्थिति का सामना करने के लिए वित्तीय वर्ष 2020-21 से वर्तमान सरकार द्वारा सिंकिंग फंड में लगातार निवेश किया जा रहा है। इस उद्देश्य से अबतक इसमें लगभग 2282 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। इसका उपयोग केवल ऋण भुगतान के लिए ही किया जायेगा। इससे स्वस्थ आर्थिक हित के साथ साथ राज्य की साख भी बढ़ी है। इस वर्ष इसमें 638 करोड़ 13 लाख रुपए का पुनः निवेश करने का प्रस्ताव है। पुरानी पेंशन योजना का वित्तीय भार कम करने के दृष्टिकोण से पेंशन कोष का गठन किया गया है। इसके लिए वर्ष 2023-24 में 700 करोड़ रुपए एवं 2024-25 में 780 करोड़ रुपए पेंशन कोष में निवेश किये गये। वर्ष 2025-26 में 832 करोड़ रुपए निवेश के लिए बजट प्रस्तावित है।

सरकार के पांव मजबूती से जमीन पर टिके हैं। इसी विश्वास के साथ वे सदन के समक्ष वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए एक लाख 45 हजार 400 करोड़ रुपए का सकल बजट अनुमान प्रस्तुत कर रहे हैं जो गत वर्ष से 13 प्रतिशत अधिक है।

डंके की चोट पर लेंगे केंद्र से सूद समेत बकाया राशि

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि हम डंके की चोट पर केंद्र से बकाया की राशि लेंगे। उन्होंने कहा कि जब केंद्र सरकार सूद की राशि लेती है तो हम क्यों नहीं। किशोर जदयू विधायक सरयू राय के सवाल का जवाब दे रहे थे। सरयू का कहना था कि कोयला कंपनियों के यहां बकाया 136000 करोड़ की राशि को पाने के लिए राज्य सरकार केवल राजनीतिक बयान बाजी कर रही है। यह मामला हाई कोर्ट और ट्रिब्यूनल में फंसा है। हाई कोर्ट और ट्रिब्यूनल में इस मामले पर जल्द फैसला करने के बदले राज्य सरकार कमेटी बनाने की बात कह रही है। लेकिन जब मामला कोर्ट में हो तो राज्य सरकार अथवा कोयला मंत्रालय कुछ नहीं कर सकता।

सरयू राय के सवाल का जवाब देते हुए राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि केंद्र और राज्य की कमेटी ही आपसी विमर्श के बाद जो राशि तय करेगी इस पर ट्रिब्यूनल या कोर्ट कोई फैसला ले सकता है। इसलिए राज्य सरकार ने 1 मार्च 2025 को कमेटी का गठन किया है जो राशि का आकलन करेगी। केंद्रीय कोयला मंत्री ने मुलाकात के दौरान दिल्ली में स्वीकार किया है की झारखंड को उसकी बकाया राशि मिलेगी। इससे पहले प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सरयू राय के सवाल का जवाब देते हुए कोयला कंपनियों के यहां बकाया राशि का ब्रेकअप भी दिया। उन्होंने भी केंद्र से सूद की राशि लेने का दावा किया।

जनता पर बिना कोई बोझ बढ़ाये हमने एक सुंदर और संतुलित बजट पेश किया है : हेमन्त सोरेन

रांची : विधानसभा में बजट पारित होने के बाद सीएम हेमंत सोरेन मीडिया को संबोधित किया। सोरेन ने कहा कि जनता पर बिना किसी तरह का आर्थिक बोझ दिये हमने एक संतुलित बजट पेश किया है। हर क्षेत्र में विकास के लिए राशि का प्रावधान किया है और कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। हमने पिछली सरकार में विकास की गति को बनाये रखा और हमारा खर्च भी आगे बढ़ा है। लेकिन किसी तरह का बोझ किसी नागरिक पर नहीं डाला गया। ये सबको जोड़ने वाला बजट है और जो इससे छूटेंगे उनको या उस क्षेत्र का आनेवाले समय में जोड़ेंगे। झारखंड एक पिछड़ा राज्य होते हुए भी अपनी वित्तीय व्यवस्थाओं को मजबूती प्रदान कर रहा है। सोरेन ने आगे कहा, मैंने किसी अखबार में पढा है कि अपनी वित्तीय व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में हमारा राज्य देश में चौथे स्थान पर है।

होली से पहले मंईयां सम्मान की राशि, अगले वित्तीय वर्ष के बाद सिलेंडर पर सब्सिडी : वित्त मंत्री

रांची : वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा है कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि होली के पहले लाभुकों के खाते में चली जाएगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। डिलिवरी सिस्टम और फर्जी खातों के कारण कुछ तकनीकी दिक्कतें आयी है। अब इसमें किसी प्रकार की देरी नहीं होगी। वह विधानसभा में झारखंड सरकार के वितीय वर्ष 2025-26 का एक लाख 45 हजार 400 करोड़ रुपए का बजट पेश करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उनसे पूछा गया था कि जब राज्य सरकार का वित्तीय प्रबंधन दुरुस्त है, सोशल सेक्टर पर सरकार का फोकस है तो मंईयां सम्मान योजना की राशि के भुगतान में विलंब क्यों। इसीलिए मंईयां सम्मान योजना के लिए बजट में 13363 करोड़ 35 लाख की राशि का उपबंध किया गया है। झामुमो-कांग्रेस की चुनावी घोषणा के बाद भी एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी की घोषणा नहीं किए जाने के सवाल पर राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य सरकार का कार्यकाल पांच साल का है। अगले वित्तीय वर्ष के बाद इंडिया गठबंधन अपने चुनावी वादे को अवश्य पूरा करेगी।

पेंशन, कृषि और महिलाओं को प्राथमिकता

झारखंड सरकार ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए 13,363 .35 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये दिए जा रहे हैं। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज्य की बालिकाओं और किशोरियों में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने, बाल विवाह पर रोक और कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए चल रही सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लिए 310 करोड़ रुपये का प्रावधान बजट में किया है। वहीं वृद्धावस्था पेंशन और विधवा पेंशन तथा दिव्यांग पेंशन के लिए एक हजार 449 करोड़ 26 लाख रुपये की व्यवस्था बजट में की है। इस पैसे से राज्य के 12 लाख लाभुक लाभान्वित होंगे। राज्य के पंचायत सचिवालय के सुदृढ़ीकरण, मरम्मती और जीर्णोद्धार पर 280 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। बजट में कर से 35 हजार 200 करोड़ और गैर कर राजस्व से 25 हजार 856 करोड़ 12 लाख रुपये, केंद्रीय सहायता से 17 हजार 57 करोड़ 10 लाख, केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी से 47 हजार 40 करोड़ 22 लाख, कर्ज से 20 हजार करोड़, उधार तथा एडवांस से 246 करोड़ 56 लाख रुपये जुटाये जायेंगे।

सभी वर्गों के विकास का बजट : डॉ गुप्ता

रांची : वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर की ओर से पेश बजट को कांग्रेस नेता डॉ राजेश गुप्ता ने समाज के सभी वर्गों के विकास वाला बजट बताया है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने एक लाख 45 हजार 400 करोड़ का बजट पेश किया। जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह बजट 1,28,900 करोड़ था। उन्होंने कहा कि बजट में राज्य के सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है। बजट में महिलाओं, बच्चों और समाज के पिछड़े लोगों के उत्थान और विकास के लिए योजनाएं हैं। बजट में मंईयां सम्मान योजना के लिये 13 हजार 363 करोड़ 35 लाख रुपये का फंड और बच्चों से जुड़े करीब 42 योजनाओं के लिये 9411 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं।

झारखंड बजट जनता के अनुकूल एवं विकासकारी : शशि भूषण राय

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि भूषण राय की ओर से झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर द्वारा प्रस्तुत झारखंड बजट की सराहना करते हुए, इस बजट को लोगों के अनुकूल और राज्य के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर को इस बजट के लिए बधाई देते हुआ कहा कि इस बजट में लोगों के अनुकूल कई पहलें शामिल हैं, जैसे जनता की जरूरतें पर विशेष ध्यान दिया गया है। ग्रामीण विकास पर फोकस किया गया है, वहीं प्रदेश के आर्थिक हालात को लेकर उम्मीदे जताई गई है, सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं पर हमारी हेमंत सोरेन जी की आबूआ सरकार केंद्रित रहेगी, यह बजट के प्रावधानों से सीधा पता चलता है। इस क्रम में मंईयां सम्मान योजना के लिए बजट में बड़ी रकम का प्रावधान किया गया है। यह बजट राज्य के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और हमें उम्मीद है कि यह बजट लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। हम मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर और उनकी टीम को इस बजट के लिए धन्यवाद देते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

गंधहीन, रंगहीन और दिशाहीन बजट : रघुवर दास

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने बजट की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे गंधहीन, रंगहीन और दिशाहीन बजट करार दिया है। रघुवर दास का मानना है कि यह बजट राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने में विफल रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बजट में किसानों और ग्रामीणों की उपेक्षा की गई है, जो सबसे अधिक निराश है। बजट पर सवाल उठाते हुए कहा कि 2030 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को 10 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन सरकार ने यह नहीं बताया है कि यह लक्ष्य कैसे हासिल किया जाएगा?

खोखला और घिसा-पिटा बजट दूरदर्शिता का अभाव : मरांडी

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार की ओर से सदन में पेश बजट पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। मरांडी ने सोमवार को कहा कि यह बजट देखने में बड़ा है लेकिन प्राण विहीन है, ताकत विहीन है। उन्होंने कहा कि बजट में दूरदर्शिता का घोर अभाव है और घिसा पिटा बजट है। इससे न राज्य की बेरोजगारी दूर होने वाली है और न गरीबी दूर होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चुनावी घोषणाओं को बजटीय धरातल पर उतारने में पूरी तरह विफल साबित हुई। यह जनादेश को अपमानित करने वाला बजट है।

ये जनता के सपनों को पूरा करने वाला बजट : सुप्रियो भट्टाचार्य

रांची : झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने राज्य का 1 लाख 45 हजार 400 करोड़ रुपये का अबुआ बजट 2025-26 पेश किया। इस बजट में राज्य के विकास के कई पहलुओं पर ध्यान दिया गया है, जिसमें शिक्षा, रोजगार, कृषि, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा पर खास जोर दिया गया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुप्रीमो सुप्रियो भट्टाचार्य ने रांची में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार ने अपने चुनावी वादों को प्राथमिकता दी है। उन्होंने बताया कि इस बजट में युवाओं के लिए रोजगार, कृषि क्षेत्र में सुधार, महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में सरकार ने कौशल विकास, कानूनी शिक्षा और छात्रों के लिए नए अवसर देने की योजनाएं बनाई हैं।

अबुआ नहीं बबुआ बजट है : जदयू

रांची : जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा कि झारखंड सरकार का यह बजट निराशाजनक है। यह अबुआ नहीं बबुआ बजट है। सरकार ने 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने का वादा था, लेकिन बजट में इस योजना का जिक्र तक नहीं है। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार सोमवार को सरकार के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का यह बजट निराश करने वाला है। बजट में युवाओं के लिए कुछ नहीं है। राज्य में बेरोजगारी और गरीबी कैसे खत्म होगी, इस पर कुछ खास प्लान देखने को नहीं मिला।

एक नजर

एसीबी ने मुखिया को 10 हजार घूस लेते रंगे हाथ किया गिरफ्तार

धनबाद : धनबाद एसीबी की टीम ने एक रिश्वतखोर मुखिया को घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बोकारो जिला के चंद्रपुरा स्थित पपलो पंचायत के मुखिया कार्तिक महतो को धनबाद एसीबी की टीम ने सोमवार को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते धर दबोचा है। मुखिया को उसके ही घर से गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में एसीबी एएसपी बिनोद कुमार ने बताया कि पीएम आवास योजना का जिओ टैग करने के एवज में मुखिया लाभुक से 20 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर रहा था। जिसकी शिकायत मिली थी। इसके बाद एसीबी की टीम ने जांच के बाद मुखिया कार्तिक महतो को रिश्वत की पहली किस्त 10 हजार रुपए लेते उनके ही घर से रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। फिलहाल गिरफ्तार मुखिया को एसीबी की टीम धनबाद एसीबी कार्यालय लाकर पूछताछ कर रही है।

नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ की 7वीं बैठक में नरेन्द्र मोदी हुए शामिल

इस साल मई में कराई जाएगी भारत के एशियाई शेरों की गणना : प्रधानमंत्री

एजेंसी

जूनागढ़ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि चीता सरंक्षण योजना को मध्य प्रदेश में गांधीसागर अभयारण्य और गुजरात में बन्नी घास के मैदानों सहित अन्य क्षेत्रों में विस्तारित करने, डॉलफिन और एशियाई शेरों के संरक्षण के प्रयास तेज करने का ऐलान किया। प्रधानमंत्री ने एशियाई शेरों की गणना इस वर्ष कराने की घोषणा की। मोदी ने जूनागढ़ में वन्यजीवों के लिए एक राष्ट्रीय रेफरल केंद्र की आधारशिला भी रखी।

प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को गुजरात के सासण गिर राष्ट्रीय उद्यान का दौरा करने के बाद यहां नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ (एनबीएफडब्ल्यूबी) की सातवीं बैठक में शामिल हुए। एनबीएफडब्ल्यूबी की इस बैठक में वन्यजीव संरक्षण में सरकार की ओर से की गई विभिन्न पहलों की समीक्षा की। बैठक में नए संरक्षित क्षेत्रों के निर्माण और प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट एलिफेंट, प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड जैसे प्रजाति-विशिष्ट प्रमुख कार्यक्रमों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। बोर्ड बैठक में डॉलफिन और एशियाई शेरों के संरक्षण प्रयासों और इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस की स्थापना पर भी चर्चा हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने देश में पहली बार आयोजित रिवरिन डॉल्फिन आकलन रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के अनुसार अनुमान है कि कुल 6,327 डॉलफिन हैं। इस प्रयास में आठ राज्यों की 28 नदियों का सर्वेक्षण शामिल किया गया है। इसकी सबसे अधिक संख्या उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक दर्ज की गई, उसके बाद बिहार, पश्चिम बंगाल और असम का स्थान है।घड़ियाल की घट रही आबादी को लेकर प्रधानमंत्री ने चिंता जताते हुए सरंक्षण के लिए एक प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण को लेकर किए गए प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने गिर के सिंह और चीता के सरंक्षण की सफलता की कहानी को बताया। उन्होंने कहा कि परंपरागत ज्ञान का दस्तावेजीकरण अन्य राष्ट्रीय उद्यानों और अभ्यारण्यों के उपयोग के लिए एआई की सहायता से होना चाहिए। साथ ही उन्होंने वन्य औषधियों के शोध और दस्तावेजीकरण की भी सलाह दी।

बैठक में प्रधानमंत्री ने मई 2025 में एशियाई शेरों की गणना कराने का ऐलान किया। प्रधानमंत्री ने जंगलों में लगने वाली आग, मानव-पशु संघर्ष जैसे मुद्दों के समाधान पर चर्चा की। उन्होंने अभ्यारण्य के बाहर बाध संरक्षण पर केंद्रित एक योजना शुरू करने की घोषणा की। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने जूनागढ़ में वन्यजीवों के लिए राष्ट्रीय रेफरल केंद्र की आधारशिला भी रखी। यह केन्द्र वन्यजीव स्वास्थ्य और रोग प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं के समन्वय और प्रशासन के केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

दिव्यांगता न्यायिक सेवाओं से वंचित करने का आधार नहीं : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि केवल दिव्यांगता के आधार पर किसी भी अभ्यर्थी (संबंधित पद के आवेदक) को न्यायिक सेवाओं से वंचित नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने दृष्टिबाधित और दृष्टिहीन अभ्यार्थियों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति से बाहर रखने वाले मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम की शर्तों के उस भाग को निरस्त करते हुए कहा कि वे (दृष्टिहीन और दृष्टिबाधित) भारत की न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति के आवेदन के पात्र हैं। पीठ की ओर से फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति महादेवन ने कहा, मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम 1994 के नियम 6ए को निरस्त किया जाता है, क्योंकि यह दृष्टिबाधित और दृष्टिहीन उम्मीदवारों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति से बाहर रखता है। पीठ ने कई पहलुओं पर गौर करने के बाद कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार उनकी (दिव्यांग व्यक्तियों की) पात्रता का आकलन करते समय उन्हें उचित सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने स्पष्ट तौर कहा कि दृष्टिबाधित और कम दृष्टि वाले अभ्यर्थी न्यायिक सेवा के पदों के लिए चयन में भाग लेने के हकदार होंगे। पीठ ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों को न्यायिक सेवा की भर्ती में किसी भी तरह के भेदभाव का सामना नहीं करना चाहिए और राज्य को समावेशी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें सकारात्मक कार्रवाई प्रदान करनी चाहिए। पीठ ने फैसले में आगे कहा कि वह संवैधानिक ढांचे और संस्थागत अक्षमता ढांचे से निपटता है और इस मामले को सबसे महत्वपूर्ण मानता है।

शीर्ष अदालत के समक्ष एक दृष्टिबाधित अभ्यर्थी की मां ने पिछले साल मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा (भर्ती और सेवा शर्तें) नियम में शामिल उक्त नियम के खिलाफ पत्र याचिका दी थी, जिस पर अदालत ने स्वतः संज्ञान मामला दर्ज किया था। शीर्ष अदालत ने सुनवाई पूरी होने के बाद तीन दिसंबर, 2024 को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

यूथ विंग का यह रक्तदान शिविर मानवता की सच्ची सेवा का उदाहरण है : मनीष जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही हजारीबाग यूथ विंग ने एक और कीर्तिमान स्थापित किया। संगठन द्वारा लक्ष्मी सिनेमा हॉल में 2024-25 का सबसे बड़ा एकदिवसीय रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 221 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। यह शिविर समाज और मानवता की सेवा के प्रति संगठन की निष्ठा और समर्पण का प्रतीक बना। महज कुछ घंटों में ही इतने अधिक रक्तदाताओं का शिविर में पहुंचना और बिना किसी झिझक के रक्तदान करना, अपने आप में एक मिसाल बन गया। शिविर की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि रक्तदान को लेकर लोगों में असाधारण उत्साह और जोश देखने को मिला। सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया, जिससे रक्तदान को लेकर जागरूकता बढ़ी और बड़ी संख्या में रक्तदाता प्रेरित हुए। आयोजन स्थल पर सुबह से ही रक्तदाताओं की भीड़ उमड़ने लगी, और रक्तदान के प्रति उनका समर्पण देखते ही बना। इस शिविर में न केवल शहरी क्षेत्रों से, बल्कि ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोग रक्तदान करने पहुंचे। रक्तदान को लेकर लोगों में इतनी जागरूकता थी कि युवा और महिलाएं सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह दिखाता है कि समाज में सेवा और परोपकार की भावना लगातार बढ़ रही है और लोग मानवीय सहायता के लिए तत्पर हैं। इस रक्तदान शिविर में महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। आधा दर्जन से अधिक महिलाओं ने रक्तदान कर यह साबित कर दिया कि समाजसेवा में वे भी किसी से पीछे नहीं हैं। महिला रक्तदाताओं ने इस पहल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया कि रक्तदान केवल पुरुषों तक सीमित नहीं, बल्कि महिलाएं भी इसमें बढ़-चढ़कर भाग ले सकती हैं। इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल और विशिष्ट अतिथि डीडीसी इश्तियाक अहमद द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रज किशोर जायसवाल, समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह सहित कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाया। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा की हजारीबाग यूथ विंग समाजसेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणास्त्रोत बनकर उभर रहा है। संगठन का यह प्रयास न केवल जिले बल्कि पूरे राज्य के लिए एक मिसाल है। रक्तदान ऐसा महादान है जो किसी जरूरतमंद के जीवनरक्षा के साथ उनके शरीर में लहू बनकर दौड़ते हुए सहयोग करने का सुअवसर प्रदान करता है। उन्होंने हजारीबाग यूथ विंग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मानवता की सेवा के लिए जो आपकी संस्था की जनकल्याणकारी सेवा कार्यों को समाज हमेशा याद रखेगा।

एक नजर

लमकी आहार में डूबने से दो किशोर की मौत

चौपारण : प्रखंड के बहेरा पंचायत के महुदी गांव के लमकी आहार में डूबने से दो बालकों की मौत हो गई। बहेरा मुखिया प्रतिनिधि रणवीर भगत ने बताया कि महुदी निवासी विजय यादव का पुत्र शुभम कुमार यादव और अरुण कुमार यादव का पुत्र उदय कुमार यादव महुदी के लमकी आहार में डूब गए थे। पैर फिसलने के दौरान एक बालक गहरे पानी में चले जाने के कारण डूबने लगा। उसे बचाने गया दूसरा बालक भी डूब गया। जिससे दोनों की मौत हो गई। डूबने की सूचना मिलते ही ग्रामीण तालाब की ओर दौड़ पड़े। आनन-फानन में तैराकों ने दोनों बालकों को तालाब से बाहर निकाला और सीएससी चौपारण ले गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, महुदी गांव में मातम छा गया है। इस संबंध में बीडीओ नितेश भास्कर ने दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चे का पोस्टमार्टम सही तरीके से कराकर आवेदन देने पर परिजनों को आपदा वित्त विभाग से चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। वही बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि दो मासूम चचेरे भाइयों के असामयिक निधन की खबर सुनकर मैं अत्यंत दु:खी और स्तब्ध हूं। यह घटना हृदयविदारक है और इसने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया है।

यह अबुआ बजट नहीं ठगुवा बजट है : विधायक

बड़कागांव : बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने झारखंड में पेश हुए बजट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यह बजट पूरी तरह से फ्लॉप है। यह अबूआ नहीं ठगुवा बजट है। इस बजट में ना ही आदिवासी, ना मूलवासी, ना युवा और ना किसान वर्ग को ख्याल रखा गया है, इस बजट में पूरी तरह से इन सभी वर्गों को वंचित रखा गया है। सरकार को ध्यान देना चाहिए कि मैया सम्मान निधि योजना के चक्कर मे झारखंड सरकार जनता पर और अतिरिक्त बोझ न डाल दें। पूर्व से ही झारखंड के कई योजनाओं का सही समय पर संचालन नहीं हो पा रहा है। उस पर भी ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि झारखंड का आम जनमानस इस बजट से काफी उम्मीद रखता था, परंतु यह बजट पेश होने के बाद झारखंड का आम जनमानस पूरी तरह से निराश हो गया है। यह बजट बिल्कुल ही दिशा विहीन बजट है, यह झारखंड को आबाद नहीं बर्बाद करने वाला बजट है।

वन भूमि पर कब्जा करने वालों को दिया जा रहा अंतिम मौका : वनपाल

प्रत्यूष नवबिहार बड़कागांव

चौपारण : प्रखण्ड के वनों को उजाड़कर वन भूमि को अवैध तरीके से कब्जा करने के विरुद्ध हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल द्वारा बड़ी एक्शन की तैयारी की जा रही है। इस सम्बंध में चौपारण प्रादेशिक वन प्रक्षेत्र के वनपाल पंकज कुमार ने बताया कि हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के द्वारा चौपारण प्रादेशिक वन प्रक्षेत्र के रेंज कार्यालय चौपारण में मंगलवार को वनभूमि पर अवैध तरीके से अतिक्रमण के विरुद्ध समाधान को लेकर मंगलवार को शिविर का आयोजन होगा। शिविर का मुख्य उद्देश्य अवैध तरीके से अतिक्रमण कर वनभूमि पर रह रहे लोगो को एक मौका देने का है। यदि दोषी व्यक्ति शिविर में स्वयं आकर वनभूमि को छोड़ने का आग्रह करते हैं तो उनके उपर किसी प्रकार का कोई करवाई नहीं की जाएगी। यदि पूर्व में भी भूमि से संबंधित अतिक्रमण का मामला होगा तो उस पर भी रियायत दी जाएगी। ज्ञात हो कि वनों को कुछ असामाजिक तत्व के लोगों के द्वारा तेजी से उजाड़ा जा रहा है और उसमें अफीम, गांजा सहित कई मादक पदार्थो के खेती के साथ अवैध तरीके से कब्जा भी किया जा रहा है। यहाँ तक की कुछ लोग जंगल को उजाड़ कर उसे कब्जा कर दूसरे के पास मोटी रकम लेकर बेचने का भी कार्य कर रहे हैं। जिसे वन विभाग को गहनता से जांच कर संलिप्त लोगों पर सख्त कारवाई करने की भी जरूरत है, तभी वन और आने वाला कल बचेंगे। वन विभाग द्वारा शिविर के माध्यम से वनों को स्वेच्छा से अतिक्रमण मुक्त करने के लिए पहली और आखिरी मौका दिया जाना कितना कारगर होगा ये तो आने वाला समय ही बताएगा।

झारखंड कांग्रेस महासचिव विनोद कुशवाहा ने बजट को बताया संतुलित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा ने संतुलित करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य के किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। कुशवाहा ने विपक्ष द्वारा की जा रही आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि यह बजट झारखंड के समग्र विकास को गति देगा। विनोद कुशवाहा ने कहा कि झारखंड सरकार ने किसानों के लिए इस बजट में कई नई योजनाओं को शामिल किया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को सशक्त करने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि यह बजट किसानों के लिए राहत लेकर आया है। कृषि क्षेत्र के लिए विशेष योजनाएं बनाई गई हैं, जिनसे झारखंड के किसान आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए सस्ते ऋण, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि तकनीकों और बाजार उपलब्धता जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की है। कुशवाहा ने कहा कि झारखंड सरकार ने बेरोजगारी दूर करने और युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर देने के लिए कई योजनाओं की शुरूआत की है।

सरकार ने की युवाओं, महिलाओं और सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों की अनदेखी : प्रदीप प्रसाद

हजारीबाग : भारतीय जनता पार्टी से हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को पूरी तरह विफल और दिशाहीन करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य की जनता को भ्रमित करने और खोखले वादों से गुमराह करने वाला है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की यह बजट पूरी तरह से जमीनी सच्चाई से कटा हुआ है। इसमें ना तो राज्य के युवाओं के लिए कोई ठोस योजना है, ना महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण पर ध्यान दिया गया है और ना ही राज्य की कानून-व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई ठोस नीति बनाई गई है। सरकार केवल आंकड़ों की बाजीगरी कर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है।

पड़ोसी के साथ मारपीट में एक महिला घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल : थाना क्षेत्र के समस्तीपुर गांव में बीते रविवार की रात आपसी विवाद में हुई मारपीट में एक महिला घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार काजोल देवी 35 वर्षीय का पड़ोसी के साथ किसी बात को लेकर कहा सुनी होते-होते बात मारपीट तक पहुंच गया। जिसमें उक्त महिला घायल हो गई। जिसे परिजनों के द्वारा इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

हिंडालको सीएसआर विभाग की ओर से किया गया नि:शुल्क चश्मा वितरण

मुरी : हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सी एस आर विभाग की ओर से ग्रामीणों को निशुल्क चश्मा का वितरण किया गया। बताते चले की पूर्व में 1 फरवरी को बिसरिया पंचायत में तथा 2 फरवरी को खेलगांव लगाम में निशुल्क नेत्र जांच का आयोजन शंकर नेत्रालय के चिकित्सकों द्वारा किया गया था जिसमें दृष्टि दोष पाए गए लोगों को हिंडाल्को के द्वारा विसरिया पंचायत में 191 लोगों को और खेलगांव लगाम में 187 लोगों को निशुल्क चश्मा का वितरण भरत सिंह के नेतृत्व में किया गया। हिंडालको के एचआर हेड अरुण राय ने बताया कि हिंडालको हमेशा समाज के प्रति जन कल्याणकारी कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है एवं समाज का उत्थान के लिए हमेशा कटिबद्ध है और भविष्य में भी समाज के प्रति हमेशा मदद करती रहेगी। वहीं सीएसआर हेड अनिल सिंह ने कहा कि समाज कल्याण हेतु हिंडालको समय-समय पर लोगों की समस्याओं का निराकरण हेतु हमेशा प्रयास करती रही है।

जिलेबिया घाटी में दस चकिया ट्रक दुर्घटनाग्रस्त

साहिबगंज : बोरियो साहिबगंज मुख सड़क के जिलेबिया घाटी के पास सोमवार को दस चकिया ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। दस चकिया ट्रक साहिबगंज से बोरियों की ओर जा रहा था। संतुलन खो देने से ट्रक जिलेबिया घाटी के पास सड़क से नीचे उतर गई। दुर्घटना में चालक एवं खलासी बाल बाल बच गए। जिरवाबाड़ी थाना पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

ट्रक की आमने-सामने की भीषण टक्कर में बाल बाल बचे चालक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : नगर पालिका के सामने सोमवार को एनएच 80 मुख्य पथ पर हाइवा ट्रक आमने-सामने की जोरदार टक्कर में दोनों ट्रक क्षतिग्रस्त हो गए हैं बताया जाता है कि रात के 1:00 बजे के करीब बरहरवा की ओर से आ रहे ट्रक ने नगर पालिका के सामने अचानक असंतुलन खोकर आमने-सामने टकरा गई जिसमें दोनों ट्रकों का चालक बाल बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बरहरवा की ओर से आ रही ट्रक संख्या जेएच04डब्ल्यू0025 के ड्राइवर छोटू कर्मकार पिता सुबोल कर्मकार पैर में हल्का चोट लगा है जिसे इलाज के लिए धूलियान डिडिएच में भर्ती कराया गया है, और मिजार्पुर गांव के रहने वाला है ट्रक के खलासी सूरज कुमार ने बताया कि लगभग रात के 1:00 बजे ड्राइवर को नींद आ गया था इसी कारण असंतुलित होकर सामने खड़े ट्रक संख्या जेएच16एच1149 पहले से नगर पालिका बरहरवा के वहां टायर पंचर हो गया था वह खड़ा था तभी अचानक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया जिससे दोनों गाड़ी के सामने का बोरनट एवं सामने का चक्कर बुरी तरह से बैंड होकर सामने का शिसा क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

पुलिस ने फरार वारंटी के घर पर इश्तेहार चिपकाया

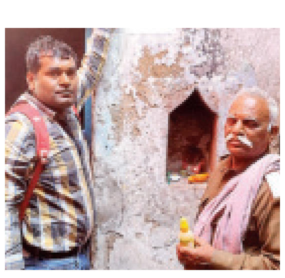

मुरी : मुरी ओपी थाना में दर्ज दिनांक 17 .5 .2022 को कांड संख्या 50/22 भा .द .वि परिवर्तित धारा 363/377/323/504/506 भा .द .वि एवं 4/8 पॉस्को एक्ट के अप्राथमिकी अभियुक्त पारस साह, पिता स्वर्गीय मकसूदन साव, ग्राम गौरा, थाना कोचस, जिला रोहतास के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा पूर्व में निर्गत वारंट के आलोक में अभियुक्त के घर पर गिरफ्तारी हेतु कई बार पुलिस बल द्वारा छापेमारी किया गया लेकिन अभियुक्त को फरार पाया गया जिसके आलोक में माननीय न्यायालय द्वारा उक्त अप्राथमिकी अभियुक्त के विरुद्ध विधि संवत कार्रवाई के लिए इश्तेहार निर्गत किया था जिसके आलोक में फरारी वारंटी अभियुक्त के घर पर मुरी ओपी थाना के अवर निरीक्षक मणि भूषण पासवान कोचस थाना पुलिस के सहयोग से विधिवत इश्तेहार अभियुक्त के दरवाजे पर चिपकाया।

एसडीपीओ ने किया तीनपहाड़ थाना का निरीक्षण

साहिबगंज/तीनपहाड़ : राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने तीनपहाड़ थाना का निरीक्षण और केस का रिव्यू किया। इस दौरान विमलेश कुमार त्रिपाठी लंबित कांडों की जांच किया और थाना प्रभारी गुलशन ग्रोवर से सभी जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया और लंबित कांडों को त्वरित निष्पादन करने को कहा गया। मौके पर थाना सिरिस्ता, लंबित कांड, विभिन्न पंजीयों का निरीक्षण किया। फरार वारंटीयों की गिरफ्तारी, अपराध नियंत्रण के लिए विशेष चौकसी बरतने, निरंतर गस्ती अभियान चलाने एवं समय-समय पर वाहन जांच करने का निर्देश दिया।

सामाजिक सुरक्षा से सबंधित योजनाओं की हुई समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा उपायुक्त अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इसमें सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा दिए जा रहे पेंशन योजना का लाभ यथा मईयां सम्मान योजना, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, एड्स पीड़ित, स्वामी विवेकानंद पेंशन व अन्य सामाजिक सुरक्षा जैसी पेंशन योजना की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त महोदय ने मईयां सम्मान योजना सहित वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन व अन्य पेंशन धारियों का यथाशीघ्र भौतिक सत्यापन का कार्य पूरा कराएं। इस दौरान सर्वप्रथम सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने बताया कि लाभुकों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। जिसमें कई आयोग्य लाभुक जिनकी आयु 50 वर्ष से अधिक थी, तथा वैसे लाभ जिनका नाम राशन कार्ड में दर्ज नहीं है, उन्हें हटाने का कार्य किया गया है। उपायुक्त महोदय ने भौतिक सत्यापन कार्यों की समीक्षा कि इस दौरान पाया गया कि कई प्रखंडों से लाभुकों का भौतिक सत्यापन प्रतिवेदन कार्यालय को समर्पित नहीं किया गया है। जिसके आलोक में उपायुक्त महोदय ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को यथाशीघ्र भौतिक सत्यापन कराने हेतु निर्देश देने की बात कहीं। बैठक में जिला पंचायती राज पदाधिकारी दयानंद कार्जी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बीते दिनों हुए लूटकांड की जानकारी लेने भुक्तभोगी के घर पहुंचे पूर्व विधायक

सरिया (गिरिडीह) : सरिया थाना क्षेत्र के अछुईयाटांड गांव में बीते दो दिन पूर्व नकाबपोश अपराधियों ने जितेंद्र मंडल के घर से 1 लाख 74 हजार की सम्पत्ति की लूट की घटना को अंजाम दिया था। जिसके बाद प्रशासनिक महकमा में हडकंप मच गया। वहीं घटना की सूचना पाकर सोमवार को बगोदर के पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह भुक्तभोगी के घर पहुंचे। जहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मामले की जानकारी ली। इन्होंने स्थानीय प्रशासन से बात किया कहा कि बीते दिनों केशवारी के बीसी विश्वनाथ यादव के साथ भी लूट की घटना हुई थी। उक्त घटना के बाद इसी क्षेत्र में यह घटना हुई है। पहले घटना का अभी तक उद्वेदन नहीं हुआ और दूसरा घटना हो गया ये प्रशासन के लिए प्रश्नचिन्ह खडा करता है। उन्होंने सरिया एसडीपीओ व थाना प्रभारी से अबिलंब घटना के उद्भेदन व अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

पलामू : पलामू जिले के छतरपुर और चैनपुर थाना क्षेत्र में पिछले 24 घंटे के दौरान दो सड़क हादसे हुए, जिससे दो युवकों की मौत हो गई। दोनों शव का पोस्टमार्टम एमआरएमसीएच में सोमवार सुबह किया गया। पहली घटना छतरपुर में फोरलेन पर हुआ। हजारीबाग के मजदूर प्रकाश मृधा शौच करने के लिए फोरलेन पार कर रहा था। इसी क्रम में एक बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद चालक बस लेकर फरार हो गया। मजदूर प्रकाश को इलाज के लिए एमआरएमसीएच में लाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। एमआरएमसीएच में प्रकाश के साथी ने घटना की जानकारी दी। दूसरी घटना चैनपुर थाना क्षेत्र बंधुआ के पहाड़ी टोला में हुई। सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार तस्लीम मियां (23) की मौत हो गई। दो व्यक्ति रानी देवी तथा सोहन राम गंभीर रूप से घायल।

कार दुर्घटना में दो लोग घायल

चैनपुर : चैनपुर थाना क्षेत्र के छतरपुर गांव के बाम्नी मोड़ के पास रविवार शाम एक मैरून रंग की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। कार में चालक युवक के साथ एक युवती थी, जो कार में फंस गए थे। राहगीरों ने दोनों को गाड़ी से खींचकर बाहर निकाला, जिन्हें हल्की-फुल्की खरोंचें आई हैं।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीन की मदद से कार को गढ़े से निकाल कर थाना ले गई। चालक युवक मौके से फरार हो गया। कार में सवार युवती घटना से घबराई होने के कारण कुछ भी नहीं बता पा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवती अपने किसी रिश्तेदार के घर चैनपुरा आई थी, जहां से लौटने के दौरान छतरपुर बाम्नी मोड़ के पास सड़क पार कर रही एक बच्ची को बचाने के दौरान कार अनियंत्रित हो गई और गढ़े में जाकर पलट गई। पुलिस ने कार को थाने ले जाकर जांच शुरू कर दी है।

यह बजट गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम : मुन्ना

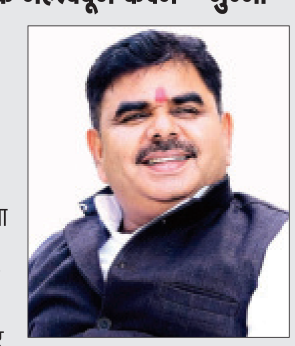

हजारीबाग : वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने झारखंड विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,45,400 करोड़ का बजट पेश किया। इस बजट को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने इसे जनहितैषी और समावेशी करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह बजट झारखंड के विकास को गति देने के साथ-साथ सभी वर्गों का ध्यान रखता है। मुन्ना ने कहा कि सरकार ने इस बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी है, जिससे झारखंड के आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बजट की सराहना करते हुए कहा, यह बजट गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार ने आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक न्याय को भी सुनिश्चित किया है। जबकि बजट की आलोचना करने वालों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष सिर्फ विकास में बाधा डालना चाहता है। यह बजट झारखंड की जनता की उम्मीदों के अनुरूप है और इससे राज्य में नई विकास परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इस ऐतिहासिक बजट के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर को बधाई दी और उम्मीद जताई कि इस बजट के माध्यम से झारखंड नए आर्थिक और सामाजिक विकास के रास्ते पर अग्रसर होगा।

झारखंड के समग्र विकास का संकल्प अबुआ बजट 2025 : मनोज नारायण भगत

हजारीबाग : झारखंड की महागठबंधन की हेमंत सोरेन की सरकार ने आज अपना पहला बजट पेश किया। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत ने बजट पर कहा की यह बजट झारखंड को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाने का ठोस आधार है। हर नागरिक की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अबुआ सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार ने अपना वादा को पूरा किया सर्वप्रथम मंईया सम्मान योजना के लिए 13,363 करोड़ 35 लाख का प्रावधान किया। बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सहित झारखंड वासियों के लिए कई बड़े एलान किए गए हैं, रांची, खूंटी, गिरिडीह, जमशेदपुर, धनबाद, देवघर और जामताड़ा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, नए विश्विद्यालय की स्थापना होगी ,रांची तपोवन मंदिर का विकास किया जाएगा ,1200 किलोमीटर रोड और 10 उच्चस्तरीय पुल भी बनाया जाएगा। किसानों को कृषि यंत्रों के लिए 140 करोड रुपए तालाब की बोरिंग के लिए 203 करोड रुपए, उद्यान विकास योजना ,पशुधन विकास योजना, फसल बीमा, कृषि उपज भंडारण इन सभी के लिए पैसे का प्रावधान किया गया ।

पुलिस अधीक्षक ने किया राजमहल थाना का वार्षिक निरीक्षण

साहिबगंज/राजमहल : पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने राजमहल थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण से पहले एसपी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एसपी करीब 02 घंटे तक थाने के विभिन्न पंजियों का जांच किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने दागी पंजी, अपराध पंजी, जेल से छूटे हुए अपराधियों की पंजी, चौकीदार परेड, केस डिस्पोजल, दैनिक की पंजी, ओडी पंजी, गुंडा पंजी, अपराध अनुसंधान पंजी सहित अन्य प्रकार के पंजियों का बारीकी से जांच कर राजमहल थाना अध्यक्ष गुलाम सरवर सहित अन्य पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के बाद एसपी ने बताया कि नए कानून की समीक्षा लंबित कांड कुर्की जप्ती, वारंट समीक्षा विधि व्यवस्था केस अनुसंधान को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं पर्व त्योहार को लेकर विधि व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने और विशेष चौकसी बरतने का निर्देश दिया गया है। अपराध पर नियंत्रण रखने को लेकर पुलिस को 24 घंटे गश्ती करने की बात कही है। इस मौके पर राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी, बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल, थाना अध्यक्ष गुलाम सरवर, महिला थाना प्रभारी पूजा कुमारी, एसआई बिक्रम कुमार, विकास सेठ, सनातन हेंब्रम, अरविंद दास सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद थे।

एक नजर

बजट से बनेंगे नए कीर्तिमान : बन्ना

रांची : बजट पर राज्य के पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट दूरदर्शी और जनहित को ध्यान में रखते हुए पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट पिछले वित्तीय वर्ष से 13 प्रतिशत अधिक है, जो दर्शाता है कि हेमंत सरकार पार्ट- दो का मकसद सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि जनता तक चल कर सरकारी सुविधा और लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि यह बजट एक तरफ झारखंड की सामाजिक कल्याण व्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ युवाओं को रोजगार, किसानों को कृषि सहायता और मजदूरों के सशक्तिकरण का रोडमैप तैयार करेगा।

बजट में युवा और किसानों के लिए नहीं है कुछ ठोस : अमित मंडल

रांची : भाजपा के आर्थिक प्रकोष्ठ द्वारा प्रदेश कार्यालय में झारखंड बजट भाषण सुना गया। इस अवसर पर प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक जेपी शर्मा ने अध्यक्षता की। इसके बाद प्रेस वार्ता में प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक अमित मंडल ने राज्य सरकार पर कई गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को नियंत्रक और महालेखापरीक्षक सीएजी द्वारा उठाए गए 19,132 हजार करोड़ के मामले का जवाब देना चाहिए। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार से कहा कि 1.36 लाख करोड़ पर रोने का अब कोई मतलब नहीं है। साथ ही उन्होने झारखंड की आर्थिक स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि झारखंड कोयला उत्पादन में तीसरे स्थान पर है, बावजूद इसके केंद्र द्वारा झारखंड को मिलने वाला राजस्व सबसे ज्यादा 22 फीसदी है। इसके साथ ही, उन्होंने राज्य के जीडीपी में सेकेंडरी सेक्टर के योगदान की बात की और कहा कि इस क्षेत्र में केंद्र की योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान है, जैसे एयरपोर्ट, रेलवे, हाईवे और रऐ का निर्माण। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि इस बजट में युवाओं और किसानों के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। अमित मंडल ने राज्य सरकार की सात गारंटियों का भी उल्लेख किया, जिसमें से कोई भी गारंटी पूरी नहीं हो पाई। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि न तो 3200 रुपए एमएसपी पर धान की खरीद हुई, न 450 रुपए में सिलिंडर मिला, न 7 किलो अनाज मिला और न ही हर जिले में मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज खोले गए। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार के राजस्व खर्च में 20.1 फीसदी की वृद्धि का जिक्र किया, जबकि पूंजीगत खर्च मात्र 7.81 फीसदी बढ़ा। उन्होंने कहा कि भविष्य में सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण नहीं कर पाएगी और राजस्व खर्च को पूरा करने के लिए और अधिक कर्ज लेगी, जो राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए सही नहीं होगा।

बजट जन कल्याणकारी और सराहनीय : राजद

रांची : बजट को प्रदेश राजद ने कल्याणकरी और ऐतिहासिक बताया है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने कहा कि इस बजट से राज्य में चहुंओर विकास होगा और हर वर्ग के लोग इससे लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन और वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर सहित राज्य के सभी मंत्री बजट के लिए बधाई के पात्र हैं। उन्होंने पार्टी की ओर से पूरी मंत्रीमंडल के सदस्यों को बधाई दी है। उन्होने कहा कि वित्त मंत्री ने विकास दर में वृद्धि के लिए सभी विभागों को प्राथमिकता दी है। वहीं बजट में मंईयां योजना के अलावा ग्रामीण विकास, खेलकूद, सामान्य क्षेत्र, सामाजिक क्षेत्र तथा आर्थिक क्षेत्र में काफी जोर दिया गया है।

निर्मल महतो ने विस के बाहर दिया धरना विभिन्न घटनाओं को लेकर सरकार को घेरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मांडू से आजसू विधायक निर्मल महतो बजट पेश होने से पहले विधानसभा के मुख्य द्वार के पास धरने पर बैठे। दरअसल देवघर की घटना और विष्णुगढ़ सीओ को लेकर के तिवारी महतो सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। तिवारी महतो ने कहा कि जब तक विष्णुगढ़ सीओ गिरफ्तार नहीं हो जाते और देवघर की घटना में जान गंवाने वाली महिला को न्याय नहीं मिल जाता है तब तक वह रोजाना धरने पर बैठेंगे।

दरअसल देवघर में रविवार को यातायात पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान ट्रैफिक पुलिस ने एक बाइक को रुकने का इशारा किया। चालक ने बाइक रोकने की बजाय भगाने की कोशिश की। इसी दौरान उसकी गाड़ी अनियंत्रित हो गयी। बेटे के साथ बाइक पर बैठी महिला गिर गयी और उसके सिर में गंभीर चोट लगी। तुरंत उसे बगल के मेधा सेवा सदन पहुंचाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

बजट : पर्यटन को बढ़ावा देने वाली योजनाओं की हुई घोषणा

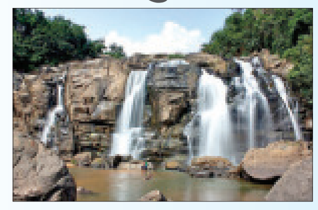

झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने आज विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष में झारखंड सरकार द्वारा राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में कई विकासात्मक कार्य किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आगामी वर्ष में दशम, हुण्डरू, नेतरहाट और पतरातू में ग्लास ब्रिज का निर्माण कराया जाएगा, जो इन स्थलों को और भी आकर्षक बनाएगा। इसके साथ ही जोन्हा, हुण्डरू, कौलेश्वरी और त्रिकूट में नए रोप-वे का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिससे इन स्थलों तक पहुंच और भी सरल होगी।

रजरप्पा मंदिर को पर्यटन सेंटर के रूप में किया जायेगा विकसित, डैम का भी जीर्णोद्धार

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने झारखंड विधानसभा में बजट पेश कर दिया है। इस सरकार के पहले बजट में 1 लाख 45 हजार 400 करोड़ का बजट पेश किया है। इस बजट में पर्यटन स्थलों के विकास पर भी ध्यान दिया गया है। बता दें रामगढ़ जिला के रजरप्पा मंदिर कॉम्प्लेक्स का पर्यटकीय विकास कराया जायेगा। साथ ही प्रमुख जलाशयों का भी विकास होगा ताकि झारखंड के पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। इसी बाबत तिलैया डैम, चाण्डिल डैम, मंडल डैम, तेनुघाट डैम आदि का पर्यटकीय विकास कराया जायेगा। साथ ही खनन पर्यटन विकसित करने की कार्रवाई की जा रही है।

प्रथम जेपीएससी घोटाला : आरोपियों के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर एचसी की रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने प्रथम जेपीएससी के करीब 15 आरोपियों की ओर से रांची की सीबीआई कोर्ट द्वारा जारी समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई की। कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर अगली आदेश तक के लिए रोक लगा दी है। इस मामले की अगली सुनवाई 16 अप्रैल को होगी।

प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता एलसीएन शाहदेव ने पैरवी की। सौरभ प्रसाद एवं अन्य ने सीबीआई कोर्ट के 16 जनवरी 2025 के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। बता दें कि प्रथम जेपीएससी घोटाला मामले में 21 चार्जशीटेड आरोपियों के खिलाफ सीबीआई ने नॉन-बेलेबल वारंट जारी करने का आग्रह कोर्ट से किया था। सीबीआई की विशेष अदालत से समन जारी होने के बाद, अगर आरोपी खुद या अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट में उपस्थित नहीं होते हैं, तो सीबीआई ने उनके खिलाफ वारंट जारी करने का अनुरोध किया था।

झारखंड के बकाया राशि मुद्दे पर सरयू राय का सवाल, सरकार ने बनाई कमेटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन सोमवार को विधायक सरयू राय ने राज्य के एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये की बकाया राशि का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि जब यह मामला हाईकोर्ट और केंद्रीय ट्रिब्यूनल में है, तो राज्य सरकार इसे निपटाने के लिए ठोस प्रयास क्यों नहीं कर रही है।

इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रताप ने कहा कि इसके लिए एक मार्च 2025 को कमेटी बनायी गयी है। यह कमेटी शपथ पत्र दायर करेगी।

इस मामले में मुख्यमंत्री ने 24 जून को 2020, दो मार्च 2022 और 11 अप्रैल 2022 को केंद्र को पत्र भी लिखा है।

वहीं, तत्कालीन मुख्य सचिव

सुखदेव सिंह ने भी चार दिसंबर 2022 को एक लाख 36 हजार करोड़ बकाये का जिक्र करते हुए केंद्र को पत्र लिखा था। सूद की स्थिति का आकलन भी किया जा रहा है। इस पर सरयू राय ने कहा कि कमेटी बनाना राजनीतिक निर्णय है वैधानिक नहीं।

सरयू राय के सवाल पर भाजपा विधायक सीपी सिंह भी उनके समर्थन में खड़े हो गये। उन्होंने कहा कि जब सरयू राय ने सवाल किया तो दो दिन पहले कमेटी बनायी। तब से राजनीति ही खेल रहे हैं। इस पर प्रदीप यादव ने कहा कि सीपी सिंह ने जीवन में पहली बार अच्छी सलाह दी है। मंत्री योगेंद्र प्रताप ने कहा कि इस सभी कानूनी विकल्पों पर सरकार काम करेगी। सरयू राय ने कहा कि 2009 तक 41 हजार 142 करोड़ रुपए मूलधन था और सूद 60 हजार करोड़ रुपए था।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि 10-15 दिन पहले कोयला मंत्री किशन रेड्डी से बकाये को लेकर मुलाकात की थी। उन्होंने भी कहा कि झारखंड को राशि देनी है, यह राज्य का आधिकार बनता है। ऐसे बकाया का कोई राजनीतिक आधार नहीं होता। सूद की राशि के साथ डंके की चोट पर बकाया राशि लेंगे।

अबुआ बजट में गांव, गरीब, किसान, नौजवान और महिलाओं के उत्थान पर जोर : शिल्पी नेहा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने झारखंड के "अबुआ बजट" को गांव, गरीब, किसान, नौजवान और महिलाओं के उत्थान का बजट बताया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में राज्य के ग्रामीण आर्थिक विकास और आधारभूत संरचना को प्राथमिकता दी गई है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली गठबंधन सरकार के इस बजट में शहर से लेकर गांव और शिक्षा-स्वास्थ्य से लेकर पर्यटन क्षेत्र के विकास पर जोर दिया गया है। राज्य के किसान समृद्ध हो, उनके फसल का सही मूल्य मिल सके, उन्नत कृषि के साथ किसानों का जुड़ाव सरकार की प्राथमिकता में है।

हेमन्त सोरेन सरकार पार्ट टू का ये पहला एक लाख 45 हजार 400 करोड़ का बजट है। इस पहले बजट में गठबंधन वाली सरकार के द्वारा जनता से किए गए वायदों को पूरा करने के लिए ये पहला कदम है। राज्य सरकार जनता से किए गए वायदों को लेकर कृतसंकल्पित है। सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों का सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से विकास करना है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य का आर्थिक विकास दर 7.5 प्रतिशत होने का अनुमान है।

बजट की जानकारी कांग्रेस को पहले कैसे मिल गयी : प्रतुल शाहदेव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए की बजट की बातें कैसे लीक हो गईं। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता ने एक दिन पहले ही बजट का आकार 1,45,000 करोड़ बता दिया था और बजट की बारीकियां पर भी चर्चा की थी। हुआ भी वही। यह सीधे तौर पर एक अत्यंत ही गंभीर मामला बनता है। बजट बनाते समय अधिकारी और कर्मचारियों को हफ्तों तक घर जाने की आजादी नहीं होती। पूरा मामला अति गोपनीय होता है। फिर यह सारी बातें कांग्रेस को कैसे पता थी? बजट में किस मद में कितना टैक्स लगेगा या टैक्स नहीं बढ़ेगा, इन बारीक बातों की जानकारी कांग्रेस के प्रवक्ता को कैसे हो गई? पूरी की पूरी दाल काली लगती है। मुख्यमंत्री इसकी उच्च स्तरीय जांच सीबीआई या एसीबी से कराने के आदेश दें।

डीजीपी अनुराग गुप्ता 6 मार्च को महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों की करेंगे समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में महिलाओं और बच्चों के साथ हो रहे आपराधिक घटनाओं की समीक्षा डीजीपी अनुराग गुप्ता द्वारा की जाएगी। इस संबंध में डीजीपी 28 फरवरी को जिले के एसपी, एसएसपी, रेंज के डीआईजी और जोनल आईजी के साथ समीक्षा बैठक करने वाले थे, लेकिन कुछ कारणवश यह बैठक स्थगित हो गई थी। अब, डीजीपी 6 मार्च को इस बैठक का आयोजन करेंगे। इस बैठक में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बीएनएस के तहत अलग-अलग 61 धाराओं के तहत हुए अपराध की समीक्षा की जाएगी।

समीक्षा के तहत होने वाली धाराएं :

- धारा 74, 75, 76, 77, 78, 79, 64(1)(2), 65(1), 65(2), 66, 67, 68, 69, 70(1), 70(2), 71, 72, 73, 80, 81, 82(1), 82(2), 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 143, 144 के तहत हुए अपराध।
- लैंगिंग अपराधों के बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के धारा 4, 6, 5, 8, 10, 12, 14, 15, 17, 18, 21, 22 के तहत हुए अपराध।
- एसटी-एससी अधिनियम से जुड़े धारा 3(1)(), 3(1)(), 3(1) के तहत हुए अपराध।
- घरेलू हिंसा से महिला के संरक्षण के लिए धारा 31, डायन प्रथा अधिनियम के लिए धारा 3,4,5,6 के तहत हुए अपराध और दहेज प्रथा अधिनियम के लिए धारा 3 और 4 के तहत हुए अपराध।

जोनल आईजी और रेंज के डीआईजी को दिए गए निर्देश :

- इन सभी 61 धाराओं के तहत दर्ज कांड में अनुसंधान की स्थिति।
- तीन महीने से अधिक समय से लंबित सुपरविजन के लिए केस की स्थिति।
- ऐसे सभी मामले जिनमें अभियुक्तों के खिलाफ कांड सत्य हुआ है, लेकिन उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।
- अभियुक्तों की गिरफ्तारी की स्थिति, यदि गिरफ्तार नहीं हुए हैं, तो उनके कारण।
- इन सभी 61 धाराओं में दर्ज ऑनलाइन प्राथमिक और की गई कार्रवाई।
- सत्य पाए गए कांडों में विक्टिम कंपनसेशन के लिए की गई कार्रवाई और लंबित मामले।
- यदि पीड़िता एसटी एससी श्रेणी में आती है, तो संबंधित क्षेत्र के तहत कंपनसेशन की कार्रवाई।

इस बैठक का उद्देश्य राज्य में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों को लेकर गंभीर कदम उठाना और सभी लंबित मामलों पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

संक्षिप्त खबरें

कल्पना सोरेन ने बजट सत्र के बाद हेमन्त सोरेन और विधायकों के साथ मनाया जन्मदिन

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन का सोमवार को 40वां जन्मदिन था। इस अवसर पर कल्पना ने बजट सत्र के बाद पति हेमंत और पार्टी विधायकों के साथ केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। कल्पना ने अपने जन्मदिन की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर साझा की।

सेल सेट के सोलर पी भी सिस्टम का उद्घाटन

रांची : 40 किलोवाट सोलर पी. भी. सिस्टम, जो कि सेल सेट के इस्पात एक्जीक्यूटिव होस्टल में लगाया गया है का उद्घाटन श्री मनीष राज गुप्ता, निदेशक (टेक्निकल, प्रोजेक्ट्स एवं रॉ मैटीरियल्स), सेल, के कर कमलों द्वारा किया गया। इस उद्घाटन समारोह की मेजबानी श्रवण कुमार वर्मा, ई डी (सेट) द्वारा की गई। उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में अनूप कुमार, ई डी (एस एस ओ), वेद प्रकाश, ई डी (डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन), संदीप कर , ई डी (आर डी सी आई एस) एवं सेल रांची यूनिट के सभी मुख्य महा प्रबंधक थे। यह सोलर पी भी सिस्टम, इस्पात एक्जीक्यूटिव होस्टल के ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणीकरण का एक हिस्सा है। इस सोलर सिस्टम के लगने से ग्रिड द्वारा ली गई विद्युत ऊर्जा में बहुत कमी आ गई है। वातावरण शुद्धिकरण के लिए सेल सेट द्वारा लिया गया यह पहल काफी सराहनीय है।

झारखंड के कई शहरों में तापमान 35 डिग्री के पार

रांची : राज्य में मार्च माह के शुरूआत में ही मई और जून जैसी गर्मी पड़ने लगी है। कई शहरों में तापमान बढ़कर 35 डिग्री के पार हो गया है। राज्य के जिन जिलों में तापमान 35 डिग्री के पर पहुंच गया है उनमें जमशेदपुर 37.4 डिग्री, डालटेनगंज 35.2, बोकारो 35.1, चाईबासा 37.4, पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में 38.9 डिग्री तथा सरायकेला में अधिकतम तापमान बढ़कर 39.3 डिग्री पहुंच गया है। वहीं मौसम विभाग ने आनेवाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की आशंका व्यक्त की है। सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा। रांची में अधिकतम तापमान 31.5 और न्यूनतम तापमान 18.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

नए विजन, मिशन और नई ऊर्जा के साथ अबुआ सरकार आगे बढ़ रही है : अमन अहमद

रांची : एनएसयूआइ प्रदेश उपाध्यक्ष अमन अहमद ने कहा की बजट स्वागत योग्य है। इंडिया गठबंधन की सरकार में हर वर्ष विकसित झारखंड की ओर बजट का आकार बढ़ रहा है। झारखंड की हेमन्त सरकार आगामी वित्त वर्ष 2025-26 बजट पेश की, बजट करीब डेढ़ लाख करोड़ का है। अबुआ बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास और कल्याण पर जोर दिया गया है। मंईयां सम्मान के साथ ही खाद्य सुरक्षा, रोजगार, शिक्षा, किसान कल्याण की दिशा में बजट है। बजट के माध्यम से राज्य में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के प्रावधानों को विशेष रूप से ध्यान दिया गया है। रोजगार के साथ स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए व्यापक प्रबंध बजट में है। हेमन्त सरकार स्कीम और स्थापना, स्कीम यानी की योजनाओं पर अधिक खर्च करेगी ताकि राज्य का उज्ज्वल निर्माण हो और यहां के लोग बाहर पलायन ना करे।

सम्पूर्ण बजट की राशि शत प्रतिशत योजना मद में खर्च करना ही विकास का पैमाना : विजय

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने वितिय वर्ष 2025-2026 के बजट पेश करने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि बजट की राशि का आकार बढ़ाना अच्छी बात है मगर बजट की राशि शत प्रतिशत खास कर योजनामद की राशि खर्च नही होना राज्य के लिए शुभ नही है । इसलिए सरकार इसपर विशेष फोकस करे और शत प्रतिशत बजटीय राशि खर्च हो इसके लिए विशेष कार्य योजना तैयार करे। श्री नायक ने आगे कहा कि राज्य सरकार के वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा वार्षिक बजट 1,45,400 करोड़ रु पेश करने का स्वागत किया है। यह बजट राज्यहित में ऐतिहासिक क्रान्ति लायेगी जब सम्पूर्ण योजनामद की राशि खर्च होगी। इन्होने यह भी कहा कि कहा कि वित्तमंत्री ने विकास दर में बढ़ावा हो इसके लिए सभी विभागों को प्राथमिकता दिया है। सामान्य क्षेत्र, सामाजिक क्षेत्र एवं आर्थिक क्षेत्र के साथ साथ मईया सम्मान योजना, ग्रामीण विकास, खेलकूद में काफी फोकस किया गया है जो निश्चित रूप से भविष्य मे यह बजट लोगो के लिए जनकल्याणकरी शाबित होगा और भविष्य में राज्य का विकास दर तेजी से बढ़ेग। ऐतिहासिक बजट के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विजन और वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर के द्वारा जनहित का बजट पेश किए जाने पर दोनो बधाई के पात्र हैं।

विधायक ने राज्यपाल से कार्रवाई का किया आग्रह

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से सोमवार को पांकी के विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने राजभवन में मुलाकात की। विधायक ने इस मौके पर राज्यपाल से पलामू जिले की विभिन्न योजनाओं में हुई अनियमितताओं के संबंध में जानकारी दी और ज्ञापन देकर कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मेसर्स सिलदिलिया कंस्ट्रक्शन्स, स्टेशन रोड, रेड़मा, वार्ड नं-15, डाल्टेनगंज की ओर से पांकी प्रखंड के अंतर्गत दूब-छतरपुर मार्ग में निमार्णाधीन पुल ध्वस्त हो जाने के मामले में ग्रामीण कार्य विभाग ने 23 जुलाई 2021 को उच्चस्तरीय जांच दल का गठन किया था। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की स्वीकृति से इसे लेकर जांच समिति का गठन किया गया था। लेकिन साढ़े तीन वर्षो के बाद भी यह रिपोर्ट नहीं सौंपी गई। मेहता ने कहा कि ग्रामीण कार्य विभाग के सहायक अभियंता ने इस संबंध में विभाग के कार्यपालक अभियंता ने कंपनी की अनियमितता के संबंध में पत्र लिखा था। इसके बाद मामले को लेकर कार्यपालक अभियंता ने भी संवेदक को पत्र लिखा लेकिन स्थिति यथावत है। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई)-तीन और एफडीआर योजना के तहत पलामू जिले में लिए गए पांच कार्यों की खराब स्थिति और अपूर्णता को लेकर पलामू के उपायुक्त ग्रामीण कार्य विभाग को पत्र लिखा था।

एक नजर

रिटायर्ड सीसीएल कर्मी के घर हुई चोरी

बोकारो : बोकारो में चोरों ने बंद घर को बनाया निशाना। रिटायर्ड सीसीएल कर्मी के बंद घर के ताला को तोड़कर चोरों ने चोरी की घटना को दिया अंजाम। मामला बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के जारंगडीह ऑफिसर्स कॉलोनी का है। मामले की जानकारी मिलते ही बोकारो थर्मल थाना पुलिस पहुंची और आगे कारवाई में जुट गई है। बताते चले की बोकारो में लगातार हो रहे चोरी की घटना से लोगो में है दहशत का माहौल है। एक का उद्भेदन हुआ नही की चोर दूसरी घटना को अंजाम दे रहा है। दुकान के साथ साथ बंद आवासो में भी चोरी की घटना बढ़ गई है। ताजा मामला बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के जारंगडीह आफिसर्स कॉलोनी का है जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने रिटायर्ड सीसीएल कर्मी के बंद आवास को निशाना बनाया है और चोरों ने बंद आवास का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। घटना सीसीएल आवास संख्या 2ए-8 का है जो रिटायर्ड सीसीएल कर्मी के एल यादव का है, घटना के सम्बन्ध में मिली जानकारी के अनुसार रिटायर्ड सीसीएल कर्मी गांव गए हुए हैं और आवास में ताला लगा हुआ है।

बोकारो में तेज रफ्तार कार और ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर

बोकारो : सोमवार सुबह कैंप 2 स्थित तिरंगा पार्क चौक पर एक तेज रफ्तार कार और ट्रैक्टर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक को मामूली चोटें आईं, लेकिन गनीमत रही कि कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर बालू खाली कर लौट रहा था और पर्यावरण चौक की ओर से आ रहा था। जैसे ही वह तिरंगा पार्क चौक पर पहुंचा, सर्किट हाउस की ओर से तेज रफ्तार से आ रही कार (संख्या : जे एच 09बी ए 2979) ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर पलट गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत सिटी थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी। ट्रैक्टर पर कोई नंबर दर्ज नहीं था। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि कुछ पल के लिए पूरा इलाका दहल गया। शुक्र है कि कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई, लेकिन तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण जरूरी है।

झारखंड सरकार का बजट समावेशी नहीं : जेएलकेएम

बोकारो : झारखंड सरकार ने पिछली बार से 13 प्रतिशत ज्यादा 145400 करोड रुपए का बजट पेश किया है, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए ऐलान किया है मगर सरकारी स्कूलों की व्यवस्था खराब है, स्वास्थ्य के क्षेत्र मे कुछ राहत मिली है मगर गंभीर बीमारी मे लोग प्राइवेट अस्पताल ही जाते हैं, राज्य के शिक्षित युवा बेरोजगार है, दलाल नौकरियां परप्रांतियों को बेच रहे हैं मंइया सम्मान योजना मे 13363 करोड़ का प्रावधान है लेकिन पिछले अनुपूरक बजट मे राशि होने के बावजूद दो महीने से यह राशि नहीं मिली है महिलाओं को ठगा जा रहा है खछडट के केंद्रीय प्रवक्ता विजय कुमार सिंह ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है साथ ही उन्होंने कहा की चुनावी घोषणा को बजट मे शामिल किया गया है लेकिन यह सरकार परिणाम नहीं दे पायेगी। जल संसाधन के लिए 2257 करोड़ तय किया है मगर पिछले आवंटन के बाद भी राज्य की शहरी जनता को साफ पानी नहीं मिल रहा है, हेलीकॉप्टर शटल सर्विस पैसे वालों के लिए अच्छा है , मनरेगा मे कार्य दिवस बढ़ाने के बाद भी मजदूरो का पलायन जारी है, ग्रामीण विकास विभाग को 9841 करोड़ रुपए से अच्छा काम करना चाहिए। किसानों का कर्ज माफी का वादा खोखला साबित हुआ, कृषि विभाग में बिचोलिये हावी है किसानों का लाभ दलाल खा रहे हैं, वाल्मीकि छात्रवृत्ति योजना मे अनाथ बच्चों के लिए 4000 करोड़ का प्रावधान है।

बजट में शिक्षा, पर्यटन और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों पर फोकस है : श्वेता सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने झारखंड वासियों के हित में 145,400 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है, जिसे 'अबुआ बजट' नाम दिया गया है,इस विषय पर बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने बोकारो विधानसभा की जनता की ओर से मंत्री को बोकारो विधानसभा की जनता की ओर से साधुवाद प्रकट किया। विधायक ने कहा कि इस बजट का शिक्षा,पर्यटन और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों पर फोकस है। इस बार के बजट में शिक्षा विभाग के लिए 15,198.35 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं,जबकि उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के लिए 2,409.20 करोड़ रुपये का प्रावधान है। स्वास्थ्य विभाग को 7,470.50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पिछले तीन वित्तीय वर्षों का बजट क्रमशः 1,01,101 करोड़ (2022-23), 1,16,418 करोड़ (2023-24) और 1,28,900 करोड़ रुपये (2024-25) था. कृषि विभाग के लिए 4,587.66 करोड़ रुपये और ग्रामीण विकास के लिए 9,841.41 करोड़ रुपये दिए गए हैं। 4 लाख किसानों के 2 लाख रुपये तक के कर्ज माफ करने के लिए 769 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। विधायक श्वेता सिंह ने बताया कि पर्यटन क्षेत्र में नई जान भरने के मकसद से पेत्रा, नेतरहाट जैसे स्थानों को पर्यटन क्षेत्र के अंतर्गत जोड़ा जाएगा और बजट में पर्यटन विभाग के लिए 336.64 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. सड़क निर्माण विभाग को 5,900.89 करोड़ रुपये और शहरी विकास और आवास विभाग के लिए 3,577.68 करोड़ रुपये का बजट दिया गया है। विधायक ने कहा कि महिला और बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग का भी अच्छा खयाल रखा गया है जिसके लिए 22,023 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि 'माईआन योजना' के अंतर्गत 13,363.35 करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे. इस योजना के तहत 58 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये दिया है। वित्त मंत्री ने कहा है कि सरकार 61,056.12 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न करने का लक्ष्य रखती है. कुल बजट का 50% योजना और विकास विभाग के लिए आवंटित किया गया है, जो कुल 91,741.52 करोड़ रुपये है। योजना और गैर-योजना बजट का अनुपात 37:63 रखा गया है। विधायक ने बताया कि यह बजट विकसित झारखंड में मिल का पत्थर साबित होगा यह झारखंड की अस्मिता को जागृत करने वाला बजट है राज्य के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लक्ष्य को साकार करना ही राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य है। झारखंड के नए उज्जवल भविष्य की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाना है यह बजट हर क्षेत्र, हर वर्ग और हर नागरिक के उत्थान के लिए तैयार किया गया है। यह विकास के नए द्वार खोलने, सामाजिक समरसता बढ़ाने और आर्थिक समृद्धि की ओर एक मजबूत कदम है।

युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार दिलायें कौशल विकास केंद्र : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को जिला कौशल विकास योजना अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों के बेहतर संचालन को लेकर उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित कौशल विकास केंद्र के संचालन की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसी को निर्देश दिया कि वे कौशल विकास कार्यक्रमों को प्रभावी बनाते हुए अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित करें, उन्हें प्लेसमेंट दिलाए, जिससे उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें। बैठक के दौरान कौशल विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार, प्रशिक्षुओं के प्लेसमेंट, उद्योगों के साथ समन्वय और आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित एजेंसियों को किए गए एमओयू एवं कायादेश के अनुरूप प्रशिक्षण केंद्र के सुचारू संचालन का निर्देश दिया। वहीं जिले में सोलर टेक्नीशियन एवं फूड प्रोसेसिंग यूनिट से जुड़े नए प्रशिक्षण केंद्रों के संचालन प्रारंभ करने को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। जिला नियोजन पदाधिकारी को ससमय प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण कर रिपोर्ट साझा करने का निर्देश दिया गया।

ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार युवक को रौंदा, मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद के कुमारधुबी ओपी क्षेत्र अंतर्गत कालीमंडा के समीप सोमवार सुबह एक बेकाबू ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार को रोंदते हुए करीब दस फिट दूर तक ले गया। इससे घटनास्थल पर ही युवक की मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान एग्यारकुंड दक्षिण पंचायत स्थित पानी टंकी निवासी टिंकू दुबे के रूप में हुई है। वहीं, घटना के बाद आक्रोशित लोगों एवं परिजनों ने चालक की जमकर पिटाई कर दी। इतना ही नहीं, कुछ लोगों तो ट्रैक्टर चालक को जलाने पर अमादा थे। गनीमत रही कि समय पर गलफरबाड़ी ओपी प्रभारी दीपक दास दलबल के साथ मौके पर पहुंच गए और काफी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर चालक को लोगों के चंगुल से छुड़ाने में कामयाब रहे। ग्रामीणों का गुस्सा इतने में ही समाप्त नहीं हुआ। उग्र ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। वहीं घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों का रो रो के बुरा हाल था। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए एग्यारकुंड दक्षिण पंचायत के मुखिया अजय राम ने बताया कि मृतक टिंकू दुबे अपने भाभी को लेकर एक्सरे कराने कालीमंडा आया हुआ था। वो अपनी भाभी को छोड़कर पेट्रोल लेने निकल ही रहा था की एग्यारकुंड की ओर से आ रहे बौराई ट्रेक्टर ने स्कूटी को धक्का मारते हुए उसपर चढ़ा दिया। जिससे उसकी मौत घटना स्थल पर ही हो गई। उन्होंने कहा कि यहां ट्रेक्टर एवं टेम्पू चलाने वाले अधिकांश चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है। आज की घटना इसी का अंजाम है और इसका जिम्मेदार प्रशासन है। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि ऐसे चालकों के खिलाफ कड़ी करवाई होनी चाहिए और प्रशासन से मांग करूंगा कि सड़क की चौड़ीकरण की जाए और जगह जगह स्पीड ब्रेकर बनाए जाए। साथ ही बिना लाइसेंस के ड्राइविंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने वेतन संबंधी समस्याओं को लेकर दिया धरना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले के विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को लंबे समय से उनके वेतन और अन्य वित्तीय लाभों से वंचित रखा गया है। सदर हॉस्पिटल, अनुमंडलीय अस्पताल चास, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चास, चंदनक्यारी, पेटरवार एवं अन्य अस्पतालों में कार्यरत कर्मचारियों का माहवारी वेतन 3 माह से लेकर 8 माह तक बकाया है। अनुमंडलीय अस्पताल के आठ कर्मचारियों को 3 से 4 माह का वेतन वर्ष 2023 से नहीं दिया गया है। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन, महंगाई भत्ता, प्रोविडेंट फंड , और कर्मचारी राज्य बीमा जैसी सुविधाओं से भी वंचित रखा गया है। यह न केवल श्रम कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि कर्मचारियों और उनके परिवारों के जीवनयापन पर गंभीर प्रभाव डालता है। पी.एफ. और ई.एस.आई. की अनियमितताएँ कंपनी द्वारा कर्मचारियों से पी.एफ. और ई.एस.आई. की कटौती तो की गई है, लेकिन यह राशि उनके खातों में जमा नहीं की गई। इसके कारण कर्मचारी अपने चिकित्सा लाभों से वंचित हो गए हैं। जो कर्मचारी अभी तक पी.एफ. अकाउंट से वंचित हैं, उनके लिए अविलंब खाता खोलकर जमा राशि का भुगतान किया जाना चाहिए ताकि वे अपने भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। राष्ट्रीय छुट्टियों में कार्यरत कर्मचारियों और मातृत्व अवकाश पर रही महिलाओं को भी उनके बकाया वेतन और सुविधाएँ प्रदान नहीं की गई हैं। बोनस एक्ट 1965 के तहत सालाना बोनस देना अनिवार्य है, लेकिन कंपनी ने कभी इस नियम का पालन नहीं किया। नियोजन की तिथि से एरियर जोड़कर सभी कर्मचारियों को बोनस का भुगतान किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, ग्रेच्युटी एक्ट के तहत कर्मचारियों को उनकी सेवा अवधि के अनुसार ग्रेच्युटी राशि दी जानी चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की तैयारी को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सहयोगिनी के कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में कार्यकताओं ने महिलाओं के सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि एकजुट होकर समाज में सकारात्मक बदलाव के मिशन की सफलता पर सभीबको ध्यान देने की बात कही। बैठक में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया जिसके तहत 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन कसमर ब्लॉक सामुदायिक भवन में किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह, बाल शोषण, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और लड़कियों की बेहतर शिक्षा की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति सभी को जागरूक करना है। बैठक के दौरान कल्याणी सागर ने पूरे जोश और संकल्प के साथ लैंगिक अन्याय से मुक्त समाज की अपनी दृष्टि साझा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लड़कियों और महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना बेहद जरूरी है। सहयोगिनी इस दिशा में सक्रिय रूप बोकारो जिले में कार्य कर रही है । और महिलाओं को आजीविका के उपयुक्त अवसर देने के लिए सिलाई, कंप्यूटर साक्षरता, अंग्रेजी बोलने और ब्यूटीशियन कोर्स जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही है। बैठक में पॉक्सो अधिनियम, लैंगिक असमानता और महिला सशक्तिकरण के व्यापक पहलुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। सहयोगिनी महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता का समर्थन करने वाली नीतिगत सुधारों और जमीनी स्तर की पहलों की पुरजोर वकालत करता रहेगा।

बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी ने की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिला कांग्रेस कमिटी के द्वारा जायका रेस्टुरेंट बोकारो में आगामी 7 मार्च को झारखण्ड कांग्रेस प्रभारी माननीय श्री के राजू जी का संयुक्त भ्रमण कार्यक्रम के तहत बोकारो आगमन की तैयारी को लेकर जिलाध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक का संचालन वरिष्ठ कोंग्रेसी सुशील कु झा ने किया। आगामी 7 मार्च को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के झारखण्ड प्रभारी माननीय श्री के राजू जी, सह प्रभारी डॉ सीरीवेला प्रसाद जी एवं झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश जी का संयुक्त झारखण्ड भ्रमण कार्यक्रम के तहत बोकारो,धनबाद और गिरिडीह जिला कांग्रेस। प्रखंड अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष और मंडल अध्यक्षो की बैठक में शामिल होंगे। मौके पर श्री गुप्ता ने कहा कि आगामी 7 मार्च 2025 को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के झारखण्ड प्रभारी माननीय श्री के राजू जी, सह प्रभारी डॉ सीरीवेला प्रसाद जी एवं झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश जी का संयुक्त झारखण्ड भ्रमण कार्यक्रम के तहत बोकारो जिला में आगमन सुनिश्चित हुआ हैं।आगमन पर झारखंडी संस्कृति के गजा बजा के साथ भव्यरूप से स्वागत किया जायेगा। पुरे शहर झंडा बैनर से सजाया जायेगा।बैठक में मुख्य रूप से बोकारो,धनबाद और गिरिडीह जिला के जिलाध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष सहित तीनों जिला के प्रखंड अध्यक्षगणों, नगर अध्यक्षगणों, कार्यकारी अध्यक्षगण और मंडल अध्यक्षगणों होंगे शामिल। उक्त बैठक में झारखण्ड प्रभारी माननीय के राजू सह प्रभारी सीरिवेला प्रसाद और झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आदरणीय केशव महतो कमलेश जी मुख्यरूप से प्रखंड नगर, कार्यकारी और मंडल अध्यक्षो से संगठन सशक्तिकरण पर संवाद करेंगे। इसके लिए सभी प्रखंड,नगर, कार्यकारी और मंडल कांग्रेस अध्यक्षो को सूचित कर दिया गया हैं।मौके पर हरेंद्र सिंह, मनोज कुमार, सुशील कु झा, बिरिंची महाथा, इन्द्रेदेव पासवान,देवेंद्र चौबे, नारायण सिंह चौधरी देवासिस मंडल, हाजी अब्दुल मलिक, अजित सिंह चौधरी, अशोक मिश्रा, रीता सिंह, महावीर सिंह चौधरी,कमरुल हसन, जितेंद्र यादव, सतेंद्र यादव, शिबू यादव, महेश मण्डल, इमरान आंसरी, जलेश्वर दास, गौरव राय, तुलसी महतो मोख्तर अंसारी रमेश महाराज, पंकज महाथा, सपन प्रमाणित, आशा देवी, नेहा यादव, पूनम यादव, रंजू कुमारी, शकुंतला देवी,निवारण तिवारी,हसनुअला अंसारी, बैद्यनाथ जायसवाल,मुस्लिम अंसारी, घनश्याम नारायण, जीवन मंडल, मनोज वर्मा, राजीव सिंह, रमेश राय, रफीक अमानत, ऐ के सुल्तान, रामबाबू यादव, अभिमुनया पंडित सहित बोकारो कांग्रेसजनों उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जमशेदजी टाटा की 186 वीं जयंती पर एआईए ने निकाली इंश्योरेंस फॉर ऑल जागरूकता रैली

धनबाद: सोमवार को जमशेदजी टाटा का 186 वीं जयंती के अवसर पर एवं रत्न टाटा के याद में टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस परिवार धनबाद शाखा द्वारा इंश्योरेंस फॉर ऑल की जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली बैंक मोड़ स्थित श्रीराम प्लाजा से निकलकर पुराना बाजार, जोड़ा फाटक रोड, धनसार चौक होते हुए पुन: श्री राम प्लाजा आई। प्रवक्ता ने बताया गवर्नमेंट के अनुसार जो निर्देश आईआरडीआईए के द्वारा जारी किया गया है उसका पालन करते हुए इंश्योरेंस सभी के लिए 2047 तक होना अनिवार्य है इसी संदर्भ में यह जागरूकता रैली निकाला गया। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने जनवरी-फरवरी मार्च 2025 तक डेढ़ लाख परिवार को सुरक्षित करने की मुहिम चलाई है। साथ ही साथ 2047 तक पूरे भारत देश में घर घर इंश्योरेंस पहुंचने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर डीडीओए मुकेश कुमार, ब्रांच मैनेजर आनंद मोहन गुप्ता, लीडर्स में आकाश गुप्ता संजय झा,माथुर प्रसाद रवानी राजीव कुमार,लालजी शर्मा समेत अन्य थे।

उपायुक्त ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

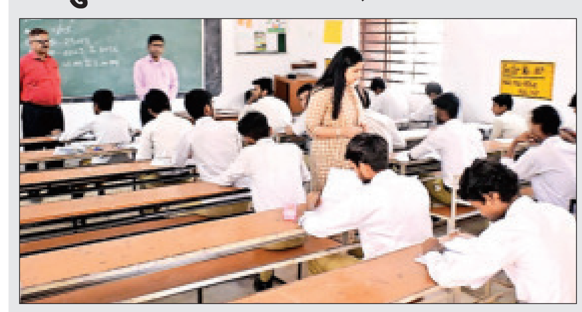

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने सोमवार को एच.ई. स्कूल में संचालित मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग कक्षाओं का भ्रमण किया। परीक्षार्थियों के एडमिट कार्ड की जांच की। साथ ही सीसीटीवी कैमरे की भी जांच की। उपायुक्त ने सेंटर सुपरिंटेंडेंट को कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराने के लिए लगातार निगरानी रखने व सतर्क रहने का निर्देश दिया।

चंदनकियारी के खिलाड़ी अब देश-विदेश में बिखेरेंगे जलवा : उमाकांत रजक

चास : प्रखंड स्थित पारटांड़ में आदिवासी क्लब की ओर से नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक और विशिष्ट अतिथि के रूप में युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सह युवा लायंस फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष देव शर्मा मौजूद थे। जिसका फाइनल साहिल क्लब और ब्रदर्स बॉयज बालीडीह के बीच हुआ। मैच में कांटे का मुकाबला हुआ और अंत में साहिल क्लब ने एक जीरो से जीत दर्ज किया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक उमाकांत ने प्रथम पुरस्कार के रूप में पुरस्कृत 30,000/- व द्वितीय पुरस्कार उपविजेता टीम को 20 हजार प्रदान किया। साथ ही उन्होंने सभी खिलाड़ियों से मिलकर उनका हौशला बढ़ाते हुए उन्हें भविष्य में राज्य और देश स्तर तक पहुंचने की अग्रिम बधाई दी। साथ ही अपने स्तर पर उन्हें हर संभव मदद करने का भरोसा दिया। विधायक ने कहा अब वो दिन दूर नहीं जब चंदनकियारी के खिलाड़ी भी धोनी और सचिन की तरह झारखंड का नाम रौशन करेंगे। इसके लिए वृहत कार्ययोजना पर काम किया जाएगा। झारखंड सरकार झारखंडियों के मान सम्मान के लिए हमेशा खड़ा है। वही कांग्रेस नेता देव ने कहा हमारे ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है। बस उन्हे तराशने की जरूरत हैं। ग्रामीण छेत्र के युवाओं के लिए हमारा सामाजिक संगठन युवा लायंस फोर्स भी व्यापक स्तर पर काम कर रही है आगें भी खेल को बढ़ावा देने के लिए काम किया जाएगा। मौके पर जिलापरिषद् सदस्यत सुषेण रजवार, मुधुनिया मुखिया प्रदीप कुमार , सुशील सोरेन , अशीन शर्मा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा देगी झारखंड सरकार का अबुआ बजट : पंकज यादव

चतरा: झारखंड सरकार की ओर से पेश किए बजट पर छात्र नेता पंकज यादव ने प्रतिक्रिया दी है। चतरा महाविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष पंकज यादव ने कहा कि झारखंड सरकार की अबुआ बजट से शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा मिलेगी। झारखंड सरकार ने सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए बजट बनाई है। राज्य सरकार का बजट राज्य का विकास करने वाला बजट है। बजट में सभी वर्गों की समान भागीदारी दी गई ताकि समाज के सभी वर्गों को वित्तीय बजट का लाभ और लोगों को राहत मिलेगी। बजट में राज्य सरकार को प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए अलग से प्रावधान की गई है। निचले वर्ग के लोगों का जीवन स्तर ऊंचा हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गांव से लेकर शहर के विकास को लेकर बजट बनाई है। इससे लोगों को बुनियादी सुविधाएं भी मिल सकेगी। छोटे-छोटे किसानों को उनके खेतों तक सिंचाई की सुविधा, जिससे उन्हें खेती करने में परेशानी नहीं होगी। स्वास्थ्य के क्षेत्र में अलग से प्रावधान की गई है।

प्रधान जिला जज ने की राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा

खूंटी: व्यवहार न्यायालय परिसर में आठ मार्च को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को बैठक का आयोजन किया गया। प्रधान जिला जज ने बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में इंश्योरेंस से संबंधित अधिक से अधिक वादों का निष्पादन करने में सहयोग करें और वैसे लोग जिनका मामला न्यायालय में लंबित है और वाद सुलहनीय है, वे अपने वादों का निष्पादन करा सकेंगे। प्रधान जिला जज ने लोगों से अपील की है कि वे मामले के निष्पादन के लिए व्यवहार न्यायालय अवश्य पहुंचे और न्यायालय में चल रहे लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्पादन कराएं। डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित बैठकें लगातार हो रही हैं और कुछ मामलों का निष्पादन प्रि-कॉन्सिलिएशन बैठकों के माध्यम से पिछले आठ जनवरी से ही जारी है। किसी भी कार्य दिवस में व्यवहार न्यायालय मामलों का निष्पादन किया जा सकता है। सक्षम नि:शुल्क और सुलभ न्याय के लिए लोग अपने वादों को समाप्त करने के लिए न्यायालय में उपस्थित हो।

झारखंड सरकार ने पेश किया 1.45 लाख करोड़ रुपये का बजट, गरीबों और महिलाओं पर फोकस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : झारखंड सरकार ने सोमवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक 1.45 लाख करोड रुपए का बजट पेश किया। इधर गुमला विधायक भूषण तिर्की ने झारखंड सरकार के नए बजट की प्रशंसा की है, जिसमें महिला और किसान कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि मैया सम्मान योजना के लिए 13,363.35 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के लिए 255 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, कृषि के लिए कुल 4,587 करोड़ रुपये आवंटित हैं। शिक्षा के क्षेत्र में, जमशेदपुर, गुमला और साहिबगंज में नए विश्वविद्यालय स्थापित किए जाएंगे। जमशेदपुर, पलामू, रांची, धनबाद और देवघर में बिजनेस एवं मास कम्युनिकेशन स्कूल की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए, ग्रामीण विकास के लिए 9841 करोड़ रुपये आवंटित हैं। जल संसाधन के लिए 2,257 करोड़ रुपये अलॉट किए गए हैं। सड़क निर्माण के लिए 1,200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें 1,200 किलोमीटर सड़कें और 10 हाई लेवल पुल शामिल हैं। भूषण तिर्की ने कहा कि यह बजट झारखंड के लोगों के लिए समावेशी विकास और कल्याण पर केंद्रित है। उन्होंने वित्त मंत्री किशोर और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस बजट को पारित करने के लिए धन्यवाद दिया। इस बजट को अबुआ बजट नाम दिया गया है, जो झारखंड के लोगों के लिए समावेशी विकास और कल्याण पर इसके फोकस को दशार्ता है।

विधायक ने सरकार से मांग की है की चैनपुर अनुमंडल स्तर पर कोल्ड स्टोरेज का निर्माण कराया जाए

गुमला : गुमला विधायक भूषण तिर्की ने विधानसभा सत्र के शून्य काल के दौरान सदन में गुमला विधान सभा क्षेत्र के चैनपुर इमरी, जारी और जनजातीय बहुल क्षेत्रों में किसानों की समस्या को उठाया है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने में सब्जी का उत्पादन होता है, लेकिन उसके संवर्धन के लिए कोई उपाय नहीं है, जिससे किसानों को अपनी सब्जी का सही मूल्य नहीं मिल पाता है। भूषण तिर्की ने सरकार से मांग की है कि चैनपुर अनुमण्डल स्तर पर कोल्ड स्टोरेज का निर्माण कराया जाए, ताकि किसानों की सब्जी का सही मूल्य मिल सके और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि कोल्ड स्टोरेज के निर्माण से न केवल किसानों को फायदा होगा, बल्कि इससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।भूषण तिर्की ने पूर्व में अपर संख जलाशय से किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने का मामला और आईटीआई में पढ़ाई शुरू करने का मामला को भी सदन में उठाने का काम किया है, जिससे क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि वे अपने क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के प्रति सजग हैं और उनके समाधान के लिए प्रयासरत हैं। भूषण तिर्की की इस पहल से क्षेत्र के किसानों में नई उम्मीद जगी है। उन्हें उम्मीद है कि उनकी समस्या का समाधान जल्द ही होगा और उन्हें अपनी सब्जी का सही मूल्य मिलेगा।

प्लास के लाल फूल देते हैं होली का न्यौता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : फाल्गुन माह में बसंत ऋतु के आगमन का आभास आम के मंजर,सजना के पेड़ो में लड़े फूल और प्लास के पेड़ो के लाल लाल मनमोहक फूल बताते हैं। बसंत ऋतु में होली त्यौहार के आने का आभास लोगो को पलास के लाल लाल रंग के फूल से होता हैं।ग्रामीण क्षेत्रों में पहले युवा प्लास के फूलों को जंगल से टोली में जाकर चुनकर लाते हैं। कई दिनों तक सुखाने के बाद उसको पीसकर पाउडर रंग बताते थे। वही पानी में सूखे फूल को डालकर रंगीन पानी बनाकर होली त्यौहार मनाते थे। अब अधिकांश लोग कृत्रिम रंगों से होली खेलते हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, खूँटी
Mail id : eebcdkhunti2021@gmail.com

शुद्धि पत्र

भवन प्रमंडल, खूँटी द्वारा प्रकाशित NIQ Quotation Reference No- KHN/BLD/28/2024-25 पी०आर०सं० PR No.347443 Building (24-25):D में कार्य के नाम "Proposed Construction of Bar Association Building at Khunti, Dist- Khunti" के स्थान पर "Proposed Construction of District Bar Council Building at Khunti, Dist- Khunti" पढ़ा जाय। शेष सभी शर्तें यथावत् रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता,
भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल, खूँटी

PR 347638 Building(24-25).D

तिरुलडीह थाना परिसर में पहली बार हुआ जनता दरबार, कई भूमि विवाद मामलों का हुआ निबटारा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : तिरुलडीह थाना परिसर में सोमवार को कुकडू के अंचलाधिकारी सत्येंद्र नारायण पासवान की अध्यक्षता में विशेष जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान भूमि विवाद से जुड़े 23 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से कई मामलों का मौखिक समाधान मौके पर ही किया गया। ग्रामीणों के अनुसार यह पहली बार था जब तिरुलडीह थाना परिसर में भूमि विवाद निवारण के लिए जनता दरबार आयोजित किया गया। इस पहल से प्रशासन और जनता के बीच संबंध मजबूत होंगे। वहीं कुकडू अंचल के अंचलाधिकारी सतेन्द्र नारायण पासवान ने कहा कि कुकडू अंचल क्षेत्र में भूमि विवादों के कारण कई बार खूनी संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे मामलों को सुलझाने के लिए थाना परिसर में जनता दरबार आयोजित किया गया ताकि विवादों का समाधान त्वरित और निष्पक्ष रूप से किया जा सके। उन्होंने बताया कि आज के जनता दरबार में कुल 23 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें भूमि के आपसी बंटवारे और नापी से जुड़े विवाद प्रमुख थे। कई मामलों का मौखिक समाधान मौके पर ही हुआ, शेष मामलों को सात दिनों के भीतर निष्पादित करने का निर्णय लिया गया है तथा प्रशासन और पुलिस के संयुक्त प्रयास से समस्याओं के समाधान में तेजी आई है। अंचलाधिकारी ने कहा कि भूमि विवाद के मामलों में लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने में पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे जनता दरबार पुलिस की निगरानी में भयमुक्त वातावरण में संपन्न होते हैं जिससे समाधान प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनती है। अंचलाधिकारी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि लोग आपसी झगड़ों से बचें और प्रशासन की मदद लें। किसी भी विवाद की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। भूमि विवादों को कानून के दायरे में रहकर हल करें। वहीं सड़क दुर्घटना में मुआवजा न मिलने से जुड़े सवाल पर अंचलाधिकारी ने कहा कि दुर्घटना मामलों में प्रक्रिया को पूरा करने पर ही मुआवजा राशि दी जाती है।

जेएसपीएलएस कर्मियों के बीच बीडीओ ने किया प्रमाण पत्र का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड के जेएसपीएलएस सभागार में सोमबार को बागवानी सखी और दीदी कैफे की सदस्यों को ईचागढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी एकता वर्मा के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्ति का प्रमाण पत्र वितरण किया गया। जेएसपीएलएस के सदस्यों ने दीदी कैफे संचालित करने व कैफे खोलने के लिए प्रखंड परिसर में ही एक रूम व्यवस्था करने के लिए आग्रह किया। बीडीओ द्वारा एसएचजी की सदस्यों को टमाटर सोश, मिर्ची आचार,सोश,मिर्च पावडर बनाने का प्रशिक्षण लेने के लिए सूची मांगा गया।बीडीओ के द्वारा प्रशिक्षण के बाद एसएचजी की सदस्यों को सोश बनाने का प्रोसेसिंग यूनिट देने का आश्वासन दिया गया। एसएचजी की सदस्यों और प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस का केक काट कर शुभारम्भ किया गया। मौके पर बीपीएम मनोहर टोप्पो, नरेश कुमार, विनीता महतो, विभा देवी, भुवानी महतो, चन्दन कुमार, लाल मोहन महतो आदि उपस्थित थे।

अभिहित अधिकारी–सह–अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी का कार्यालय, लातेहार (खाद्य सुरक्षा–शाखा)
fssai

खाद्य कारोबारियों के लिए आवश्यक सूचना

खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत सभी खाद्य कारोबारियों यथा–होटल, भोजनालय, रेस्टोरेंट, पानी विक्रेता, थोक विक्रेता (Wholesaler), वितरक (Distributor), प्रदायक (Supplier), भंडारक (Storer), विनिर्माता (Manufacturer), खुदरा विक्रेता (Retailer), विटामिन एवं फूड सप्लीमेंट बेचने वाले दावा दुकान, शराब दुकान, ठेला खूम्चा, कधशाला, मीट/चिकन/मछली/अण्डा दुकान, कैंटीन, मिठाई दुकानदार, परिवाहक (Transporter), फल एवं सब्जियों की दुकान, गुमटी, सरकारी/अर्द्ध सरकारी कार्यालय परिसर में संचालित कैंटीन, सभी स्कूल एवं कॉलेज में संचालित मेस इत्यादि फूड लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन लेना अनिवार्य है। बिना फूड लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन के खाद्य कारोबार करना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है, जिसमें 10 (दस) लाख रू0 तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

क्र0सं0	दिनांक	कैम्प का स्थल
01	05.03.2025	खाद्य सुरक्षा कार्यालय, सदर अस्पताल कैम्पस लातेहार समयः– 10:00 बजे पूर्वाह्न से 4:00 बजे अपराह्न तक

रजिस्ट्रेशन शुल्क	12 लाख से कम का टर्नओवर	100 रू0
लाईसेंस शुल्क	12 लाख से अधिक का टर्नओवर	2000 रू0 (सामान्य कारोबारी) 3000 से 5000 रू0 (मैन्युफेक्चरर)

रजिस्ट्रेशन के लिए आवश्यक दस्तावेजः–
1. एक स्वअभिप्रमाणित फोटो पहचान–पत्र।
2. एक पासपोर्ट आकार का फोटोग्राफ।
3. अगर पहचान–पत्र में व्यवसाय स्थल का पता अंकित नहीं तो व्यवसाय स्थल के स्वामित्व का दस्तावेज।

लाईसेंस के लिए आवश्यक दस्तावेजः–
4. प्रोपराईटर्स/पार्टनर का विवरण (नाम, पता, मो0 नं0,एवं ई–मेल आई0डी0)।
5. खाद्य कारोबारी का पहचान–पत्र।
6. व्यवसाय स्थल के स्वामित्व का दस्तावेज।
7. प्रोपराईटर्सशीप का सेल्फ डिक्लेरेशन/पार्टनशीप डीड।

खाद्य व्यवसाय से संबंधित कुछ विशेष दस्तावेजः–
8. मीट दुकान/वधशाला के रजिस्ट्रेशन/लाईसेंस हेतु स्थानीय निकाय एवं प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण–पत्र।
9. मैन्युफेक्चरर के लिए युनिट की ब्लूप्रिंट/मशीन एवं Instrument की सूची/पानी का रसायनिक एवं जैविक जाँच रिर्पोट।
10. कैटरर/ रेस्टोरेंट/होटल के लिए पानी का रसायनिक एवं जैविक जाँच रिर्पोट।
11. रिपैकर के लिए मैन्युफेक्चरर से अनापत्ति प्रमाण–पत्र।

नोटः– सभी दस्तावेज स्वअभिप्रमाणित रूप में जमा करना है।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, लातेहार।

अभिहित अधिकारी–सह–अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, लातेहार।

PR 347633 (Food Public Distribution and Consumer Affairs)24-25*D

कम्युनिटी मॉनिटरिंग प्रपत्र भरने का दिया गया एकदिवसीय प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी पलाश साहेबगंज के सौजन्य से बरहरवा प्रखंड के जेएसएलपीएस सभागार में सोमवार को बरहरवा और पतना प्रखंड के कैडरों का समुदाय आधारित निगरानी प्रणाली पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन जिला प्रबंधक एमआईएस रवि शंकर, बरहरवा बीपीएम मो फैज आलम और पतना बीपीएम राहुल कुमार के उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में सखी मंडल और ग्राम संगठन के कम्युनिटी मॉनिटरिंग का प्रपत्र को भरने के लिए विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया। जिला प्रबंधक रवि शंकर के द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण प्राप्त कर कैडर प्रखण्ड के विभिन्न गावँ में जाकर सखी मंडल और ग्राम संगठन के द्वारा अभी तक किये गए कार्यो का तीन दिनों तक अनुश्रवण करेगी तथा समुदाय आधारित निगरानी प्रणाली का मुख्य उद्देश्य जेएसएलपीएस तथा सरकार के द्वारा प्रदत्त सुविधाओं की अनुश्रवण व डाटा संग्रहण का कार्य होगा।

सिविल सर्जन ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरियो का औचक निरीक्षण

साहिबगंज/बोरियो : सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया ने 3 मार्च 2025 दिन सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरियो का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने ओपीडी, आईपीडी, लेबर रूम, पेशेंट वार्ड, प्रसव कक्ष, चिकित्सक व एएनएम ड्यूटी रोस्टर एवं सीएचसी की साफ सफाई आदि का जायजा सिविल सर्जन ने लिया। सिविल सर्जन ने उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारी एवं पैरामेडिकल कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने को कहा। इस मौके पर डॉ विनोद कुमार, डॉ पंकज कुमार गुप्ता, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश कुमार गोंड, बीपीएम विष्णु कुमार, एलटी मिट्ठू कुमार, फार्मासिस्ट सुमन भारती, मनीष कुमार आदि सभी स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

सिदो-कान्हू सभागार में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेले का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड, रांची के तत्वावधान में दत्तोपंत ठेंगड़ी एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन जिला नियोजनालय सह मॉडल कैरियर सेंटर, साहेबगंज द्वारा सिद्धो-कान्हू सभागार में किया गया। इस रोजगार मेले में कुल 12 निजी क्षेत्र के नियोजक उपस्थित हुए, जिसमें से 07 नियोजक साहेबगंज जिले से संबंधित थे। इन नियोजकों द्वारा ट्रेंड/बी.ऐड. टीचर्स, कंप्यूटर ट्रेनर, टेलरिंग ट्रेनर, एमआईएस, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रीशियन ट्रेनर, असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन ट्रेनर, जीडीए ट्रेनर, स्मार्ट फोन असेंबली टेक्नीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर, केंद्र मैनेजर, लोन ऑफिसर, पंचायत सुपरवाइजर, यूनिट मैनेजर, एफ और बी स्टीवार्ड, एनएपीएस ट्रेनी, ड्राइवर, कुक जैसे विभिन्न पदों के लिए नियोजन प्रक्रिया संपन्न की गई। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, डिप्लोमा इन इलेक्ट्रॉनिक, एडीसीए, जीएनएम, एएनएम, बीएससी नर्सिंग आदि निर्धारित की गई थी। इस मेले के माध्यम से कुल 1855 रिक्तियों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया की गई। नियोजकों द्वारा कुल 97 अभ्यर्थियों का चयन किया गया एवं 222 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया।

फॉसिल्स पार्क में जागरूकता कार्यशाला और शैक्षणिक भ्रमण का हुआ आयोजन

साहिबगंज/मंडरो : सोमवार को मंडरो स्थित फॉसिल्स पार्क में जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया और वन प्रमंडल के तत्वाधान में एक जागरूकता कार्यशाला और शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएफओ प्रबल गर्ग ने की। कार्यशाला के दौरान कन्या हाई स्कूल और तेतरिया हाई स्कूल, मंडरो के छात्र–छात्राओं को राजमहल पहाड़ियों में पाए जाने वाले जीवाश्मों की उत्पत्ति, उनके प्रकार, उपयोगिता, उपलब्धता और संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर बच्चों को वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से जीवाश्म विज्ञान की विशेष जानकारी दी गई, जिससे वे इस विषय को और गहराई से समझ सके।

प्रपत्र–VII
गुमला समाहरणालय, गुमला
(भू– अर्जन शाखा)
समाहर्त्ता/ अपर समाहर्त्ता –सह–समुचित सरकार अधिघोषणा
(अधिनियम–30/2013 की धारा–19(1)के अधीन)

ज्ञापांक – भू0अ0 दिनांक –

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ परियोजना पालकोट (NH 23) रोकेडेगा– बिलिंगबीरा– तमड़ा (SH-23) तक पथ चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण योजना ग्राम– पिथरटोली थाना–पालकोट थाना नं0– 34 अंचल –पालकोट जिला –गुमला कुल–3.11 एकड़ यानि 1.2591 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषित किया जाता है उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खण्ड है, जो मानक नाम से कमोबेश 3.11 एकड़ यानि 1.2591 हेक्टेयर है और जो ग्राम पिथरटोली थाना पालकोट थाना नं0 34 अंचल पालकोट जिला गुमला में है जिसका विवरण क्र0 सं0– 01 से 44 तक निम्नलिखित है:–

क्र0सं0	खाता संख्या	सर्वे भूखण्ड संख्या	स्वामित्व का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भू–खण्ड सं0) उ0	द0	पू0	प0
1		57		0.0460	मझीयस/खेवट नं0 3/1/अमरनाथ सिंह	53	46	48	41
2	1	53	रैयती	0.12	वल्द हेमजीत सिंह वो कमल सिंह वल्द जनमजय सिंह तुलसी सिंह वो नारायणी सिंह वो जगदीश सिंह कौम रौतिया साकिन देह।	रास्ता	निज	52/800	41
3	2	800	रैयती	0.01	बकास्त/खेवट नं0 3/1				
4		343		0.02	बकास्त/खेवट नं0 3/2	निज	333	351	341
5	3	375	रैयती	0.30		378	410	317	374
6		406		0.02		385	405	383	375
7		176	रैयती	0.01	अजनु नगेसिया वो नखनु नगेसिया पेसरान	रास्ता	निज	169	177
8		344		0.07	दुकुन नगेसिया कौम नगेसिया साकिन देह	351	346	348	333
9		346		0.04	प्रधान टोली व हिस्सा बराबर।	345	333	347	333
10	7	353		0.09		364	351	मेंड 2	351
11		371		0.02		370	372	373	376
12		372		0.23		388	415	370	367
13		416		0.01		387	422	417	353
14		348		0.10		351	347	349	344
15		1		0.1560	अजनु नगेसिया वो नखनु नगेसिया पेसरान	सिवाना	104	104	सिवान
16	8	34	रैयती	0.14	दुकुन नगेसिया कौम नगेसिया साकिन देह	सिवाना	104	104	सिवान
17		323		0.06	प्रधान टोली व हिस्सा बराबर।	निज	रास्ता	326	192
18		354		0.02	अजनु नगेसिया वो नखनु नगेसिया पेसरान	364	353	367	353
19	9	541	रैयती	0.03	दुकुन नगेसिया कौम नगेसिया साकिन देह प्रधान टोली व हिस्सा बराबर।	540	543	557	536
20		334		0.04	अजनु नगेसिया वो नखनु नगेसिया पेसरान	340	333	343	334
21	10	335	रैयती	0.02	दुकुन नगेसिया कौम नगेसिया साकिन देह प्रधान टोली व हिस्सा बराबर।	निज	326	334	325
22		377		0.155	करमा पाहन वल्द भानु नगेसिया कौम नगेसिया	379	363	381	376
23	11	381	रैयती	0.16	साकिन देह टोला प्रधान टोली।	380	382	380	377
24		382		0.015		381	363	381	377
25	16	555	रैयती	0.01	सोजा नगेसिया वल्द करमा पाहन कौम नगेसिया साकिन देह टोला प्रधान टोली।	सिवाना	557	558	557
26	20	178	रैयती	0.035	गुगु नगेसिया वल्द बागु नगेसिया कौम नगेसिया साकिन देह टोला प्रधान टोली।	रास्ता	निज	177	179
27		177		0.04	मंगल नगेसिया वल्द टोरी नगेसिया कौम	रास्ता	निज	176	178
28	26	537	रैयती	0.31	नगेसिया साकिन देह टोला प्रधान टोली।	538	363	513	286
29	31	198		0.01	लेधा लोहरा वल्द कुल्ल लोहरा वो बुधन लोहरा	247	199	197	247
30		199	रैयती	0.02	वल्द लदु लोहरा कौम लोहरा साकिन देह	198	191	रास्ता	247
31		200		0.06	टोला प्रधान टोला।	247	रास्ता	247	203
32	32	373	रैयती	0.06	नारायण सिंह वल्द राजकिशोर सिंह वो दिलीप सिंह वल्द सुना रौतिया कौम रौतिया साकिन देह व हिस्सा बराबर	370	411	374	372
33	38	327	रैयती	0.065	बकास्त मझनाई/खेवट नं0 8	रास्ता	निज	328	327
34	39	41	रैयती	0.10	मझीयस/खेवट नं0 7	रास्ता	निज	53	104
35	40	222	रैयती	0.12	मझीयस/खेवट नं0 7	221	रास्ता	220	223
36		58		0.025	मझीयस/खेवट नं0 9	191	184	187	57
37		192		0.01		193	189	323	166
38	45	203	रैयती	0.03		201	रास्ता	200	206
39		204		0.05		205	रास्ता	205	210
40		212		0.035		214	रास्ता	211	220
41		54		0.12	मझीयस/खेवट नं0 11	रास्ता	निज	57	52/800
42	49	179	रैयती	0.025		रास्ता	निज	178	190
43		223		0.065		224	104	222	225
44	50	187	रैयती	0.06	मझीयस/खेवट नं0 12	191	निज	190	58
			कुल	3.11					

यदि अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या 30/2013 की धारा–15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए है, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:–शून्य

ग्राम– पिथरटोली थाना–पालकोट थाना नं0– 34 अंचल –पालकोट जिला –गुमला कुल–3.11 एकड़ यानि 1.2591 हेक्टेयर

उपर्युक्त भूमि या किसी उपर्युक्त भूमि के निरीक्षण में पड़े कोयला खदान, लौह–पत्थर, स्लेट या अन्य खनिज है, ऐसे भागों में पड़े खदान एवं खनिज जिसे उस प्रयोजन जिसके लिए भूमि अर्जित की गई है परियोजना के निर्माण चरण के दौरान खोदे जाने या हटाया अथवा उपयोग किये जाने की अपेक्षा है को छोड़कर आवश्यक नहीं है।

जिला भू अर्जन पदाधिकारी, गुमला के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन योजना के सार नीचे दिये गये है:– शून्य है।

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी गुमला। | अपर समाहर्त्ता गुमला। | उपायुक्त गुमला।

PR 347679 Land Reforms(24-25)D

आदिवासी समाज के विकास के लिए कृत संकल्पित है सरकार : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा विधान सभा के पालकोट प्रखंड के सुंदरपुर पल्ली के करौन्दाबेड़ा भिखारिएट में महिला संघ का वार्षिक रैली का आयोजन किया गया। मौके पर विकर जेनरल फादर जेफरीनुस तिर्की,फादर सुप्रियन कुल्लू,फादर बरनाबास केरकेट्टा, फादर जीतन कुजूर,फादर सुशील मिंज,फादर जॉन केरकेट्टा, फादर सिरिल केरकेट्टा, फादर दीपक एक्का की उपस्थिति में बिशेष मिस्सा पूजा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक भूषण बाड़ा भी अपनी धर्मपत्नी सह पाकरटांड़ जिप सदस्य जोसिमा खाखा के साथ उपस्थित थे। कार्यक्रम के पूर्व उनका जोरदार स्वागत किया गया। मौके पर विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि समाज के विकास में काथलिक सभा की अहम भूमिका रही है। आगे भी कथलिका सभा के सहयोग से ही समाज मे खुशहाली और तरक्की आएगी। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के विकास और उत्थान के लिए महागठबंधन की सरकार कृत संकल्पित है। काथलिक सभा के लोग एकजुट रहें। सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए आगे आएं। विधायक ने समाज के लोगों को एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि अपने हक और अधिकार को हम एकजुट होकर ही प्राप्त कर सकते हैं। हम अपने बच्चो की परवरिश बेहतर ढंग से करें। कई बार लोग नशापान के कारण घर परिवार में लड़ाई झगड़ा कर लेते हैं। इससे घर परिवार में अशांति रहती है। इसलिए नशापान का त्याग करें। गांव समाज से नशापान को दूर करने के लिए भी पहल करें। मौके पर विकर जेनरल फादर जेफरीनुस तिर्की ने ईश्वर से मानव जाति के उत्थान और कल्याण के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि परम पिता परमेश्वर हमारे पापों को क्षमा कर हमें अनन्त जीवन प्रदान करें। उन्होंने सभी लोगों को ईश्वर के वचनों को अपने जीवन मे अमल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम ईश्वर की योजना महान है।

कैंसर रोधी वैक्सीन कितनी कारगर अभी बहुत कुछ शोध होना शेष

राकेश दुबेरूस ने घोषणा की है कि उसने कैंसर की रोकथाम के लिए एक नई एमआरएनए-आधारित वैक्सीन विकसित की है जो जल्द ही रोगियों को मुफ्त उपलब्ध करायी जाएगी। गमालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमोलोजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के निदेशक एलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग के मुतसबिक, इस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल्स से मालूम हुआ है कि यह रसौली को बढ़ने से रोकती है और उसके आशंकित रूप-परिवर्तन को भी। एमआरएनए या मैसेंजर आरएनए वैक्सीन वह जेनेटिक सूचना उपलब्ध कराती है, जो शरीर की कोशिकाओं को एंटीजन (प्रोटीन या अन्य पदार्थ जो प्रतिरोधात्मक प्रतिक्रिया आरंभ करता है) उत्पादन करना सिखाती है। जब यह एंटीजन कैंसर कोशिकाओं पर पहचान लिए जाते हैं तो इम्यून सिस्टम उनके खिलाफ हमला शुरू कर देता है।प्रश्न यह है कि यह वैक्सीन किस तरह से काम करती है? दरअसल, एमआरएनए कैंसर वैक्सीन इम्यूनोथेरेपी का एक रूप है। कैंसर कोशिकाएं अक्सर ऐसा तरीका विकसित कर लेती हैं कि वह पहचान में आने से बच जायें फलस्वरूप प्रतिरोधात्मक क्षमता उन्हें नष्ट नहीं कर पाती। इस बचाव के तरीके को अब समझ लिया गया है और इम्यूनोथेरेपी का विचार यह है कि शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता को इस प्रकार मजबूत कर दिया जाये कि वह कैंसर कोशिकाओं को तलाश करके उन्हें नष्ट कर दे तथा फैलने से रोके। इस उपचार में कीमोथेरेपी के विपरीत केवल कैंसर कोशिकाओं को ही नष्ट किया जाता है, नतीजतन साइड-इफेक्ट्स कम हो जाते हैं। वैक्सीन के अतिरिक्त भी इम्यूनोथेरेपी के अन्य अनेक तरीके हैं जैसे कार टी सेल थेरेपी, इम्यून चेकपॉइंट इन्हिबिटर्स आदि। अन्य वैक्सीनों की तरह एमआरएनए कैंसर वैक्सीन रोग को रोकने के लिए स्वस्थ व्यक्तियों के लिए नहीं है कि टीकाकरण करा लिया और रोग होगा ही नहीं। इन्हें उन रोगियों पर इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें पहले से ही कैंसर है ताकि रसौली को निशाना बनाकर उसका उपचार किया जा सके। यह उपचार विधि इस तरह से तैयार की गई है कि हर रोगी की रसौली में जो विशिष्ट एंटीजन होते हैं, उन्हें निशाना बनाया जाये, जिससे यह वैक्सीन व्यक्तिगत हो जाती है और अधिक प्रभावी भी। कैंसर एमआरएनए वैक्सीन को इस तरह से भी डिजाइन किया जा सकता है कि अनेक प्रकार के एंटीजन को निशाना बनाया जा सके।कैंसर की वैक्सीन का शोध केवल रूस में ही नहीं हुआ है। पिछले साल इंग्लैंड की नेशनल हेल्थ सर्विस ने कैंसर वैक्सीन लांच पैड स्थापित किया, जो एक ट्रायल कार्यक्रम है ताकि एमआरएनए व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन क्लिनिकल ट्रायल्स में उन लोगों के लिए तेजी लायी जा सके, जिनको कैंसर होने की पुष्टि हो चुकी है और साथ ही कैंसर का उपचार करने के लिए कैंसर वैक्सीन के विकास को गति प्रदान की जा सके। अमेरिका में ग्लोबल बायोफर्मास्यूटिकल कंपनी क्योरवैक ने पिछले सितम्बर में घोषणा की कि सीवीजीबीएम कैंसर वैक्सीन ने ग्लिओबलस्टोमा (ब्रेन कैंसर) रोगियों पर पहले चरण के अध्ययन में उत्सावर्धक प्रतिरोधात्मक (इम्यून) प्रतिक्रियाएं प्रदर्शित की हैं। वर्तमान में कैंसर वैक्सीन को लेकर संसार के विभिन्न हिस्सों में 120 से अधिक क्लिनिकल ट्रायल्स चल रहे हैं। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि कैंसर की रोकथाम के लिए 'वैक्सीन' शब्द का प्रयोग भ्रामक है। जहां तक कैंसर के रोकथाम की बात है तो ह्यूमन पपीलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर को होने से रोका जा सकता है, क्योंकि इस सिलसिले में 90 प्रतिशत से अधिक केस इस वायरस के कारण होते हैं। इसके अतिरिक्त हेपेटाइटिस बी वैक्सीन जो हेपेटाइटिस बी वायरल संक्रमण को रोकने के लिए दी जाती है, उसकी भी जिगर के कैंसर को रोकने में सुरक्षात्मक भूमिका हो सकती है। डॉक्टर इस बात पर बल देते हैं, " इम्यूनोथेरेपी उपचार से कैंसर को होने से नहीं रोका जा सकता। यह रोग होने के बाद का इलाज है।" कोई भी नई ड्रग क्लिनिकल ट्रायल्स के अनेक चरणों से गुजरती है। इस प्रक्रिया में सालों लग जाते हैं। जब तक यह सब डाटा सार्वजनिक तौरपर उपलब्ध नहीं होता है, तब तक यह कहना कठिन है कि रूस की उपचार विधि किस स्तर पर है और वह कितनी सुरक्षित व प्रभावी है।

इतना हल्ला क्यों, पहले भी तो हुआ है परिसीमन

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश में इस समय परिसीमन के मुद्दे पर सियासत में भूचाल आया हुआ है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पांच मार्च को इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक आहूत की है। उन्हें आशंका है कि परिसीमन के बाद तमिलनाडु की संसदीय सीटों की संख्या कम हो सकती है। स्टालिन का समर्थन दक्षिणी राज्यों के अन्य मुख्यमंत्रियों ने भी किया है। अभी यह तय नहीं है कि परिसीमन की प्रक्रिया कब शुरू होगी। यह माना जा रहा है कि 2025-26 में होने वाली जनगणना के बाद परिसीमन हो सकता है। इस प्रक्रिया के 2028 तक पूरी होने की संभावना है। परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है, इसलिए स्टालिन का हल्ला मचाना कहीं से भी ठीक नहीं लग रहा। पहले भी देश में परिसीमन हुए हैं।

वैसे भी उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुंचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है।

माना जा रहा है कि 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल भी अपनाए जा सकते हैं। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा। निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा तो शासन में सुधार होगा। बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आंकड़ों पर आधारित है। बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आंकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास संबंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढांचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है।

प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुंचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है।

तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है।इससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं।

आम आदमी जानना चाहता है कि परिसीमन क्या होता है? इसमें लोकसभा सीटों की संख्या कैसे घट और बढ़ जाती है? तो पहली बात यह कि देश में हर जनगणना के बाद परिसीमन होता है। यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है।वैसे ऐसा जरूरी भी नहीं है कि हर जनगणना के बाद परिसीमन हो। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके तहत लोकसभा व विधानसभा क्षेत्रों का निर्धारण किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य जनसंख्या में बदलाव के अनुसार सभी नागरिकों के समान प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करना होता है। देश की आजादी के बाद हर 10 साल में जनगणना कराई जाती रही है। हालांकि, 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई है।

संविधान के 81(2) में जिक्र है कि किसी राज्य की जनसंख्या और उस राज्य के संसद सदस्यों की संख्या के बीच का अनुपात सभी राज्यों के लिए समान होना चाहिए। इस हिसाब से अधिक जनसंख्या वाले राज्यों में सांसदों की संख्या ज्यादा है और कम जनसंख्या वाले राज्यों में कम सांसद हैं। संभवतः दक्षिणी राज्यों को इसी बात का डर है। कई दक्षिणी राज्यों में जनसंख्या तेजी से घटी है। ऐसे में अगर परिसीमन होता है तो इन राज्यों की लोकसभा सीटों में भी आबादी के अनुसार बदलाव हो सकता है। देश में अब तक चार बार 1952, 1963, 1973 और 2022 में परिसीमन आयोग का गठन किया जा चुका है। पहली बार 1952 में परिसीमन प्रक्रिया के समय देश में 489 लोकसभा सीटें थीं। इसके बाद 1963 में परिसीमन हुआ तो लोकसभा सीटों की संख्या 522 हो गई। 1973 में परिसीमन के तहत लोकसभा सीटों की संख्या 543 हो गई। 1967 में इंदिरा गांधी ने 42वें संविधान संशोधन के जरिए परिसीमन पर 25 साल के लिए रोक लगा दी थी। इसके बाद 2001 में जनगणना हुई और 2002 में परिसीमन आयोग का गठन किया गया। मगर तत्कालीन केंद्र सरकार ने 84वें संविधान संशोधन के तहत इस पर एक बार फिर 25 साल की रोक लगा दी थी। इस संविधान संशोधन के अनुसार, देश में लोकसभा सीटों की संख्या 2026 के बाद ही बढ़ाई जा सकती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

प्राण त्याग कर दे गए राष्ट्र भक्ति का संदेश

रमेश शर्मा

सुप्रसिद्ध क्रान्तिकारी और विचारक लाला हरदयाल की गणना उन विरले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में होती है जिन्होंने केवल भारत ही नहीं अपितु अमेरिका और लंदन में भी अंग्रेजों के अत्याचारों के विरुद्ध जनमत जगाया । लालाजी को अपने पक्ष में करने के लिये अंग्रेजों ने बहुत प्रलोभन दिए। उस समय की सबसे प्रतिष्ठित आईसीएस पद के प्रस्ताव भी दिया था जिसे लालाजी ने ठुकरा दिया था। यही आईसीएस सेवा को अब आईएएस के रूप में जाना जाता है। ऐसे स्वाभिमानी राष्ट्र भक्त लाला हरदयाल जी का जन्म 14 अक्टूबर 1884 को दिल्ली में हुआ था। उनका पैतृक घर दिल्ली के चांदनी चौक में गुरुद्वारा शीशगंज के पीछे स्थित था ।यह गुरुद्वारा शीशगंज उसी स्थल पर बना है जहां औरंगजेब की कठोर यातनाओं से गुरु तेगबहादुर जी का बलिदान हुआ था। लाला जी के पिता पं गोरेलाल जी संस्कृत के विद्वान और कोर्ट में रीडर थे। माता भोलारानी रामचरित मानस की विदुषी मानी जाती थीं। उनका परिवार आर्य समाज से जुड़ा था । इस प्रकार घर और पूरे क्षेत्र में राष्ट्रीय संस्कृति की प्रतिष्ठापना का वातावरण था। इसी वातावरण में लाला हरदयाल का जन्म हुआ था। परिवार के संस्कारों ने उन्हें बचपन से राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना से ओतप्रोत कर दिया था। उन्हें बचपन में मां से रामायण की और पिता से संस्कृत शिक्षा मिली। उन्हें रामायण की चौपाइयां और संस्कृत के अनेक श्लोक कंठस्थ थे। उन दिनों के सभी शासकीय विद्यालयों में चर्च का नियंत्रण हुआ करता था। उनकी प्राथमिक शिक्षा कैम्ब्रिज मिशन स्कूल में हुई और महाविद्यालयीन शिक्षा सेन्ट स्टीफन कालेज में। वे पढ़ने में बहुत कुशाग्र थे। सदैव प्रथम ही आते थे। उनकी स्मरण शक्ति अद्भुत थी। एक बार सुनकर पूरा पाठ कंठस्थ हो जाता था। उनकी गणना ऐसे विरले व्यक्तियों में होती थी जो अंग्रेजी और संस्कृत दोनों भाषाएं धारा प्रवाह बोल लेते थे। इस विशेषता ने उन्हें पूरे महाविद्यालय में लोकप्रिय बना दिया था। वे महाविद्यालयीन शिक्षा में कालेज में टाप पर रहने से उन्हे 200 पाउंड की छात्रवृत्ति मिली। इस राशि से वे आगे पढ़ने के लिये लंदन गए। 1905 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। लालाजी ने लंदन में भारतीयों के साथ अंग्रेजों का हीनता से भरा व्यवहार देखा जिससे वे बहुत विचलित हुए। यद्यपि इसका आभास उन्हें दिल्ली के सेन्ट स्टीफन कालेज में भी हो गया था। पर जो दृश्य लंदन में देखा उसे देखकर बहुत विचलित हुए और उन्होने अपने छात्र जीवन में जाग्रति और वैचारिक संगठन का अभियान आरंभ कर

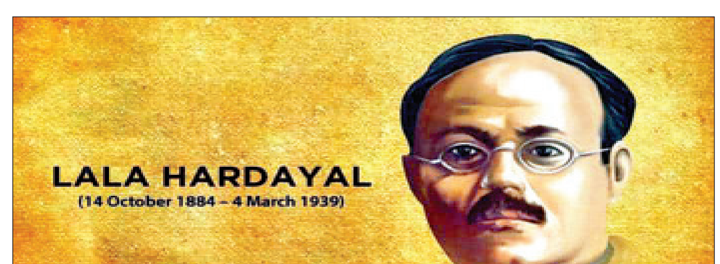

दिया। भारतीय छात्रों में संगठन और जाग्रति के लिये उन्होंने संगोष्ठियों और बैठकों का कार्य आरंभ किया।

वे ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते थे जिनमें भारतीय चिंतन की प्रतिष्ठा गरिमा और ओज के साथ हो संगठनात्मक भाव भी जाग्रत हो। लाला जी लंदन में क्रांतिकारी आंदोलन चला रहे मास्टर अमीरचंद के संपर्क में आये। उनका संपर्क क्रातिकारी श्यामजी कृष्ण वर्मा से भी हुआ। श्याम कृष्ण जी ने लंदन में इंडिया हाउस की स्थापना की थी। लालाजी उसके सदस्य बन गए। क्रान्तिकारियों के संपर्क और अध्ययन से लालाजी को यह भी आभास हुआ कि पूरी दुनिया में अंग्रेजों का दबदबा भारतीय सैनिकों के कारण है। जहां कभी भी सेना भेजना होती वहां सबसे अधिक सैनिकों की संख्या भारतीय मूल के सैनिकों की होती लेकिन अंग्रेज उनसे सम्मान जनक व्यवहार नहीं करते थे। उनकी कुशाग्रता और सक्रियता अंग्रेजों से छुपी न रह सकी उन्हे 1906 में आईसीएस सेवा का प्रस्ताव मिला जिसे ठुकराकर वे लंदन में भारतीयों के संगठन और स्वाभिमान जागरण के अभियान में ही लगे रहे।

उन दिनों चर्च और मिशनरियों ने युवाओं को जोड़ने के लिये एक संस्था बना रखी थी उसका नाम "यंग मैन क्रिश्चियन एसोशियेशन" था। इसे संक्षिप्त में "वायएमसीए" कहा जाता था। इसकी शाखायें भारत में भी थीं लाला हरदयाल जी ने भारतीय युवकों में चेतना जगाने के लिये क्रान्तिकारियों की एक संस्था "यंगमैन इंडिया एसोसिएशन" का गठन किया। उनकी सक्रियता देख उन पर स्थानीय प्रशासन का दबाब बना। वे 1908 में भारत लौट आए। यहां आकर भी वे युवकों के संगठन में ही लग गए। उनका अभियान था कि भारतीय युवक ब्रिटिश शासन और सेना की मजबूती में कोई सहायता न करें। इसके लिए उन्होंने देश व्यापी यात्रा की। लोकमान्य तिलक से मिले। उन्होंने लाहौर जाकर एक अंग्रेजी में समाचार पत्र आरंभ किया। उनका समाचार पत्र राष्ट्रीय चेतना से भरा हुआ था। अंग्रेजों ने समाचार पत्र के एक समाचार के बहाने उनपर एक मुकदमा दर्ज किया। इसकी खबर उन्हें लग गई और वे अमेरिका चले गए। अमेरिका जाकर गदर पार्टी की स्थापना की।

उन्होंने कनाडा और अमेरिका में घूम-घूम कर वहां निवासी भारतीयों को स्वयं के गौरव और भारत की स्वतंत्रता के लिये जागरूक किया। तभी काकोरी कांड के षडयंत्र कारियों में उनका भी नाम आया। अंग्रेजों ने उन्हे भारत लाने के प्रयास किए। पहले तो अमेरिकी सरकार ने अनुमति नहीं दी। लेकिन बाद में 1938 अनुमति दे दी गई। उन्हें 1939 भारत लाया जा रहा था कि रास्ते में फिलाडेल्फिया में रहस्यमय परिस्थिति में उनकी मौत हो गई। आशंका है कि उन्हें मार्ग में विष दिया गया। जब उनकी मृत्यु हुई तब वे भोजन कर रहे थे। उनकी मृत्यु का रहस्य आज भी बना हुआ है। वे पूर्ण स्वस्थ व्यक्ति कैसे भोजन करते करते शरीर त्याग सकता है। वह 4 मार्च 1939 का दिन था जब लाला जी इस नश्वर संसार को त्याग कर परम ज्योति में विलीन हो गए , पर इतिहास के पन्नों में राष्ट्र भक्ति का संदेश दे गए।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।)

सूडोकु नवताल- 7359

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7358 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

प्रधानमंत्री मोदी और जैव विविधता

मुकुंद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विश्व वन्यजीव दिवस पर ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, "आज विश्व वन्यजीव दिवस पर आइए हम अपने ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। इसमें हर प्रजाति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आइए आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके भविष्य की रक्षा करें। हमें वन्यजीवों के संरक्षण और सुरक्षा में भारत के योगदान पर भी गर्व है।" प्रधानमंत्री का वन्यजीव प्रेम किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने आज अपने गृह राज्य गुजरात में विश्व वन्यजीव दिवस पर जूनागढ़ जिले में स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया और एशियाई शेरों को करीब से देखा।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डीएसएलआर कैमरे से एशियाई शेरों की तस्वीरें खींचते नजर आए। उन्होंने एक ऐसी भी तस्वीर खींची जिसमें मादा शेरनी अपने शावक को दुलारती नजर आ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में एक वीडियो क्लिप भी अपलोड की। इसमें वो भारत की परंपरा में जैव विविधता के प्रति स्वाभाविक आग्रह का जिक्र कर रहे हैं। यह क्लिप 2023 की है। कर्नाटक के मैसूर में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने के स्मरणोत्सव कार्यक्रम में उन्होंने विचार रखे थे। उन्होंने दुनिया भर के वन्यजीव प्रेमियों के मन में अन्य देशों, जहां बाघों की आबादी या तो स्थिर है या फिर उसमें गिरावट हो रही है, की तुलना में भारत में बाघों की बढ़ती आबादी के बारे में उठने वाले सवालों को दोहराया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, "भारत इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था के बीच संघर्ष में विश्वास नहीं करता, बल्कि वह दोनों के सह-अस्तित्व को समान महत्व देता है।"

यहां यह महत्वपूर्ण है कि जबसे मोदी सरकार आई है तब से देश ने बाघों के संरक्षण में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। 2010 में भारत में करीब 1,700 बाघ थे। 2022 में उनकी संख्या बढ़कर 3,600 से भी ज्यादा हो गई है। यानी सिर्फ 12 साल में बाघों की संख्या दोगुनी हो चुकी है। आज, दुनिया के करीब 75 फीसद बाघ भारत में रहते हैं। यह वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बड़ी सफलता है और हम सब भारतवासियों के लिए गर्व का पल है। यह सरकार और समाज के सामूहिक प्रयास से संभव हुआ है।

मोदी सरकार के कठोर प्रतिबंधों की भी इसमें बड़ी भूमिका है। सरकार ने बाघों के शिकार करने पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई है। यही नहीं, बाघों के रहने वाले जंगलों को पूरी तरह से सुरक्षित किया गया ताकि वह अपना जीवन बिना किसी खतरे के जी सकें। बाघों के शिकार (जैसे हिरण) की संख्या पर ध्यान दिया गया ताकि बाघों को पर्याप्त भोजन मिलता रहे। समाज को बाघों से जुड़ी जानकारी दी गई और गांवों में बाघों से जुड़े संघर्षों को कम करने के उपायों पर तेजी से काम किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी का जूनागढ़ जिले में स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लेना अनायास नहीं है। दरअसल भारत में शेरों की आबादी भी बढ़ी है। वैसे भी देश में शेरों का संरक्षण सांस्कृतिक और पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण है। शेर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का अभिन्न और महत्वपूर्ण अंग हैं। शेरों का भारतीय मुद्रा और आधिकारिक दस्तावेजों में दिखाई देता है। भारत एशियाई शेरों का घर है। एशियाई शेर सिर्फ गुजरात के गिर के जंगलों में पाए जाते हैं। इस क्षेत्र में संरक्षण प्रयासों ने शेरों की आबादी को 2015 में लगभग 523 से बढ़ाकर 2020 में लगभग 674 तक पहुंचा दिया। केंद्र सरकार की 15 अगस्त, 2020 को घोषित प्रोजेक्ट लायन महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य लंबे एशियाई शेरों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

गुजरात में शेरों की संख्या और स्वास्थ्य की निगरानी के लिए नियमित रूप से गणना की जाती है। इसके अलावा आग प्रबंधन, बाढ़ की तैयारी और निरंतर वन्यजीव निगरानी जैसे उपाय यह सुनिश्चित करते हैं कि शेरों के पास सुरक्षित आवास हों और किसी भी आपात स्थिति का तुरंत समाधान किया जाए। बड़ी बात यह है कि अप्रैल 2023 में शुरू किया गया इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस दुनिया भर में शेरों सहित बड़ी बिल्लियों के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रहा है। शेरों के इतिहास की बात करें तो वह 30 लाख वर्ष पूर्व अफ्रीका और यूरेशियन महाद्वीप में विचरण करते थे। शोधकताओं का अनुमान है कि वर्तमान में पृथ्वी पर शेरों की उपस्थिति 30,000 से 100000 के बीच है।

जहां तक गिर वन्यजीव अभयारण्य का सवाल है तो वह एशिया में शेरों का एकमात्र निवास स्थान होने के कारण जाना जाता है। गिर अभयारण्य 1424 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 258 वर्ग किलोमीटर में राष्ट्रीय उद्यान और 1,153 वर्ग किलोमीटर वन्य प्राणियों के लिए आरक्षित अभयारण्य है। पास में ही मितीयाला वन्य जीव अभयारण्य है।माना जाता है कि विश्व में अफ्रीका के बाद गिर में शेर बचे हैं। गिर के जंगल को सन 1969 में वन्य जीव अभयारण्य घोषित किया गया था।

सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट लॉयन के तहत 2900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है। एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30 हजार वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोगों से बचाव के लिए राष्ट्रीय रेफरल केंद्र स्थापित किया जा रहा है। सासण में उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित किया है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

दैनिक पंचांग

4 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.54 बजे से
चंद्र	मेष में	मेष	08.25 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.05 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	12.03 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.17 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.33 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.45 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.55 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.10 ब.से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		धनु	01.26 बजे से
		मकर	03.31 बजे से
		कुंभ	05.18 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 63 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 15.17 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 02.38 बजे रात्र को समाप्त।
योग इन्द्र 02.07 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 15.17 बजे तदनन्तर कौलव 02.02 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 04.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 06° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872273
जूलियन दिन 2460738.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान **तारीख** 03
विशेष स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

बिजली कर्मियों ने शक्ति भवन के विरोध में प्रदेश व्यापी प्रदर्शन, फैसला रद्द करने की मांग

लखनऊ। में बिजली कर्मियों ने शक्ति भवन का घेराव किया है। बड़ी संख्या में पहुंचे कर्मचारी बिजली निजीकरण का विरोध कर रहे हैं। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट नियुक्ति का विरोध कर रही है। संघर्ष समिति के प्रदर्शन को देखते हुए सोमवार को खुलने वाले पावर कॉर्पोरेशन के टेंडर प्रक्रिया को आगे बढ़ाया दिया गया है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने कहा- पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का फैसला तत्काल रद्द किया जाए। 5 अप्रैल 2018 और 6 अक्टूबर 2020 के समझौतों का सम्मान करते हुए कर्मचारियों को विश्वास में लेकर विद्युत वितरण व्यवस्था में सुधार की दिशा में कार्य किया जाए। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने कहा कि जब तक निजीकरण का फैसला वापस नहीं ले लिया जाएगा तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के 42 जनपदों के विद्युत वितरण के निजीकरण का ऐलान किया गया था, उसका हम विरोध कर रहे हैं। आज 96 दिनों से हम लोग आंदोलन कर रहे हैं। शैलेंद्र दुबे ने कहा- आज निजीकरण के लिए ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट की बिड खोली जानी थी। हमने पहले ही कहा था कि इसमें घपला हो रहा है। इलेक्ट्रिसिटी एक्ट सेक्शन 131 यह कहता है कि सरकारी कंपनी का निजीकरण करने से पहले उसकी जो एसेट है, उसका फेयर वैल्यूएशन करना चाहिए। दूसरा यह की जिसका निजीकरण कर रहे हैं उसका रेवेन्यू पोटेंशियल क्या है यह पता करना चाहिए। इन दोनों बातों को बिना पता किए ही निजीकरण की तैयारी की जा रही है। जो जानकारी मिली है उसके अनुसार 1500 से लेकर 1600 करोड़ तक रिजर्व प्राइस रखा जाने वाला है। रेवेन्यू पोटेंशियल इससे कहीं अधिक है। इसका मूल्यांकन नहीं किया गया। सीएम योगी से हस्तक्षेप की अपील उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को यह बताना चाहता हूं कि निजीकरण में बहुत बड़ा घोटाला है। यूपी में जीरो टॉलरेंस की सरकार है।

सीएम योगी से निवेदन करूंगा कि इसमें हस्ताक्षर करें और जो भ्रष्टाचार होने वाला है उसे न होने दे। 24 घंटे बिजली हम लोग अभी दे रहे हैं। 24 घंटे बिजली देने के नाम पर गुमराह किया जा रहा है, जबकि यह सेवा पहले से ही जारी है। जब तक हमारी मांग पूरी नहीं हो जाएगी आंदोलन चलता रहेगा।

रूट्स ऑफ बुद्धिज्म ' अखिल भारतीय छायांकन कला प्रदर्शनी

संवाददाता
कुशीनगर।
राजकीय बौद्ध संग्रहालय गोरखपुर (संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश) एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के हीरक जयंती समारोह 2025 के अंतर्गत सायकिल यात्रा का कुशीनगर में स्वागत कार्यक्रम के अवसर पर ' रूट्स ऑफ बुद्धिज्म ' अखिल भारतीय छायांकन कला प्रदर्शनी 4 मार्च मंगलवार सायं को आयोजित है। जिसके मुख्य अतिथि एबी ज्ञानेश्वर होंगे। उक्त जानकारी उप निदेशक राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर डॉ यशवंत सिंह राठौर के हवाले से स्थानीय कर्मी तेज प्रताप शुक्ला ने दी है।

पिहीका कीट नियंत्रण के लिए टेकोरेल' कीटनाशक का करें प्रयोग: ओमप्रकाश गुप्ता

संवाददाता
कुशीनगर।
बसंत कालीन गन्ना की बुआई का कार्य शुरू हो गया है। जैसे जैसे तापक्रम बढ़ता है। उसी क्रम में गन्ना फसल में पिहीका कीट अंकुर बेधक का प्रकोप बढ़ जाता है। जिसका पैदावार पर भारी असर पड़ता है। पिहीका कीट नियंत्रण के लिए किसान टेकोरेल' कीटनाशक का प्रयोग करें। उक्त जानकारी उप्र गन्ना किसान संस्थान पिपराइच, गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता ने एक विज्ञप्ति में दी है। उन्होंने बताया कि पिहीका कीट के प्रकोप से गन्ने की

पौध की गोंफ (सीका) सुख जाता है और किनारे की पत्तियां हरी रहती हैं। गोफ आसानी से खींचने पर निकल जाता है। कहा कि किसान नाली में बोए गन्ना बीज के ऊपर कीटनाशक टेकोरेल मात्र आठ किलो प्रति एकड़ प्रयोग करें। इसके प्रयोग से पिहिका कीट नहीं लगेगा। इस कीट के प्रकोप से पौधा में गन्ना नहीं बनता है। पेड़ी गन्ने में निराई गुड़ाई करते समय टेकोरेल का प्रयोग कर सिंचाई करें। फायदेमंद होगा। कृषि विशेषज्ञ विपिन कुमार तिवारी ने बताया कि टेकोरेल के प्रयोग से कीट नियंत्रण के साथ ही पौध का विकास होता है। मथ मुडिया कीट टॉप बोरर के नियंत्रण के लिए मई माह में जायकोर मात्रा 150 मिली प्रति एकड़ के लिए 400 लीटर पानी में मिलाकर डेनचिंग करें। पेड़ी गन्ने कीसिंचाई गुड़ाई कर 50 किग्रा डीएपी और 50 किग्रा यूरिया जड़ों में डालें। जिस नाली में पौध नहीं है वहां पौधा रोपाई करें और नमी बनाए रखें। श्री गुप्ता ने बताया कि गन्ने की अच्छी खेती को लेकर किसानों के खेत पर जाकर जानकारी दी जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

शिल्प प्रदर्शनी व जागरुकता कार्यक्रम का तीन दिवसीय आयोजन 5 मार्च से

संवाददाता
कुशीनगर। नेशनल हैण्डिक्राफ्ट डेवलपमेंट प्रोग्राम अंतर्गत तीन दिवसीय प्रदर्शनी व जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन तमकुहीराज स्थित हरिओम पैलेस में 5, 6 व 7 मार्च को आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन कुशीनगर क्रोशिया हैंडिक्राफ्ट प्रोड्यूसर कुशीनगर द्वारा आयोजित है। उक्त जानकारी निदेशक देश दीपक दूबे ने दी है।

तस्वीरें दे रहीं हैं खुली गवाही, चंदवारी घुरौली मोरम खण्ड 26/8 में धडल्ले से हो रहा है भरकम प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों का इस्तेमाल,जबकि जांच टीम को मौके पर इल्लीगल नजर नहीं आया

संवाददाता
हमीरपुर।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की सरीला तहसील के चंदवारी घुरौली एस०एस० के० देवकान प्र०लि०, मोरम खण्ड 26/8 में शासन प्रशासन की रोक के बावजूद जबकि एनजीटी के नियम के खिलाफ किया जा रहा है भारी भरकम पोकलैण्ड मशीनों का घड़ल्ले से इस्तेमाल, वहीं खण्ड में आने वाले ट्रकों में बेखौफ होकर मोरम की ओवरलोडिंग के साथ ही अवैध परिवहन कर शासन को लगाया जा रहा है लाखों के राजस्व का चूना, जबकि जिम्मेदारों ने प्रैस नोट जारी करके बताया कि जांच करने गई टीम को मौके पर कुछ इल्लीगल नजर नहीं आया, हालांकि ये कोई मनगढंत कहानी नही है, बल्कि सीधे तौर पर खुली अंधेर गर्दी है, क्योंकि चंदवारी घुरौली मोरम खण्ड 26/8 की तस्वीरें इस बात की खुली गवाही दे रहीं हैं। लेकिन इस खण्ड में प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों के इस्तेमाल के साथ ही ओवरलोडिंग और अवैध परिवहन धडल्ले से किया जा रहा है, जबकि एसा लगता है कि पूर्व में की गई मोरम के अवैध खनन की सीबीआई जांच जो अभी विचाराधीन है, की तरह हमीरपुर में एक बार फिर से प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से मोरम के अवैध खनन, ओवरलोडिंग,अवैध परिवहन की सीबीआई जांच की जरूरत आन पड़ी है। तस्वीरें दे रहीं हैं खुली गवाही, चंदवारी घुरौली मोरम खण्ड 26/8 में धडल्ले से हो रहा है भारी भरकम प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों का इस्तेमाल,जबकि

खंडहर में मिला छात्रा का शव

कुशीनगर। के अहिरौली थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षिय छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत गई। परिजनों के अनुसार किशोरी छत पर सो रही थी जिसका शव पास के खंडहर में मिला। मृतका के हाथ से खून बह रहा था।

मृतका की बहन ने गांव के ही एक युवक से फोन पर बात करने की बात बताई है। जिससे 3 महीने पहले ही विवाद हुआ था। जिसके बाद युवक ने जान से मारने की धमकी दी थी। परिजनों ने गांव के युवक पर लगाया हत्या का आरोप परिवार ने एक युवक बंटी पर हत्या का आरोप लगाया है। बंटी ने गीता को जान से मारने की धमकी दी थी। मामला पुलिस तक पहुंचा, लेकिन पंचायत में समझौता हो गया। समझौते के बाद बंटी गांव से बाहर चला गया था। हाल ही में वह लौटा और गीता से फिर बातचीत शुरू कर दी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की मां बोली- हमारी किसी से दुश्मनी नहीं है जबकि मृतका के मां का कहना है कि वह छत पर सोई थी और काफी देर तक सोई रहती थी किससे बातचीत करती थी मुझे नहीं पता है। किसी से हमारी दुश्मनी नहीं है।

मृतिका के घर जुटे रिश्तेदारों ने बताया कि उसको बुलाकर हत्या की गई है।मृतका के 8वीं कक्षा की छात्रा थी मृतका के पिता रमेश चौधरी पल्लेदारी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनकी छह बेटियां और एक बेटा है। गीता चौथे नंबर की बेटी थी और आठवीं तक पढ़ी थी। परिवार में एक बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि पांच बेटियों की शादी होनी बाकी है। पुलिस का बयान वही इस मामले में कुशीनगर पुलिस का कहना है कि एक 15 वर्षीय युवती का शव खंडहर में मिला है प्रथम द्दष्टता उसके हाथ पर कटे के निशान है, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है जल्द ही घटना का अनावरण किया जाएगा।

भैंसहा पकडिहवा में बसन्त कालीन गन्ना गोष्ठी में दी जानकारी

संवाददाता
कुशीनगर। उप्र गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर व ढाढा मिल के संयुक्त तत्वाधान में कसया विकास खण्ड के ग्राम भैंसहा पकडिहवा व ग्राम विशंभरपुर में बसन्त कालीन गन्ना गोष्ठी का आयोजन कर सह फसली खेती के लाभ बताए गए। सोमवार को आयोजित गोष्ठी में गन्ना संस्थान के पूर्व सहायक निदेशक ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि इस समय गन्ना में भिन्डी, मूंग, उड़द, लोबिया की बुवाई करें। पेड़ी गन्ना फसल का उत्पादन पौधा गन्ना से अधिक है लागत भी 30% कम है, पेड़ी प्रबन्धन न होने के कारण पेड़ी गन्ने का उत्पादन कम मिल रहा है, पेड़ी गन्ना का सिंचाई गुड़ाई कर प्रति एकड़ 100 किग्रा एनपीके, 50 किग्रा यूरिया, 40 किग्रा पोटाश या 4 बोरा बायो पोटाश जड़ों के पास प्रयोग करें, खाली स्थानों पर गन्ना पौध की रोपाई करें। जून तक दो बार में 75 किग्रा यूरिया नमी के लिए प्रयोग करें। गोष्ठी में उपस्थित विशंभरपुर का किसान रामप्रीत कुशवाहा ने बताया कि एक कट्टे खेत में 40 हजार का भिन्डी बेचा था। संचालन करते हुए चीनी मिल के वरिष्ठ गन्ना अधिकारी दीपक कुमार तिवारी ने बताया को. 0118 गन्ना बोने पर एक बोरा बायो पोटाश तथा को. 15023 गन्ना बोने पर 2 बोरा बायो पोटाश चीनी मिल दे रही है। 18 हजार कु. बीज कसया क्षेत्र के लिए आरक्षित कराया गया है। कृषकों द्वारा पिहका कीट अंकुर बेधक नियंत्रण के विषय में पूछे जाने पर कृषि विशेषज्ञ मनोज गुप्ता ने बताया बुवाई के समय गेड़ी पर टेकोरेल मात्रा 8 किलोग्राम एक एकड़ में प्रयोग करें। गन्ना पर्यवेक्षक अमित शुक्ला ने को. 0118, को. 15023 को दिखाया। जितेंद्र दुबे ने कीट नाशक टेकोरेल दिखाया। अध्यक्षता प्रगति शील किसान संतोष गुप्ता ने किया। इस दौरान प्रगतिशील किसान छेदी सिंह, अजय तिवारी, संतोष गुप्ता, मार्कण्डेय सिंह, तेजा सिंह, केस्वर सिंह आदि मौजूद रहे।

सरकारी स्कूल का कमाल:छात्र ने राष्ट्रीय छात्रवृति परीक्षा में जिले में 27वां स्थान हासिल किया

कुशीनगर। जिले के हाटा तहसील स्थित कम्पोजित विद्यालय सिंहपुर के छात्र सत्येन्द्र कुमार गुप्ता ने राष्ट्रीय आय छात्रवृत्ति परीक्षा में जनपद में 27वां स्थान प्राप्त किया है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब विद्यालय के छात्र ने इस परीक्षा में सफलता हासिल की है। मार्गदर्शन की आवश्यकता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक दिवाकर मणि त्रिपाठी के अनुसार परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राएं प्रतिभावान हैं। उन्हें सही दिशा और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के गरीब छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराता है।माला पहनाकर सम्मान नियमित कक्षाओं के अतिरिक्त विशेष कक्षाएं भी संचालित की जाती हैं।

सत्येन्द्र की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार और प्रबंध समिति ने माला पहनाकर उनका सम्मान किया।

एआरटीओ इन्फोर्समैन्ट अमिताभ राय ने अभियान चलाकर मोरम के चौबीस ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये वसूला बारह लाख रुपये का जुमार्ना

संवाददाता
हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर एआरटीओ इन्फोर्समैन्ट अमिताभ राय ने बताया कि ओवरलोडिंग के खिलाफ सख्त अभियान चलाकर 26 से 27 फरवरी को सुमेरपुर रोड, ललपुरा, बजेहटा क्षेत्रों से छैः ओवरलोड ट्रकों को पकड़ने के साथ ही उनसे तीन लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया, इसके साथ ही 27 से 28 फरवरी की रात छानी के नजदीक कार्यवाही करते हुये लोकेशन माफियाओं के इशारे पर जा रहे नौ ट्रकों के खिलाफ कार्यवाही करने के बाद उनसे छैः लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया, जबकि एक ओवरलोड ट्रक सुमेरपुर फैक्ट्री एरिये में सीज की गई।

इसके साथ ही रात साढ़े नौ से सुबह साढ़े चार बजे तक ओवरलोड के साथ ही बिना नंबर प्लेट के ट्रकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए मुस्कुरा क्षेत्र से छुपा कर खड़े किये गये चार ओवरलोड ट्रकों को सीज करने की कार्यवाही करते हुये मुस्करा थाना पुलिस की सुपुर्दगी में खड़ा करा दिया गया,वही जिटकरी, जलालपुर क्षेत्र से पांच ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये तीन लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया, एआरटीओ इन्फोर्समैन्ट अमिताभ राय ने बताया कि बीते तीन दिनों मोरम के चौबीस ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए पांच ओवरलोड ट्रकों को सीज करने के साथ ही बारह लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में आई 83 शिकायतों में ज्यादातर का बेहतरीन तरीके से मौके पर किया डिस्पोजल

संवाददाता
हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान आम लोगों की शिकायतों को सुने के बाद जिम्मेदारों को आई हुई शिकायतों का बेहतरीन तरीके से वक्त पर डिस्पोजल करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिलाधिकारी घनश्याम मीना करीब 83 फरियादियों से रुबरु हुये, हालांकि ज्यादातर शिकायतों का जिलाधिकारी ने बेहतरीन तरीके से मौके पर डिस्पोजल कर दिया। जबकि बाकी शिकायतों के डिस्पोजल के लिये सभी एसडीएम , खंड विकास अधिकारी सहित जिम्मेदारों के साथ वर्चुअल/ जूम एप के जरिये से बैठक कर उनके फौरन डिस्पोजल के लिये निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ नियमित तौर से शिकायतों का अपने कार्यालय में सुनवाई कर डिस्पोजल किया जाय, इसमें किसी भी तरह किसी लापरवाही न बरती जाये।

जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस सहित दूसरे जरिये से आने वाले मामलों का जिम्मेदार अधिकारी मौके पर जाकर बेहतर तरीके से डिस्पोजल करें,और वक्त पर रिपोर्ट भेजें।

क्या आकाश की पॉपुलैरिटी से डर गईं मायावती

लखनऊ । मायावती ने लखनऊ में बसपा कार्यकताओं के साथ बैठक में कहा- मैं बताना चाहती हूं कि अब हमने अपने बच्चों के रिश्ते गैर-राजनीतिक परिवारों में ही करने का फैसला किया। इतना ही नहीं, मैंने खुद भी यह निर्णय लिया है कि मेरे जीते-जी और आखिरी सांस तक पार्टी में मेरा कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। मेरे लिए पार्टी और आंदोलन सबसे पहले हैं, परिवार और रिश्ते बाद में आते हैं। जब तक मैं जीवित रहूंगी, तब तक पूरी ईमानदारी से पार्टी को आगे बढ़ाती रहूंगी। 15 दिन पहले दिए गए अल्टीमेटम के रविवार (2 मार्च) को बसपा सुप्रीमो मायावती ने कड़ी बात कहते हुए भतीजे आकाश आनंद को न सिर्फ अपने उत्तराधिकारी, बल्कि पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया। इससे पहले 12 फरवरी को मायावती ने उनके ससुर एवं दक्षिणी राज्यों के प्रभारी रहे डॉ. अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। उन पर गुटबाजी को बढ़ाने और पार्टी विरोधी गतिविधियों का गंभीर आरोप लगाया था।मायावती ने दूसरी बार भतीजे आकाश आनंद के पर कतरे हैं। इससे पहले लोकसभा चुनाव में भी वह आकाश को हटा चुकी हैं। लेकिन, 43 दिनों बाद ही उन्हें वापस लाते हुए अपना उत्तराधिकारी भी घोषित कर दिया था। बसपा में अपने वर्चस्व के बाद से मायावती ने किसी भी दूसरे नेता को अपनी अलग पहचान बनाने नहीं दी। बसपा के संस्थापक कांशीराम के बाद मायावती ने पार्टी में एकतरफा फैसले लिए। पार्टी में अपनी अलग पहचान बना चुके स्वामी प्रसाद मौर्य, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, ब्रजेश पाठक, लालजी वर्मा, राम अचल राजभर, बाबू सिंह कुशवाहा, नकुल दुबे, लालजी निर्मल, केके गौतम, इंद्रजीत सरोज, सुनील चित्तौड़, बृजलाल खाबरी जैसे नेताओं को एक झटके में निकाल बाहर किया। दलित चिंतक एवं लखनऊ यूनिवर्सिटी के प्रो. रविकांत कहते हैं- आकाश तेजी से दलित समाज को प्रभावित कर रहे थे। अपनी अलग इमेज बना रहे थे। वह पार्टी को आगे ले जा सकते थे। इसी बात को वरिष्ठ पत्रकार सैयद कासिम समझाते हैं। कहते हैं- आकाश आनंद तेज तर्रार हैं। मायावती को जी-हुजूरी वाले नेता पसंद हैं। सवाल आकाश का नहीं,

बसपा का है कि उसका क्या होगा?खुद मायावती ने लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में आकाश को कोऑर्डिनेटर पद से हटाने की जो वजह बताई। वह साफ इशारा है कि किस तरह से अशोक सिद्धार्थ को लेकर परिवार में ही कलह थी। उन्होंने कहा- आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने यूपी सहित पूरे देश में पार्टी को दो गुटों में बांटकर गुटबाजी बढ़ाई थी। उनका ह्यअति घिनौना कार्यह्न ही उनके बाहर किए जाने की वजह बनी। अशोक सिद्धार्थ के निष्कासित किए जाने के बाद से वह बेटी के जरिए आकाश को प्रभावित कर रहा था। आकाश आनंद के पॉलिटिकल करियर को खराब करने के लिए पूरी तरह से इनके ससुर अशोक सिद्धार्थ जिम्मेदार हैं। वहीं, कभी बसपा में रहे और मायावती को करीब से समझने वाले सपा नेता त्रिभुवन दत्त कहते हैं- कांशीराम के मिशन से मायावती भटक चुकी हैं। अपने परिवारवाद में उलझी हुई हैं। इससे मिशन का काम खत्म हो चुका है। मुझे कोई उम्मीद नहीं दिखाई देती कि बसपा आगे कुछ रिस्पांस कर पाएगी। त्रिभुवन दत्त कहते हैं- मायावती पिछले कुछ साल से जिस तरीके से निर्णय ले रही हैं, उससे उनके ही समर्थक हैरान हैं। मायावती को मुखर नेता माना जाता है, लेकिन वे पिछले कुछ समय से भाजपा पर सीधे हमले करने से बचती रही हैं। इसकी तुलना में सपा-कांग्रेस पर उनका रुख हमलावर रहता है। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जैसे ही भतीजे आकाश आनंद ने भाजपा पर हमला करना शुरू किया, उन्होंने झट से उन्हें चुप करा दिया। प्रो. रविकांत कहते हैं- मुझे लगता है कि मायावती किसी के दबाव या प्रभाव में फैसले ले रही हैं। क्योंकि, आकाश तेजी से समाज को प्रभावित कर रहे थे। वे बसपा को आगे ले जा सकते थे। उन्हें हटाने का मतलब है कि वह कहीं से कंप्रोमाइज हैं। बसपा को एक्टिव नहीं करना चाहतीं। वहीं, बामसेफ के संस्थापक सदस्य रहे आरके चौधरी कहते हैं- मायावती ने बसपा को संपत्ति समझ लिया है। उन्हें डर लगता है कि ये किसी के नाम न हो जाए, इसलिए फैसले बदलती रहती हैं। मायावती सतीश मिश्रा पर आश्रित हैं। यही वजह है कि जो लोग मूवमेंट से जुडे. हुए थे वह किनारे लगते चले गए। आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटाए जाने के बाद सबसे बड़ा सवाल ये है कि उनका भविष्य क्या होगा? तो तीन तरह की प्रतिक्रिया सामने आईं। पहला कि वे पार्टी में बने रहें। भविष्य में हो सकता है कि मायावती फिर से उन्हें कोई अहम जिम्मेदारी सौंप दें। दूसरा, पार्टी से अलग होकर अपनी राजनीतिक पारी शुरू कर सकते हैं। तीसरा,पूरी तरह से राजनीति से अलग हो जाएं और अपने बिजनेस पर ध्यान दें। बसपा के पंजाब राज्य के प्रभारी रणधीर सिंह बेनीवाल से इस पूरे मामले को हमने समझने की कोशिश की। उन्होंने बताया- बहन मायावती जी की ये शैली रही है। वह किसी भी नेता को आगे बढ़ाने से पहले हर मापदंड पर तौलती हैं। आकाश आनंद युवा हैं। पार्टी में एक आम कार्यकर्ता की तरह काम करते रहेंगे। उनके काम से संतुष्ट होकर क्या पता भविष्य में फिर उन्हें अहम जिम्मेदारी सौंप दी जाए। प्रो. रविकांत कहते हैं- आकाश लोकसभा चुनाव के दौरान जिस तरह से बोल रहे थे, उससे उनकी अलग इमेज बनी है। आकाश अगर कोई विकल्प तैयार करते हैं, तो निश्चित रूप से बसपा के कैडर को आगे ले जा सकते हैं। वह एक नई राजनीति खड़ी कर सकते हैं। लेकिन, अगर मायावती की तरह साइलेंट रहते हैं तो कुछ नहीं होगा।आकाश मूल रूप से बिजनेसमैन हैं। उन्होंने लंदन से बिजनेस की पढ़ाई भी की है। पिता आनंद बसपा में अहम जिम्मेदारी तो संभाल ही रहे हैं।

आईफोन 15 फोन पर चल रहे हैं कार्ड डिस्काउंट

नई दिल्ली ।

अगर आप आईफोन खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, यह समय आपके लिए उपयुक्त है। वर्तमान में आईफोन 15 फोन पर कार्ड डिस्काउंट चल रहे हैं। इसकी वजह से फोन की कीमत ज्यादा डाउन हो गई है। आप भी इसे खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो हम कुछ टिप्स देने जा रहे हैं।

एप्पल आईफोन 15 (128जीबी) की एमआरपी 69,900 रुपए है, लेकिन आप इसे फिलपकार्ट पर 7प्रतिशत डिस्काउंट के बाद 64,999 रुपए में खरीद सकते हैं। साथ ही इस पर कार्ड डिस्काउंट भी अलग से चल रहे हैं। फोनपे यूपीआई ट्रांजैक्शन पर करीब 1प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। लीपकार्ट एक्सीस कार्ड से पेमेंट करेंगे तो 5 प्रतिशत का अनलिमिटेड कैशबैक मिलता है। आईडीएफसी फस्ट पावर वूमेन प्लेटिनियम कार्ड से पेमेंट करने पर 5 प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। ऐसे में आपको अलग-अलग डिस्काउंट ऑफर्स हासिल करने पर काफी सस्ता मिल सकता है। पुराना फोन वापस करने पर आपको अलग से डिस्काउंट मिल सकता है।

इसे एक्सचेंज ऑफर का नाम दिया गया है। एक्सचेंज ऑफर के तहत आपको ये फोन 39,150 रुपए सस्ता मिल सकता है। लेकिन इतना सस्ता फोन हासिल करने के लिए आपके पुराने फोन की कंडीशन ठीक होनी चाहिए और ये पुराने फोन के मॉडल पर भी डिपेंड करता है। अगर ये डिस्काउंट भी आपको पूरा मिल जाता है तो आईफोन 15 आपको महज 25,849 रुपए में मिल सकता है। फोन की कंपनी की तरफ से 1 साल की वारंटी मिल रही है। आईफोन 15 के फीचर्स को लेकर आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। इस फोन में 6.1 इंच सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले दिया जाता है। फोन में डुअल रियर कैमरा दिया जाता है जिसका प्राइमरी कैमरा 48एमपी मिलता है।

साथ ही आईफोन 15 में 12एमपी फ्रंट कैमरा मिलता है। इसकी मदद से आपके लिए सेल्फी या शॉर्ट वीडियो शूट करना आसान हो जाता है।

पैसे नहीं डाले जाने पर बंद हो सकते हैं ये अकाउंट्स

नई दिल्ली ।

पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाय) अकाउंट में अगर चालू वित्त वर्ष में इनमें पैसे नहीं डाल पाए, तो अकाउंट एक्टिव रखने के लिए 31 मार्च 2025 तक कुछ रुपए जरूर डाल दें। इन अकाउंट में पैसे नहीं डाले जाने पर ये अकाउंट्स बंद हो सकते हैं। अगर न्यूनतम जरूरी रकम नहीं डाली, तो इन्हें दोबारा एक्टिव करवाने के लिए आपको जुर्माना देना पड़ेगा। आपको अपनी इन योजनाओं में मिनिमम निवेश बनाए रखना होता है ताकि यह पता चल सके कि आपका खाता एक्टिव है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड अकाउंट रखने वालों के लिए मिनिमम डिपॉजिट 500 रुपए है यानी आपको इसमें एक वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपए का निवेश करना होता है। ऐसा न करने पर आपका खाता बंद हो सकता है। इसमें पैसा डालने की आखिरी तारीख 31 मार्च 2023 है तो आप उससे पहले ये मिनिमम बैलेंस डाल दें। पीपीएफ अकाउंट पर अभी 7.1 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। सुकन्या समृद्धि योजना सुकन्या समृद्धि योजना में अगर अकाउंट है तो आपको हर वर्ष में मिनिमम 250 रुपए जमा करने होते हैं। अगर आप यह पैसा नहीं जमा करते हैं तो आपको 50 रुपए जुर्माना देना पड़ेगा। सुकन्या समृद्धि योजना अकाउंट पर अभी 8.2प्रतिशत ब्याज मिल रहा है।

टैक्स छूट का मिलता है फायदा इन दोनों ही स्कीम्स में निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट का फायदा लिया जा सकता है। इसके तहत 1.5 लाख रुपए तक के सालाना निवेश पर आप टैक्स छूट पा सकते हैं। आसान भाषा में इसे ऐसे समझें, आप धारा 80सी के माध्यम से अपनी कुल कर योग्य आय से 1.5 लाख रुपए तक कम कर सकते हैं। बता दें कि अकाउंट में ग्राहक को मिनिमम अमाउंट जमा करना होता है। अगर आप आखिरी तारीख तक पैसा नहीं डालते हैं तो आपको हर साल के हिसाब से 50 रुपए जुर्माना देना होगा।

तमिलनाडु में विनिर्माण इकाई लगाने जमीन तलाश रही है टेस्ला

- दक्षिण भारत में ईवी के लिए परिवेश और लक्जरी कारों की मांग सबसे ज्यादा

नई दिल्ली ।

वाहन क्षेत्र की वैश्विक कंपनी टेस्ला द्वारा दक्षिण भारत के तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में अपनी विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए जमीन की तलाश कर रही है। इस बीच उद्योग और सरकारी विशेषज्ञ इस बात का संकेत दे रहे हैं कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बेहतर रूप से विकसित पारिस्थितिकी तंत्र और प्रीमियम वाहनों की बढ़ती मांग अमेरिका की इस लग्जरी कार विनिर्माता को इस क्षेत्र में आकर्षित कर रही है। कंपनी महाराष्ट्र और गुजरात में भी जमीन तलाश रही है लेकिन विशेषज्ञों की बात पर भरोसा करें तो लक्जरी वाहन विनिर्माताओं की बढ़ती मांग का बड़ा हिस्सा दक्षिण भारत से आ रहा है। आंध्र प्रदेश सरकार के एक सूत्र ने कहा कि दक्षिण भारत में ईवी के लिए परिवेश और लक्जरी कारों की मांग सबसे ज्यादा है इसी वजह से टेस्ला हमसे बातचीत कर रही है। 2024 में दक्षिण भारत में लक्जरी श्रेणी के वाहनों की बिक्री में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई और तमिलनाडु में 2022-23 की तुलना में प्रीमियम कार पंजीकरण में 19.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। बेंगलूर में भी पिछले साल अल्ट्रा-लक्जरी कार बाजार में 35 फीसदी का इजाफा हुआ है। देश की इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल बिक्री में 45 फीसदी हिस्सेदारी दक्षिण भारत की है। इसकी मुख्य वजह तमिलनाडु में मूल उपकरण विनिर्माताओं, कलपुर्जा आपूर्तिकर्ताओं और बैटरी विनिर्माण इकाइयों के लिए दमदार परिवेश की मौजूदगी है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने हाल ही में अपने 25 शोरूम को लक्जरी लाउंज में बदलने के लिए 150 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है और मुख्य ध्यान महानगरों और मझोले शहरों पर होगा। लेम्बोर्गिनी ने भी दक्षिण में अपनी डीलरशिप विस्तार की योजना बनाई है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि भारत में बिकने वाले सभी इलेक्ट्रिक वाहनों में से 40 फीसदी तमिलनाडु में बनते हैं।

किआ ने पहला मॉडल पीवी5 किया पेश

नई दिल्ली ।

अपनी बियॉन्ड व्हीकल (पीबीवी) रणनीति के तहत कार बनाने वाली कंपनी किआ ने पहला मॉडल पीवी5 पेश किया है। पीवी5 मॉडल को स्पेन के टैरागोना में आयोजित 2025 किआ ईवी दिवस पर प्रदर्शित किया गया।

पीवी5 कोरिया और यूरोप में 2025 की दूसरी छमाही में लॉन्च होगा, जबकि अन्य बाजारों में 2026 में आएगा। इसकी प्री-बुकिंग 2025 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद है। यह ई-जीएमपी.एस प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जो बैटरी-इलेक्ट्रिक स्केटबोर्ड आर्किटेक्चर का उपयोग करता है। इसका मॉड्यूलर डिज़ाइन इसे यात्री परिवहन, कार्गो डिलीवरी और अन्य विशेष रूपांतरणों के लिए उपयुक्त बनाता है।पीवी5 को तीन बॉडी स्टाइल - पैसेंजर, कार्गो और चेसिस कैब में पेश किया जाएगा। इसके अलावा, व्हीलचेयर सुलभ मॉडल , बॉक्स वैन और लाइट कैंपर जैसे व्यावसायिक रूपांतरण विकल्प भी उपलब्ध होंगे। इसमें 51.5केडब्ल्यूएच या 71.2केडब्ल्यूएच एनसीएम बैटरी के विकल्प मिलेंगे, जबकि कार्गो वेरिएंट के लिए 43.3केडब्ल्यूएच एलएफपी बैटरी दी जाएगी।

इसकी 120 केडब्ल्यू फ्रंट मोटर 250 एनएम टॉर्क उत्पन्न करती है और 400 किमी तक की रेंज प्रदान करती है। फास्ट चार्जिंग तकनीक के तहत यह 30 मिनट में 10-80प्रतिशत तक चार्ज हो सकता है। पीवी5 में एंड्रॉइड ऑटोमोटिव ओएस-आधारित इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलेगा, जो ओवर-द-एयर (ओटीए) अपडेट और स्मार्ट कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इसके वाहन-से-लोड (वी2एल) क्षमता के जरिए बाहरी उपकरणों को सीधे वाहन से पावर दी जा सकती है।

एआई युग में भारत रहेगा सबसे आगे : पीयूष गोयल

मुंबई ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मोदी सरकार की दमदार नीतियों के कारण उद्यमियों और इनोवेटर्स को नई डिजिटल लहर का लाभ उठाने में मदद मिलेगी, जिससे भारत एआई युग में सबसे आगे रहेगा। मुंबई टेक वीक 2025 में अपनी बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा` कि मुझे पूरा विश्वास है कि आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, पूंजी और कौशल उपलब्धता में किए जा रहे निवेश के साथ मुंबई भारत का टेक हब बन सकता है। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, मुंबई टेक वीक 2025 में शानदार बातचीत हुई, जहां मुझे एआई को अपनाने और इसके नैतिक उपयोग में योगदान देने में भारत के लाभ के बारे में विस्तार से बोलने का मौका मिला। भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने में लीडरशिप पोजीशन स्थापित कर रहा है। देश ने 2024 में 3 बिलियन एआई-रिलेटेड-ऐप डाउनलोड दर्ज किए, जो अमेरिका के 1.5 बिलियन और चीन के 1.3 बिलियन की संख्या से कहीं आगे था। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के अनुसार यह दर्शाता है कि भारत यूज केस कैपिटल ऑफ एआई है, जिसका अर्थ है कि देश केवल एआई के बारे में केवल बात ही नहीं कर रहा है या एआई में केवल रिसर्च ही नहीं कर रहा है; यह असल में इसे बड़े पैमाने पर लागू भी कर रहा है। पिछले महीने पेरिस में एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बारे में बात की कि कैसे एआई केवल एक राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बल्कि एक वैश्विक जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक ऐसा एआई होना बहुत जरूरी है जो नैतिक, इंक्लूसिव और भरोसेमंद हो। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया एआई युग की शुरुआत में थी, जहां यह टेक्नोलॉजी तेजी से मानवता के लिए कोड लिख रही थी और हमारी राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को नया आकार दे रही थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एआई का लाभ सभी तक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की कि भारत अगले एआई सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

बजाज ऑटो की बिक्री फरवरी में दो प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो की फरवरी 2025 में कुल बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 3,52,071 इकाई हो गई। बजाज ऑटो ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने फरवरी 2024 में कुल 3,46,662 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 2,99,418 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,94,684 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत घटकर 1,46,138 इकाई रह गई। पिछले महीने दोपहिया वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 1,53,280 इकाई हो गया। बजाज ऑटो ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसके वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 52,653 इकाई हो गई।

आने वाले वर्षों में सोने की प्रासंगिकता बढ़ेगी- नागेश्वरन

नई दिल्ली । मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि आने वाले वर्षों में परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने की प्रासंगिकता बढ़ेगी। उन्होंने आईजीपीसी - आईआईएमए वार्षिक स्वर्ण और स्वर्ण बाजार सम्मेलन 2025 में कहा कि सोना न केवल मूल्य के रूप में, सांस्कृतिक और धार्मिक उद्देश्यों के रूप में, बल्कि एक महत्वपूर्ण पोर्टफोलियो विविधीकरण तंत्र के रूप में भी प्रासंगिक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि जब तक कि दुनिया मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक गैर-प्रणाली से अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली तक पहुंचने में सक्षम नहीं हो जाती, तब तक परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने का महत्व बना रहेगा। पिछले तीन महीनों में सोने का मूल्य 200 डॉलर प्रति औंस या आठ प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2,860 डॉलर प्रति औंस हो गया है। नागेश्वरन ने यह भी उम्मीद जताई कि भारत अपने पास मौजूद सोने की परिसंपत्तियों को उत्पादक रूप से उपयोग करने के तरीके खोजेगा।

फरवरी में हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री 17 फीसदी घटी

नई दिल्ली । हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि फरवरी में उसकी कुल बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत घटकर 3,88,068 इकाई रह गई। कंपनी ने पिछले साल फरवरी में 4,68,410 इकाइयां बेची थीं। दोपहिया वाहन विनिर्माता ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने डीलरों को घरेलू आपूर्ति 3,57,296 इकाई रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 4,45,257 इकाई था। पिछले महीने निर्यात बढ़कर 30,772 इकाई हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 23,153 इकाई था। कंपनी ने शादी के मौसम और नए उत्पादों की पेशकश के कारण आगामी महीनों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई।

चीन के कारखानों को मिलने वाले ऑर्डर में हुई बढ़ोतरी

बीजिंग । चीन के विनिर्माताओं का कहना है कि फरवरी में उन्हें मिलने वाले ऑर्डर में बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन के सामान पर अधिक शुल्क लगाने की घोषणा से बचने के लिए आयातकों ने अपने ऑर्डर बढ़ाए। ट्रंप ने पहले चीन से आयात पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगाया था और यह मंगलवार से बढ़कर 20 प्रतिशत हो जाएगा। कारखाना प्रबंधकों के बीच किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक चीन का आधिकारिक क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49 प्रतिशत से बढ़कर 50.2 प्रतिशत हो गया। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थिर औद्योगिक उत्पादन से पता चलता है कि सरकारी खर्च ने पिछले महीने व्यावसायिक गतिविधियों का समर्थन किया।

भारत से आ रही नदी से सोना निकालेगा पाकिस्तान

- 800 अरब के खजाने के लिए बनाया बड़ा प्लान

इस्लामाबाद । सिंधु नदी भारत से होकर गुजरती है और पाकिस्तान के लिए एक अनमोल विरासत है। पाकिस्तान सरकार के नेस्पेक और पंजाब प्रांत के खान और खनिज विभाग ने अटक प्लेसर गोल्ड परियोजना का आयोजन किया है। नदी की घाटी में सैकड़ों अरब पाकिस्तानी रुपये का सोने का भंडार होने की संभावना है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार नेस्पेक ने सिंधु नदी के किनारे 9 प्लेसर गोल्ड ब्लॉक्स के लिए बोली दस्तावेज तैयार किए हैं। इस स्थान पर खानन सेक्टर में वैश्विक खनन उद्योग का प्रमुख खिलाड़ी बनने की संभावना है। इस साल, पाकिस्तान की रिपोर्ट में कहा गया कि पंजाब के अटक के पास 800 रुपये का सोने का भंडार हो सकता है। इसके बाद, खैबर पख्तूनखवा में नौशेरा के पास सोने की लूट शुरू हो गई है। अभी तक खुदाई नहीं शुरू हुई है, लेकिन खनन ठेकेदार इस भंडार को उड़ाने के लिए तैयार हैं। सिंधु नदी से आने वाला सोना प्लेसर गोल्ड कहलाता है जिसके टुकड़े चपटे या पूरी तरह गोल मिलते हैं।

सेबी के नए प्रस्ताव से बीएसई के शेयरों में गिरावट

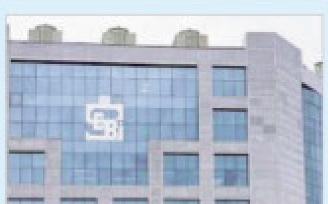

मुंबई। बाजार से जुड़े रिस्क को लेकर सेबी ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के शेयरों पर दबाव बना दिया है। इसके अलावा एक वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने इस प्रस्ताव के कारण बीएसई के टारगेट प्राइस में करीब 14 फीसदी की कटौती कर दी, जिससे शेयरों में बड़ी गिरावट देखी गई। फिलहाल बीएसई का शेयर 3.47 फीसदी गिरकर 4,473.05 रुपए पर कर रहा है, जबकि इंट्रा-डे में यह 5.14 फीसदी तक गिरकर 4,395.70 रुपए के स्तर तक पहुंच गया था। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि सेबी के प्रस्ताव से कैश इक्विटी टर्नओवर के मुकाबले इंडस्ट्री का ऑप्शंस प्रीमियम घटकर 0.4 से 0.3 पर आ जाएगा। इसके चलते इंडेक्स ऑप्शंस कॉन्ट्रैक्ट पर ट्रेड होने वाले औसतन डेली प्रीमियम की मार्केट में हिस्सेदारी 30 फीसदी पार कर जाए, ऐसा मुश्किल हो जाएगा। फरवरी में यह आंकड़ा 22 फीसदी था। ऐसे में ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि प्रप्राइइटेरी ट्रेडर्स की एक्टिविटी कम हो सकती है और इसका झटका बीएसई के शेयरों पर दिख सकता है क्योंकि बीएसई के औसतन डेली टर्नओवर का करीब 70 फीसदी इन्हीं से आता है। इन सब बातों को देखते हुए ब्रोकरेज फर्म ने टारगेट प्राइस 5,650 रुपए से घटाकर 4,880 रुपए कर दिया है। हालांकि न्यूट्रल रेटिंग बरकरार रखा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौर दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे हैवीवेट शेयरों के साथ विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार गिरा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 112.16 अंक करीब 0.15 फीसदी टूटकर 73,085.94 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 5.40 अंक तकरीबन 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ ही 22,119.30 पर बंद हुआ।

जानकारों के अनुसार वैश्विक स्तर पर अनिश्चताओं के कारण बाजार में कमजोरी आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प की टैरिफ लगाने की घोषणाओं से बाजार में संशय का माहौल है। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी के शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया है।

वहीं गत माह फरवरी में निवेशकों को 40 लाख करोड़ का नुकसान हुआ।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पिछले महीने में 40 लाख करोड़ रुपये घट गया। 31 जनवरी को बाजार बंद होने के बाद बीएसई में लिस्टेड सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 424,99,887 करोड़ रुपये था। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त पर हुई लेकिन ये कुछ समय बाद ही नीचे आने लगा। सुबह बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 73,427 अंक पर खुला। यह 73,649 अंक तक चढ़ गया था। हालांकि, कारोबार शुरू होने के आधे घंटे के बाद यह लाल निशान में फिसल गया। जिसके बाद सेंसेक्स 235.54 अंक गिरकर 72,962.56 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी मजबूती के साथ 22,194 अंक पर खुला। हालांकि, कुछ ही देर में यह भी लाल निशान में चला गया। अन्य बाजारों की बात करें तो वहीं एशिया-प्रशांत के शेयर बाजारों में सोमवार को तेजी देखी गई, क्योंकि निवेशक इस सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा घोषित किए जाने वाले टैरिफ योजनाओं को लेकर स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.67 फीसदी चढ़ा, जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में 0.75 फीसदी की बढ़त देखी गई। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स भी 0.22 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार करता दिखा। हालांकि, दक्षिण कोरिया के बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद रहे। अमेरिकी बाजारों में भी मजबूती देखने को मिली, जहां एसएंडपी 500 में 1.59 फीसदी, डॉव जोन्स में 1.39 फीसदी और नैस्डैक में 1.63 फीसदी की बढ़त रही।

लगातार बढ़ रही है म्युचुअल फंड के नए निवेशकों की संख्या

- बाजार में गिरावट के बीच हर महीने जोड़े 8 लाख नए निवेशक

नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में नए निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भले ही इक्विटी स्कीम्स के रिटर्न बाजार में तेज गिरावट के कारण प्रभावित हुए हों। नवंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच, इंडस्ट्री ने हर महीने 8 लाख (0.8 मिलियन) नए निवेशक जोड़े, जिससे कुल यूनिक निवेशकों की संख्या 5.33 करोड़ तक पहुंच गई। पिछले छह महीनों में हर महीने औसतन 10 लाख नए निवेशक जुड़ रहे थे, लेकिन अब यह रफ्तार थोड़ी कम हो गई है। हालांकि, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री को अभी भी लॉन्ग टर्म में विस्तार पर पूरा भरोसा है। एमएफ इंडस्ट्री यूनिक निवेशकों को उनके म्युचुअल फंड स्कीम्स में रजिस्टर्ड परमानेंट अकाउंट नंबर के आधार पर ट्रैक करती है। सितंबर 2024 तक खत्म हुए 12 महीनों में, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने रिकॉर्ड गति से नए निवेशक जोड़े, जिससे निवेशकों की संख्या 4 करोड़ से बढ़कर 5 करोड़ हो गई। इस तेज बढ़ोतरी का कारण मजबूत इक्विटी बाजार और नए इक्विटी फंड लॉन्च की लहर रही। अब इंडस्ट्री का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में निवेशकों की संख्या दोगुनी कर 10 करोड़ तक पहुंचने का है। हालांकि नए निवेशक जुड़ रहे हैं, लेकिन मौजूदा निवेश खातों के बंद होने की संख्या बढ़ रही है। जनवरी 2025 में वर्षों बाद पहली बार सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) अकाउंट्स में गिरावट देखी गई, क्योंकि बंद होने की संख्या में तेज बढ़ोतरी हुई। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस ट्रेंड की वजह यह है कि निवेशक बाजार में गिरावट और कमजोर इक्विटी म्युचुअल फंड रिटर्न के बीच अपनी स्थिति पर दोबारा विचार कर रहे हैं।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी में 14 महीने के निचले स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली । नये ठेके और उत्पादन में गिरावट के बीच फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में 56.3 अंक पर रहा, जो जनवरी के 57.7 अंक से कम है। हालांकि, विनिर्माण पीएमआई विस्तारकारी क्षेत्र में बना हुआ है। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक विस्तार, जबकि 50 से नीचे का अंक गतिविधियों में संकुचन का संकेत है। एचएसबीसी के भारत में एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कह कि हालांकि, दिसंबर 2023 के बाद से उत्पादन वृद्धि सबसे कमजोर स्तर पर आ गई है, लेकिन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में कुल मिलाकर गति फरवरी में व्यापक रूप से सकारात्मक रही। सर्वेक्षण में कहा गया कि जनवरी के 14 साल के उच्चतम स्तर से कम होने के बावजूद विस्तार की गति तेज थी। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि फरवरी में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार वृद्धि हुई, क्योंकि निर्माताओं ने अपने माल की मजबूत वैश्विक मांग का लाभ उठाना जारी रखा। नौकरी के मोर्चे पर, विनिर्माताओं ने फरवरी में अपने कर्मचारियों की संख्या में विस्तार करना जारी रखा।

मंदिर में बजट कॉपी रखकर वित्त मंत्री ने की पूजा

पटना। विधानसभा में बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने घर में पूजा की। पूजा करने के दौरान उन्होंने बजट की कॉपी घर में बने मंदिर में रखी। पूजा के बाद उन्होंने फोल्डर हाथ में उठाकर दिखाया। वित्त मंत्री सम्राट चौधरी अपना दूसरा और नीतीश सरकार के कार्यकाल का आखिरी बजट सदन में पेश करेंगे। बजट करीब 3 लाख 15 हजार करोड़ रुपए के होने का अनुमान है। यह पिछले बजट से करीब 17% ज्यादा है।बजट करीब 3 लाख 15 हजार करोड़ रुपए के होने का अनुमान है। यह पिछले बजट से करीब 17% ज्यादा है। सूत्रों के मुताबिक, चुनावी साल में बजट में नीतीश सरकार का फोकस महिलाओं, किसानों और युवाओं पर होगा। आधी आबादी यानी करीब 6 करोड़ महिलाओं से जुड़े ऐलान संभव हैं। हालांकि, पेट्रोल-डीजल के सस्ता होने की उम्मीद नहीं है। सरकार उस पर जारी वैट को कम करने के मूड में नहीं है। अभी सरकार बिहार में पेट्रोल-डीजल के GST के दायरे में नहीं आता। सरकार इस पर वैट वसूलती है। पेट्रोल और डीजल के बेस प्राइस पर 48 फीसदी वैट लगता है। जबकि, एक्साइज ड्यूटी 35 फीसदी, सेल्स टैक्स 15 फीसदी और कस्टम ड्यूटी 2 फीसदी लगाई जाती है। सूत्रों के मुताबिक, बजट में करीब 6 लाख सरकारी नौकरी का प्रावधान किया जाएगा। सबसे बड़ी बहाली सिपाही और टीचरों की होगी। सरकार का दावा है कि चुनाव से पहले 3 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। बाकी की 3 लाख नौकरियां सरकार बनने के बाद दी जाएगी। सरकार के फोकस में रूरल डेवलपमेंट अब प्रायोरिटी में है। गांवों की पुरानी स्कीम्स के साथ ही नई स्कीम्स के लिए भी सरकार फंड देने की तैयारी में है। किसानों को सस्ती बिजली मिलती रह सकती है डीजल पर सब्सिडी, सस्ती बिजली, फिक्स चार्ज पर बिजली के साथ ही धान, गेंहू, दलहन खरीद के लिए बजट दिया जा सकता है। ट्यूबवेल लगाने पर सब्सिडी का ऐलान संभव है। राज्य में कोल्ड स्टोरेज बढ़ाए जा सकते हैं। साथ ही नई फसलों के बीज पर सब्सिडी का ऐलान हो सकता है। 2. महिलाओं को बिजनेस करने पर मिल सकती है अधिक सब्सिडी स्मॉल, मीडियम और बिग एंटरप्राइजेस यानी छोटे, मध्यम और बड़ी इंडस्ट्रीज को यदि महिलाएं संचालित कर रही हैं, तो उन्हें अतिरिक्त सब्सिडी देने का ऐलान हो सकता है। इसमें भी दलित महिलाओं को अलग से कुछ राशि आवंटित की जा सकती है। 3. चुनावी साल में 34 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा राज्यपाल के अभिभाषण में नीतीश सरकार ने कुल 34 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा किया है। इसमें 12 लाख को नौकरी और 24 लाख को रोजगार देने की बात कही है। सरकार के मुताबिक, सरकार 6 लाख लोगों को नौकरी दे चुकी है। बाकी के 6 लाख नौकरी के लिए फंड की व्यवस्था की जा सकती है। 4. वृद्धा पेंशन में हो सकती है बढ़ोतरी बुजुर्गों को मिलने वाली पेंशन की राशि बढ़ सकती है। अभी बिहार सरकार बुजुर्गों को 400 रुपए प्रतिमाह पेंशन दे रही है, इसे बढ़कर 1 हजार रुपए तक किया जा सकता है। इनके हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़ा ऐलान भी संभव है। 5. गरीबों को दो-दो लाख रुपए देने का वादा बिहार जातीय सर्वे के अनुसार, राज्य में 94 लाख लोग आर्थिक रूप से अति गरीब हैं, यानी इनके पास रहने खाने का भी इंतजाम नहीं है। सरकार ने इन लोगों को 2 लाख रुपए देने का ऐलान किया था। अब चुनाव के पहले इसके लिए राशि आवंटित की जा सकती है।प्रश्नकाल के दौरान कब्रिस्तान की घेराबंदी को लेकर कांग्रेस विधायक शकील अहमद ने सवाल किया। जिस पर मंत्री के जवाब से विपक्ष के विधायक संतुष्ट नहीं दिखे। इसके बाद विधायकों ने हंगामा किया। विपक्ष के विधायक वेल में आ गए। विधान परिषद की कार्यवाही शुरू होने से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, राज्यसभा सदस्य संजय यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, माले एमएलसी शशि यादव विधान परिषद सभापति अवधेश नारायण सिंह से मिलने उनके चैंबर में गए।

हाईवा ने बाइक को मारी टक्कर, मौत

मुंगेर। के गंगटा संग्रामपुर मार्ग पर गंगटा मोड़ चौक के पास एक हाईवा ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान जमघट गांव निवासी 25 वर्षीय कैलाश कुमार के रूप में हुई है। कैलाश गंगटा मोड़ से अपने घर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आए हाईवा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद हाईवा चालक वाहन लेकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही गंगटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव की पहचान कर परिजनों को सूचित किया। इसके बाद मौके पर परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत किया और शव को अपने कब्जे में ले लिया। चालक की तलाश जारी थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि हाईवा चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कोशिश कर रही है। परिजन और ग्रामीण थाने में जमा हैं।

मां ने प्रेमी संग रची बेटे के किडनैपिंग की साजिश

छपरा। में एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने 13 साल के बेटे को पहले किडनैप किया। फिर पति से 25 लाख रुपए की फिरौती मांगी। घटना 28 फरवरी की है। किडनैपिंग की सूचना मिलने के बाद किशोर के चाचा दीपक कुमार ने दिघवारा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। रविवार को दिघवारा थाने की पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही किशोर को भी सकुशल बरामद किया। SP कुमार आशीष ने बताया कि 'FIR दर्ज होने के बाद एक पुलिस की टीम किशोर की खोज में लग गई। जांच के दौरान किशोर की मां बबिता देवी (35) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने प्रेमी नीतीश कुमार उर्फ निक्कू (27) के साथ मिलकर साजिश रचने की बात कबूल कर ली। इसके बाद दोनों को अरेस्ट किया गया।' पुलिस की पूछताछ में बबिता देवी ने बताया कि 'अपने प्रेमी के साथ नई जिंदगी शुरू करना चाहती थी। इसके लिए रुपए की जरूरत थी। इसलिए हमने अपने बेटे का अपहरण करवाया। अपहरण में शामिल प्रेमी रिश्ते में भतीजा लगता है। प्रेमी युवक महिला के बड़ी बहन का बेटा है।'

फिरौती नहीं देने पर बच्चे को मारने की धमकी दी थी पुलिस ने बताया कि 'किशोर पटना लाया गया। इसके बाद उसके पिता को फोन कर रुपए की मांग की गई। फिर पटना जिले के कुरथौल में प्रेमी के घर में छिपा कर रखा था। फिरौती नहीं मिलने पर बच्चे को जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसी बीच पुलिस ने कुरथौल पहुंची और बच्चे को बरामद किया।'

सीवान में 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की तैयारी

5 से 8 मार्च तक गांधी मैदान में आयोजन, शांतिकुंज हरिद्वार से आएगी विशेष टोली

सीवान। के गांधी मैदान में 5 मार्च से 108 कुंडीय शक्ति संवर्धन राष्ट्र जागरण अभियान गायत्री महायज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। यह महायज्ञ 8 मार्च तक चलेगा। महायज्ञ में शांतिकुंज हरिद्वार से विशेष टोली शिरकत करेगी। कार्यक्रम के दौरान मंगल कलश की शोभा यात्रा निकाली जाएगी। यज्ञ के दौरान विभिन्न प्रकार के संस्कार भी कराए जाएंगे। आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भूमि पूजन, यज्ञशाला निर्माण और ध्वजारोहण का काम खत्म हो चुका है। जिले के विभिन्न गांवों और प्रखंडों से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। शहर के सनातन संस्कृति से जुड़े लोग भी इस महायज्ञ में शामिल होंगे। लोगों की सुख-शांति और समृद्धि है उद्देश्य महायज्ञ जन कल्याण के लिए आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों की सुख-शांति और समृद्धि है। साथ ही युवाओं के स्वास्थ्य, चरित्र निर्माण और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना है। यज्ञशाला की पवित्रता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। 6 मार्च को देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. चिन्मय पांडेय मार्गदर्शन देंगे, जो युवाओं को प्रेरित करने के लिए प्रसिद्ध हैं। हर दिन भंडारे की व्यवस्था की गई है, जिससे सभी श्रद्धालु निशुल्क भोजन का फायदा उठा सकेंगे। आयोजन सभी श्रद्धालुओं के लिए खुला है, और इसमें भाग लेने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। आयोजन समिति ने सभी को आमंत्रित किया है कि वे इस महायज्ञ में शामिल होकर पुण्य के भागी बने और क्या कुछ कहा आए सुनाते है।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

मुंगेर के कोतवाली थाना क्षेत्र के कष्टहरणी घाट रोड में एक 18 साल के युवक ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान किट्टू कुमार के रूप में हुई है। रविवार की शाम उसकी लाश उसके घर में फांसी के फंदे से लटका मिला। बताया गया कि मृतक दो भाई और दो बहनों में तीसरे नंबर का था। वह मजदूरी करके अपना परिवार चलाता था। घटना के दिन किट्टू पटना से लौटकर दोपहर में अपने कमरे में सो गया था। शाम को जब उसकी मां ने कमरे में लाइट जलाई तो देखा कि वह गमछे के सहारे चौकी से लटका हुआ था। घटना के बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और सोमवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए मृतक के मोबाइल की जांच की जा रही है। अभी तक परिजनों की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है।

घटना के समय घर में सिर्फ किट्टू और उसकी मां थे।

'काम-धाम से कोई मतलब है जी':नीतीश सरकार पर तेजस्वी का तंज

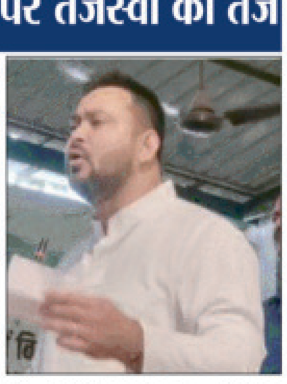

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बजट पेश होने से पहले मुख्यमंत्री पर तंज कसा है। तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'काम-धाम से कोई मतलब है जी? जनता को भ्रमित करने के लिए 2005 से पहले वाला घिसा-घिसाया-आजमाया डायलॉग और घिसा-पिटा ड्रामा फिर कर देना है।'

अपने फेसबुक पेज पर तेजस्वी यादव ने एक मीम भी शेयर किया है। जिस पर लिखा है अरे सर, चुनाव आ रहा है। काम धाम तो कुछ किए नहीं। 20 बरस खाली पलटिए मारते रह गए। जनता को क्या जवाब देंगे। काम धाम का कोई मतलब है। 2005 के पहले वाला ड्रामा इस बार भी कर देंगे। 20 साल से इसी पर तो खेल रहे हैं। वहीं, रविवार को पार्टी ऑफिस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार को सलाह देते हुए कहा था, 'नीतीश कुमार आपका आखिरी बजट है। भले ही मेरी योजना की कॉपी कर लीजिए। लेकिन महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए दीजिए। बजट में सरकार को महिलाओं के लिए कुछ अच्छा ऐलान करना चाहिए।'

बिहार में बिजली सबसे ज्यादा महंगा जो मिलता है। सरकारी बजट में सभी को 200 यूनिट फ्री बिजली देने का ऐलान करें। किसानों के लिए भी फ्री में बिजली देने का काम करें। साथ ही मांग की है- वृद्धा पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन 400 से बढ़कर 1500 रुपए किया जाए।

संक्षिप्त डायरी

दरभंगा में सड़क हादसे में 6वीं की छात्रा की मौत

दरभंगा। जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर की चपेट में आने से साइकिल सवार बच्ची (12) की मौत हो गई। घटना रविवार की देर शाम की है। मृतका की पहचान बहादुरपुर थाना क्षेत्र के बलहा निवासी शिव नारायण साह की बेटी कंचन कुमारी के रूप में की गई हैं। कंचन छठी कक्षा की छात्रा थी। मृतक की मां पचीया देवी ने बताई की मेरी बेटी छठी क्लास की छात्रा थी। रविवार की शाम कॉपी लेने दुकान जा रही थी। उसी दौरान बलहा के पास मिट्टी भरा ट्रैक्टर जो जोगियारा से जीवर जा रहा था। अनियंत्रित होकर किशोरी को टक्कर मार दिया। किशोरी को परिजन द्वारा आनन-फानन में DMCH के इमरजेंसी विभाग में भर्ती कराया गया। DMCH में डॉक्टरों के द्वारा बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के पिता लुधियाना में रहते हैं। मृतक की मां ने बताया कि मैं बलहा की पंच भी हूं.इधर, घटना के बाद स्थानीय लोगों ट्रैक्टर चालक को दबोच लिया पुलिस को इसकी सूचना दी गई। लोगों में काफी आक्रोश है। लोग पीड़ित परिवार को मुआवजा देने कि मांग कर रहे हैं। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।संबंध में बहादुरपुर थाना अध्यक्ष ने बताया कि ट्रैक्टर जप्त कर मृतका छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच दरभंगा भेजा गया है। परिजनों के द्वारा आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वरमाला के दौरान बच्चे के सिर में लगी गोली, मौत

भोजपुर। में रविवार को शादी समारोह में वरमाला के दौरान एक बच्चे की गोली लगने से मौत हो गई। बच्चे का नाम आशीष कुमार(06) है। दरअसल, शनिवार रात जगदीशपुर के अगरूआं गांव से तेतरिया गांव निवासी राम बच्चन यादव के यहां बारात आई थी। वरमाला के दौरान हर्ष फायरिंग हो रही थी। इसी बीच आशीष के सिर में गोली लग गई। आनन-फानन में आशीष को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां से उसे पटना रेफर कर दिया गया। पटना में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्चे की मौत के गुस्साए ग्रामीणों ने सोमवार को आरा‍‍सासाराम मुख्य मार्ग के पास तेतरिया मोड़ पर आगजनी कर सड़क जाम कर दिया। मृतक के परिजनों ने साजिश के तहत बच्चे की हत्या का आरोप लगाया है। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव की है।आशीष के चचेरे दादा बबन सिंह ने बताया, '1 दिसंबर 2023 को हत्यारे गांव में रिसेप्शन पार्टी के बाद हमारे खटाल में शराब पी रहे थे। रामायण सिंह ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उन्हें गोली मार दी। डिग्री सिंह ने बताया, 'पड़ोस में ही राम बच्चन की बेटी की शादी थी। बारात, जगदीशपुर थाना क्षेत्र के अगरुआ गांव से आई थी। आशीष, अपने मम्मी‍पापा और बहन के साथ शादी समारोह में शामिल होने गया था। वरमाला के दौरान सभी स्टेज के पास खड़े थे। इसी दौरान लड़की वालों की तरफ से छत से हर्ष फायरिंग की जा रही थी। उदवंतनगर थानाध्यक्ष ने कहा कि 'शादी समारोह में बच्चे को गोली लगी थी, जिसकी पटना में मौत हो गई। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। परिजनों की ओर से आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।' गया में पिछले सोमवार रात दोस्त के तिलक समारोह में गए एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मर्डर का लाइव वीडियो भी सामने आया है। वारदात को उस वक्त अंजाम दिया गया जब युवक ऑर्केस्ट्रा गर्ल्स के बीच स्टेज पर डांस कर रहा था। इसी दौरान नीचे भीड़ में बैठे एक युवक ने पिस्टल निकाली और तीन राउंड फायरिंग की। एक गोली डांस कर रहे अंजनी कुमार (27) के सिर में लगी और वो स्टेज पर गिर गया।

जमीनी विवाद में जमकर चले लाठी-डंडे

औरंगाबाद। के अंबा थाना क्षेत्र में जमीन विवाद में जमकर मारपीट हुई। घटना में दोनों पक्ष से कुल आठ लोग घायल हुए हैं। घायलों में महिलाएं भी शामिल हैं। मामले को लेकर थाना अध्यक्ष ने बताया कि फिलहाल दोनों पक्षों में शामिल घायलों का सदर अस्पताल में इलाज जारी है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना चिल्हकी बिगहा गांव की है। घायलों में एक पक्ष से 55 साल की अमेला कुंवर, 22 साल का सौरभ कुमार, 25 साल का विपिन कुमार और 23 साल की सुशीला देवी शामिल है। वहीं, दूसरे पक्ष से उसी गांव के रहने वाले लक्ष्मी मेहता के 27 साल का बेटा दिनेश कुमार, सूर्य देव मेहता का 45 साल का बेटा रविंद्र कुमार, रविंद्र कुमार की 35 साल की पत्नी रंजू देवी और 15 साल का बेटा रविश कुमार शामिल है। रविवार देर रात सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। इलाज के दौरान एक पक्ष से जख्मी सौरभ कुमार ने बताया कि गांव के ही पाटीदार के साथ जमीनी विवाद को लेकर मामला चल रहा है। पूर्व में पटीदारों की ओर से खेत से फसल को तोड़ने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद उक्त लोगों की ओर से हमारे हिस्से की जमीन में जबरदस्ती खेती की जा रही थी। इसी बात का विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच बहसबाजी हुई।

दूसरे पक्ष के घायल ने कहा- सिंचाई के दौरान झड़प हुई दूसरे पक्ष से जख्मी दिनेश कुमार ने बताया कि खेत पटवन को लेकर झड़प हुई है। इस दौरान दोनों पक्ष एक दूसरे पर मारपीट के लिए उतारू हो गए। दोनों पक्ष के लोगों ने एक दूसरे पर लाठी डंडे तथा धारदार हथियार से हमला करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों के सहयोग से किसी तरह दोनों पक्षों को अलग कराया गया।

सामूहिक विवाह समारोह में 18 जोड़ों ने लिए सात फेरे

अंबा। कुटुंबा प्रखंड के पिपरा बगाही सांड़ी मटपा सूर्य मंदिर परिसर में रविवार को दहेज रहित सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान 18 जोड़ों की शादी कराई गई। आयोजन समिति द्वारा सभी जोड़ों के लिए अलग-अलग मंडप बनवाए गए थे। विवाह मंडप में विधिवत मंत्र उच्चारण व मंगल गीत के साथ वैवाहिक रश्म संपन्न कराए गए। इसके बाद सभी जोड़ों ने मंच पर भगवान सूर्य को साक्षी मानते एक दूसरे को वरमाला पहनाया तथा आजीवन एक-दूजे के हो गए। यह आयोजन सूर्य मंदिर समिति के द्वारा किया गया था।कार्यक्रम की अध्यक्षता कुमुद रंजन मिश्रा ने किया तथा सभा का संचालन संजय कुमार सिन्हा ने किया। कार्यक्रम स्थल पर दोनों पक्षों के ठहरने और खाने-पीने की समुचित व्यवस्था की गई थी। नवविवाहित जोड़ों को समिति की ओर से दैनिक उपयोग की वस्तुएं उपहार में दी गई। मंच से जिले के सभी महोत्सवों के चयनित लोगों समेत अतिथियों व कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। डीपीआर कॉलेज ऑफ फार्मेसी के द्वारा यहां स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। आयोजन स्थल पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने कार्यक्रम की जी-भरकर सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉक्टर सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि ऐसे आयोजनों से ही समाज की कुरीतियां दूर होगी। वहीं सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि समाज में व्याप्त दहेज प्रथा तथा बाल विवाह जैसे कुरीतियों को जड़ से मिटाने के लिए लोगों को इस तरह के आयोजनों से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि लोग झूठे दिखावा व आडंबर के चक्कर में पड़कर अपने बेटे बेटियों की शादी में लाखों खर्च करते हैं। आयोजन समिति के कुमुद रंजन मिश्र ने बताया कि समिति द्वारा विगत 3 वर्षों से दहेज रहित सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन कराया जा रहा है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य दहेज प्रथा तथा बाल विवाह को जड़ से मिटाना है। दहेज रहित सामूहिक विवाह समारोह के दौरान जिन जोड़ों की शादी हुई उनमें हनेया की प्रभावती संग तेलडीहा के सूरज, हनेया की बबीता संग पांडु के सरोज, सुही की देवंती संग रघुवीर बिगहा के कृष्णा, कर्मा भगवान की सोनम संग पीरजपुर के मनीष, सांडी की सनम संग पीरवां के नीरज, सांडी की रेखा संग कठौतिया के सोनू, विजबार की संगीता संग तरवन खुर्द के मनोज, जगई बजराही की सुशीला संग सीत बिगहा के आकाश, मनिका मनिका की जुनटुन संग वकीलगंज के लुटन, हनेया की ममता संग रहम बिगहा के सोनू, पिपरा बगाही की रानी संग सैदाबाद के अखिलेश, नामुदाग की किरण संग पोला गोड़िहा के मिंटू, अररुआ खुर्द की नीतू संग महापुर के सरुन, सिमरिया की रेनू संग हथबोर के विजय नाथ, मनसरा की सबिता संग झरहा के जितेंद्र, रजवार की खुशबू संग भीतर ढिकरी के लखपति, मोहनबाद की कंचन संग चौधरी बिगहा के संतन तथा जाहना की शीतल संग बिजवार के नंदलाल शामिल है।

क्या आप भी ब्रोकली को हफ्तेभर तक रखना चाहते हैं फ्रेश?

जानें इसे लंबे समय तक स्टोर करने का सबसे आसान तरीका

जब भी हम ब्रोकली खरीदकर घर लाते हैं तो कई बार हम उसे सही तरीके से स्टोर नहीं कर पाते और वह जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आप इसे एक हफ्ते तक ताजा रखना चाहते हैं तो इसके लिए आप इसे घर पर ही सही तरीके से स्टोर कर सकते हैं। इसे खाने से एक नहीं बल्कि अनेक लाभ हो सकते हैं। यह आपके वजन को नियंत्रित रखता है, मधुमेह के खतरे को कम करता है, ब्रोकली हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करती है, त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। आइये जानते हैं इसे स्टोर करने का सही तरीका क्या है?

मध्यम आकार में काटें और एक तरफ रख दें।

अगर आप ब्रोकली को एक सप्ताह तक ताजा रखना चाहते हैं तो सबसे पहले उसे मध्यम आकार में काट लें और पानी से साफ कर लें। अब इसे निकाल कर एक प्लेट में रख लें और 10 से 15 मिनट तक पानी सूखने के लिए छोड़ दें। अब आप ब्रोकली को दूसरे बर्तन में निकाल कर फ्रिज में रख सकते हैं।

कांच के जार में स्टोर करें.

यदि आपके घर में रेफ्रिजरेटर नहीं है, तो आप ब्रोकोली को कांच के जार में रख सकते हैं। इसके लिए आप इसका एक फूल लें। इसके बाद इसके पिछले हिस्से को अच्छे से काटकर साफ कर लें। अब एक कांच के जार में आधे से भी कम पानी भरें और उसमें ब्रोकली डालें। इससे आपकी ब्रोकली एक सप्ताह तक ताजा बनी रहेगी।

फलों से दूर रखें

यदि आप ब्रोकली को फ्रिज में रख रहे हैं, तो इसे किसी खट्टे फल या अन्य फलों के साथ न रखें, क्योंकि कई फल एथिलीन गैस छोड़ते हैं, जैसे केला, सेब और नाशपाती, जो ब्रोकली को खराब कर सकते हैं। ऐसे में फलों को फ्रिज में रखने की बजाय बाहर निकालकर रख दें।

क्या हमेशा घर दिखता है बिखरा और गंदा? तो ऑर्गेनाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

कहा जाता है कि घर एक पारिवारिक जीवन का दर्पण होता है, जिसे देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवार के सदस्य अपने जीवन में कितने व्यवस्थित हैं। इतना ही नहीं, अगर आप अपने घर को सही तरीके से व्यवस्थित नहीं रख पाते हैं तो इससे आपके दैनिक जीवन में भी काफी मुश्किलें पैदा होने लगती हैं। उदाहरण के लिए, आपको हर समय इस्तेमाल के लिए चीजें ढूंढनी होंगी, घर में मेहमान आने वाले हैं तो लिविंग रूम को जल्दी से साफ करने का तनाव रहेगा, घर में नकारात्मक ऊर्जा आएगी और कई बार तो आपका जल्दी घर आने का भी मन नहीं करेगा। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किन 7 टिप्स को अपनाकर आप अपने जीवन को आसान और व्यवस्थित बना सकते हैं।

बिस्तर की चादर और तकिया कवर

जब भी आप अपने बिस्तर और तकिये के कवर को साफ करें या बदलें तो उन्हें एक साथ रखें। इसके लिए, इन सभी को मोड़कर एक तकिये के कवर के अंदर रख दें। ऐसा करने से आपको हर बार उन्हें खोजने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

लेबल

रसोईघर में रखे सभी जार पर चॉकबोर्ड या पेंट की मदद से लेबल लगाएं और उन्हें सामने की ओर सजाकर रखें। भंडारण के लिए उन्हें अलग-अलग बक्सों में रखने के बजाय एक ही बक्से का उपयोग करना बेहतर होगा। ऐसा करने से वे अच्छे दिखेंगे और व्यवस्थित भी रहेंगे।

इसे रख दें।

रसोईघर के दराजों या रैकों में सॉसपैन आदि को एक के ऊपर एक रखने से अधिक जगह घेरती है और यह देखने में भी अव्यवस्थित लगते हैं। बेहतर होगा कि आप इन्हें हैंगर पर लटका दें। इनका उपयोग भी आसान होगा।

दराज विभाजक का उपयोग करें

यदि आप अपने दराज में मेकअप, वॉलेट, चाबियाँ या अन्य चीजें एक साथ रखते हैं, तो दराज डिवाइडर का उपयोग करना बेहतर होगा। आपको रसोई के दराजों में भी डिवाइडर का उपयोग करना चाहिए और चाकू, चम्मच, कांटे आदि को अलग-अलग रखना चाहिए। इससे वस्तुएं व्यवस्थित रहेंगी और उनका उपयोग करना भी आसान हो जाएगा।

मग और कप हैंगर

कप आदि को रसोई में रखने की बजाय आप उन्हें हैंगर या हुक पर लटका सकते हैं। ऐसा करने से वे एक-दूसरे से टकराकर टूटेंगे नहीं और उन्हें आसानी से उपयोग के लिए निकाला जा सकेगा।

रैक

आप अपने दरवाजे के पीछे एक लटकता हुआ जूता रैक लटका सकते हैं। आप इसमें अपने जूते, चप्पल और सैंडल व्यवस्थित तरीके से रख सकते हैं और आसानी से उपयोग के लिए निकाल सकते हैं। आपको हर बार पूरा रैक खाली करने और पहनने के लिए कुछ खोजने की जरूरत नहीं होगी।

बॉक्स का उपयोग

आप अलमारी में छोटे-बड़े कपड़े रखने, क्लीनर आदि रखने, डाइनिंग टेबल को व्यवस्थित करने आदि के लिए बक्सों का उपयोग कर सकते हैं। आप ऐसे स्टूल या टेबल का उपयोग कर सकते हैं जिसमें बॉक्स सिस्टम हो। ऐसा करने से आपके पास अधिक भंडारण स्थान होगा और सामान इधर-उधर फैलने के बजाय बॉक्स में ही रहेगा।

क्या आप भी जा रहे हैं लंबे दिनों के लिए घर से बाहर, तो ऐसे रखें अपने घर को सुरक्षित

कभी-कभी हमें किसी न किसी काम से घर से बाहर जाना ही पड़ता है, लेकिन यहां हम ऑफिस, स्कूल-कॉलेज आदि के लिए ऐसा नहीं कर रहे हैं। बल्कि हम ऐसी चीजों के बारे में बात कर रहे हैं - जैसे कि आपको लंबे समय के लिए या कुछ दिनों के लिए घर से बाहर जाना पड़ता है। इसका कारण यात्रा हो सकती है, किसी की शादी में शामिल होना हो सकता है, कहीं बाहर जाकर कोई त्यौहार मनाना हो सकता है आदि। लेकिन ऐसे में एक सवाल हर किसी के मन में रहता है कि अगर हम घर से निकल रहे हैं तो क्या हमारा घर सुरक्षित है? क्योंकि हमने घर में जो चीजें रखी हैं, वे बहुत मेहनत से कमाई हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि अगर कोई लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहा है तो उसे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि उसका घर सुरक्षित रह सके। तो आइये जानते हैं इसके बारे में। इसके बारे में आप अगले अंक में जान सकते हैं...

गैस बंद कर दें.

लोग सबसे ज्यादा लापरवाही गैस को लेकर करते हैं, जबकि सभी जानते हैं कि हमारी एक छोटी सी गलती बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए जब भी घर से बाहर जा रहे हों तो गैस चूल्हे के अलावा गैस सिलेंडर को भी रेगुलेटर से बंद कर दें। अगर आप भूल जाते हैं तो इस काम को अपनी लिस्ट में शामिल कर लें या फिर गैस के पास एक स्टीकर भी लगा सकते हैं जिस पर लिखा हो कि गैस बंद कर दें। ऐसा करके आप अपने घर को सुरक्षित करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ सकते हैं।

लाइटें बंद कर दें.

यदि आप घर से बाहर जा रहे हैं तो लाइटें बंद करना न भूलें। पंखा, कूलर, फ्रिज और एसी जैसी चीजों को मुख्य स्विच से बंद करें। इससे न केवल आपका बिजली बिल बचेगा बल्कि किसी प्रकार का नुकसान भी नहीं होगा क्योंकि कई बार बिजली की कम या ज्यादा शक्ति के कारण चीजें खराब हो सकती हैं।

पैट का ख्याल रखना.

कई लोग शौक के तौर पर पालतू जानवर (कुते, बिल्ली आदि) पालते हैं, लेकिन जब बात उनकी देखभाल की आती है, तो... तो इसमें उनकी लापरवाही साफ तौर पर दिखाई देती है। अगर आप लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो या तो आप पैट को साथ ले जाएं। आप अपने पालतू जानवर को कुछ शर्तों के साथ ट्रेन, हवाई जहाज और रोडवेज बसों में ले जा सकते हैं। यदि आप किसी अन्य कारण से अपने पालतू जानवर को अपने साथ नहीं ले जाना चाहते हैं, तो आप अपने पालतू जानवर को टेक केयर सेंटर यानी ऐसे स्थानों पर रख सकते हैं जहां पालतू जानवरों की देखभाल की जाती है। यहां आप कुछ शुल्क देकर अपने कुत्ते को जितने दिन चाहें छोड़ सकते हैं।

सुरक्षा पर ध्यान दें.

अगर आप घर से बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने घर की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। अपना घर ठीक से बंद करो और जाओ। आप चाहें तो अपने घर में किसी जिम्मेदार पड़ोसी या विश्वसनीय रिश्तेदार को भी रख सकते हैं। इसके अलावा आप अपने घर में सीसीटीवी लगाकर भी उस पर नजर रख सकते हैं।

अगर आपके भी गुलाब के पौधे बार-बार मुरझा रहे हैं, तो ऐसे करें इनकी केयर

घर के बाहर आंगन में लगाए गए गुलाब के पौधे घर की सुंदरता बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग अपने घर के बाहर गुलाब के पौधे लगाना पसंद करते हैं, लेकिन कई बार ये पौधे मुरझाने लगते हैं और इस वजह से पूरे घर का लुक खराब होने लगता है। ऐसी स्थिति में अधिकतर लोग परेशान हो जाते हैं। अगर आपके घर के बाहर लगा गुलाब का पौधा मुरझाने लगा है तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।

गुलाब के पौधों को मुरझाने से बचाएं

गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचाने के लिए आप इन सुझावों का पालन कर सकते हैं। सबसे पहले आपको गुलाब के पौधे को रोजाना पानी देना चाहिए। यदि गर्मी का मौसम है तो आपको गुलाब के पौधे को दिन में 2 से 3 बार पानी देना चाहिए। आपको गुलाब के पौधे को कम से कम 6 घंटे धूप अवश्य देनी चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि सीधी धूप पत्तियों को जला सकती है।

नियमित रूप से खाद डालें.

इसके अलावा आपको गुलाब के पौधे में अच्छी मिट्टी डालनी चाहिए, क्योंकि मिट्टी में पर्याप्त पोषक तत्वों का होना बहुत जरूरी है। आपको गुलाब के पौधे को नियमित रूप से खाद देना चाहिए। आपको बाजार में आसानी से खाद मिल जाएगी। उर्वरक खरीदते समय पैकेट पर लिखे सभी निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

पौधे की छंटाई अवश्य करें।

इसके अलावा मिट्टी में पानी का अच्छा विकास होना भी बहुत जरूरी है, तभी आपका पौधा मुरझाने से बच सकता है। गुलाब की सभी सूखी हुई शाखाएँ काट दो। इसके अलावा, छंटाई भी करें, इससे नई शाखाओं के विकास में मदद मिलेगी और पौधा अधिक सुंदर बनेगा।

कीटनाशक का प्रयोग करें

कई बार कीड़ों के कारण पौधा खराब होने लगता है, ऐसी स्थिति में आपको अपने पौधे की जांच कर कीटनाशक का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। सर्दियों में पौधे को ठंड लग सकती है। ऐसी स्थिति में उसका विशेष ध्यान रखें। वहीं, बरसात के मौसम में पौधे को ज्यादा पानी देने की जरूरत नहीं होती। आप इन सभी सुझावों का पालन करके गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में पिछली गलतियों से सबक लेकर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें जीत दर्ज कर पिछली असफलताओं का हिसाब बराबर करना रहेगा। आईसीसी टूर्नामेंटों में ऑस्ट्रेलियाई टीम अधिकतर भारत पर हावी रही है। भारतीय टीम को इससे पहले 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने प्रमुख गेंदबाजों के बिना पहुंची है जिसका लाभ भारतीय टीम को मिल सकता है।

तेज गेंदबाज पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क जैसे तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई टीम में नहीं है। कमिंस के नहीं होने टीम की कप्तानी स्वीव स्मिथ के पास है हालांकि इसके बाद भी ऑस्ट्रेलिया को कम नहीं आंका जा सकता। कुछ दिन पहले लाहौर में इंग्लैंड के खिलाफ 352 रन के लक्ष्य को हासिल करके उसने साबित कर दिया है कि वह आईसीसी टूर्नामेंटों में खतरनाक हो जाती है। भारत को अंतिम बार आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में ऑस्ट्रेलिया पर जीत 2011 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मिली थी। इसके बाद भारत को ऑस्ट्रेलिया ने 2015 एकदिवीसय विश्व कप सेमीफाइनल और 2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में हराया। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 2023 में भी भारत को हार का समाना करना पड़ा था। ऐसे में इस बार भारतीय टीम कोई कमी नहीं छोड़ना चाहेगी। इस बार भारतीय टीम 14 साल की बिफलता को दूर करने उतरेगी। भारतीय टीम के पास इस बार अच्छा स्पिन आक्रमण है जिसका सामना कंगारुओं के लिए कठिन होगा।

टूर्नामेंट से पहले टीम में वरुण चक्रवर्ती सहित पांच स्पिनरों को शामिल करने के भारतीय टीम के फैसले की काफी आलोचना हुई थी पर दुबई की धीमी पिचों पर अब यह प्रयोग सफल रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ स्पिनररों ने कुल 9 विकेट लिए थे हालांकि भारतीय टीम को अगर जीत हासिल करनी है तो उसके बल्लेबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी लीग मैच में 5 विकेट लेने वाले स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा, 'यहां पिच रैंक टर्नर नहीं है जैसा कि लोग

बोल रहे हैं। इससे थोड़ी मदद जरूर मिली है लेकिन आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तो करना ही है। भारतीय स्पिन चौकड़ी चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट लिए।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के पास एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर एडम जम्पा है। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल और ट्रेविस हेड से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मैथ्यू शॉर्ट पिंडली की चोट के कारण बाहर हो गए हैं जिससे ऑस्ट्रेलिया के पास से एक और स्पिन गेंदबाजी विकल्प चला गया।

भारतीय टीम के बल्लेबाजों विराट कोहली, रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल की ये सबसे कठिन परीक्षा होगी, ऑस्ट्रेलियाई टीम टूर्नामेंट बढ़ने के साथ ही खतरनाक होती जाती है। कप्तान रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बाद कहा था, 'यह अच्छा मैच होगा। ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा खेलने का इतिहास रहा है और अब हमें सब कुछ सही करना है। उम्मीद है कि हम ऐसा करने में कामयाब होंगे। भारतीय गेंदबाजों को ट्रेविस हेड और कप्तान स्टीव स्मिथ पर अंकुश लगाना होगा। इसके अलावा भारतीय बल्लेबाजों को जीत के लिए बड़ा स्कोर बनाना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल , विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल , हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, ऋषभ पंत , रविंद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

ऑस्ट्रेलिया = स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा।

ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंट में रिकार्ड अच्छा, हमें गलतियों से बचना होगा : रोहित

दुबई (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से पहले कहा कि हमें जीत के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा और पुरानी गलतियों से बचना होगा। रोहित के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम का रिकार्ड आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा रहा है। इसलिए हमें काफी ध्यान से खेलते हुए मैच पर अपना नियंत्रण बनाये रखना होगा। रोहित ने कहा कि हमें बेहतर प्रदर्शन के लिए मैच पर नियंत्रण बनाये रखना होगा। भारतीय टीम ने ग्रुप चरण के अंतिम मैच में न्यूजीलैंड को 44 रन से हराकर ग्रुप ए में नंबर एक स्थान हासिल किया है। अब सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना ग्रुप बी की दूसरे स्थान की टीम ऑस्ट्रेलिया से होगा। ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद आईसीसी वनडे विश्व कप के

रोहित ने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया का अच्छा खेलने का इतिहास रहा है, उसके खिलाफ हमें एकदिवसीय विश्वप में हार का सामना करना पड़ा था। इसलिए हमें मैच के दिन अपने नियंत्रण वाली चीजें सही करनी होंगी। हमें इस पर ध्यान केंद्रित करना होगा कि उस दिन हमें क्या करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कम मैचों वाले टूर्नामेंट में लय बनाए रखना सबसे अहम होता है। हमारी कोशिश हर मैच जीतने की रहेगी। गलतियां होती हैं पर उसे सुधारना सबसे जरुरी है।

रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले को लेकर कहा कि श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल बीच चौथे विकेट के लिए हुई 98 रन की साझेदारी अहम रही। साथ ही कहा कि हमें अपने बनाये स्कोर के बचाव का भरोसा था। उन्होंने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की सराहना करते हुए कहा कि उसके पास कुछ अलग है, हम देखना चाहते थे कि वह इन हालातों में क्या कर सकते हैं। हमें अगले मैच में टीम चयन के बारे में सोचना होगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी में हुई घटनओं से सभी को समझ आया भारतीय टीम पाक नहीं भेजने का कारण : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि जिस प्रकार की घटनाएं चैम्पियंस ट्रॉफी में हुई हैं। उससे सभी को पता चल गया है कि भारतीय टीम को क्यों पाकिस्तान नहीं भेजा गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सुरक्षा कारणों से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था, जिसके कारण भारतीय टीम अपने मुकाबले दुबई में खेली रही है। वहीं अन्य टीमें अपने मुकाबले पाकिस्तान में खेल रही हैं। गावस्कर ने कहा, इस टूर्नामेंट में भी, हमने देखा कि किस प्रकार एक नहीं दो मैचों में लोग सुरक्षा तोड़कर मैदान में घुसने में सफल रहे, जब मैच चल रहा था। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के मैच के जो हुआ उसे देखकर कोई भी सरकार भारतीय टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दे सकती थी। इस मैच में

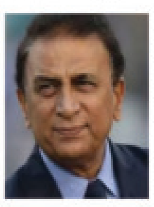

एक व्यक्ति ने न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र को पकड़ लिया था। वहीं अफगानिस्तान और इंग्लैंड मैच में भी एक व्यक्ति खिलाड़ियों तक पहुंच गया था। वहीं जब गावस्कर ने पूछा गया कि भारतीय टीम कब पाक के साथ सीरीज खेलेगी तो उन्होंने कहा कि भारत-पाक सीमा पर जब तक शांति नहीं होती। ऐसी किसी सीरीज की संभावना नहीं है। गावस्कर ने कहा, यह बहुत सरल है। अगर सीमा पर शांति है, तो मुझे लगता है कि दोनों सरकारें निश्चित रूप से कहेंगी, देखो, ठीक है, कोई घटना नहीं हुई है, तो चलो कम से कम बात करना शुरू करें।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2025 के लिए नए कप्तान और उप-कप्तान की घोषणा की

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आगामी आईपीएल 2025 सत्र के लिए अजिंक्य रहाणे को कप्तान और वेंकटेश अय्यर को उप-कप्तान घोषित किया है।

केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, 'हम अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ी को पाकर खुश हैं, जो एक नेता के रूप में अपने अनुभव और परिपक्वता के साथ आते हैं। साथ ही वेंकटेश अय्यर केकेआर के लिए एक फ्रैंचाइजी खिलाड़ी रहे हैं और उनमें नेतृत्व के कई गुण हैं। हमें विश्वास है कि वे हमारे खिताब की रक्षा शुरू करने के साथ ही अच्छा तालमेल बिठाएंगे।' वेंकटेश को केकेआर ने नीलामी में 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा था, जबकि रहाणे को 1.5 करोड़ रुपए में खरीदा गया था।

नेतृत्व की भूमिका स्वीकार करते हुए रहाणे ने कहा, 'केकेआर का नेतृत्व करने के लिए कहा जाना सम्मान की बात है, जो आईपीएल में सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक रही है। मुझे लगता है कि हमारे पास एक बेहतरीन

और संतुलित टीम है। मैं सभी के साथ मिलकर काम करने और अपने खिताब को बचाने की चुनौती लेने के लिए उत्सुक हूं। केकेआर अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ करेगी।

महिला मुक्केबाज स्वीटी ने अपने पति कबड्डी खिलाड़ी दीपक हुड्डा के खिलाफ दर्ज करायी शिकायत

चंडीगढ़ । महिला मुक्केबाज स्वीटी बूरा और उनके पति कबड्डी खिलाड़ी दीपक हुड्डा के बीच तलाक की नौबत आ गयी है। स्वीटी ने दीपक के खिलाफ मारपीट और दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। इन दोनो की शादी साल 2022 में हुई थी पर पिछले कुछ समय से दोनो के बीच कुछ ठीक नही चल रहा। स्वीती 2024 हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा प्रत्याशी के रूप में उतरी थीं पर वह हार गयीं थीं। हिसार पुलिस के अनुसार स्वीती की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और दीपक हुड्डा को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया था, हालाकि वह तक पेश नही हुए हैं। वहीं दीपक ने कहा, मुझे पुलिस ने 2-3 बार नोटिस दिया पर मैं अभी नही जा सका। मैंने मेडिकल सर्टिफिकेट जमा कर दिया है और बाद मे पुलिस के सामने पेश होने का अनुरोध किया है। सवीती बूरा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही उनसे एक लग्जरी कार की मांग की गई थी, जो पूरी भी की गई, लेकिन फिर भी उन्हें प्रताड़ित किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दीपक उन्हें मारते-पीटते थे और लगातार पैसों की मांग करते थे। पुलिस ने इसे मामले की जांच शुरु कर दी है।

न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में त्रिकोणीय श्रृंखला के अनुभव का फायदा उठाना चाहेगा : लाथम

दुबई । अनुभवी बल्लेबाज टॉम लाथम ने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम बुधवार को दक्षिण अफीका के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जब मैदान पर उतरेगी तो पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला में इस टीम पर मिली जीत से उसका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ होगा। न्यूजीलैंड रविवार को यहां ग्रुप ए के अपने अंतिम मैच में भारत से 44 रन से हार गया, लेकिन लाथम ने कहा कि इसका सेमीफाइनल पर कोई असर नही पड़ेगा। न्यूजीलैंड ने हाल ही में लाहौर में दक्षिण अफीका के खिलाफ 305 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया था। टीम ने इसके बाद फाइनल में पाकिस्तान को हराकर त्रिकोणीय श्रृंखला जीती थी। लाथम ने कहा कि ये अनुभव बुधवार को उनके लिए फायदेमंद साबित होंगे। उन्होंने कहा, 'हां, जिस (दक्षिण अफीका) टीम के खिलाफ हमने खेला है वह थोड़ी अलग थी। इस टीम में बहुत से ऐसे खिलाड़ी थे जो उस टीम में नहीं थे। उनके कुछ खिलाड़ी तब एसएटी20 में खेल रहे थे, इसलिए यह थोड़े अलग होगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे हालांकि लगता है कि हमें दक्षिण अफीका के खिलाफ खेलने में लाहौर के उस अनुभव का फायदा मिलेगा।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ तैयारी करेंगे और अपनी पूरी कोशिश करेंगे। हम सेमीफाइनल की चुनौती का इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारा रवैया हमेशा एक जैसा ही रहता है। हम अपनी तरह का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं। हम इस पर कायम रहने में सफल रहे तो उम्मीद है कि मैच के आखिरी क्षणों में फायदे की स्थिति में रहेंगे।'

आईपीएल 2025 में एक बार फिर पंजाब किंग्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन को तैयार हैं शशांक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीस में पिछली बार अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाल पंजाब किंग्स के आक्रामक बल्लेबाज शशांक सिंह का लक्ष्य इस बार भी टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना है। शशांक ने पिछले सत्र में अपनी मैच विजेता पारियों से का ध्यान खींचा था। शशांक पिछले साल दुनिया भर में गूगल पर 9वें सबसे अधिक खोजे जाने वाले एथलीट थे। तब उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ केवल 29 गेंदों में 61 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी थी। शशांक ने इस पर कहा, मुझे नहीं पता था कि गूगल दुनिया भर में खोजे जाने वाले लोगों की एक सूची जारी करता है। यह

मेरे लिए एक बड़ी बात थी। इससे खुशी हुई थी कि देश और दुनिया भर के लोग मेरा नाम खोज रहे हैं और जान रहे हैं कि मैं क्या करता हूं पर इसका श्रेय मैं श्रेय पंजाब में बिताए अपने समय को देता हूं। उन्होंने कहा कि यह पंजाब किंग्स के कारण ही संभव हुआ है। ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो प्रतिभाशाली हैं और शीर्ष स्तर पर खेल रहे हैं पर पंजाब किंग्स ने हमेशा मुझ पर भरोसा दिखाया है और मेरा समर्थन किया है हालांकि मैंने भी कड़ी मेहनत की है।

शशांक को पंजाब किंग्स ने 2025 सत्र के लिए टीम में बनाये रखा है। शशांक ने कहा कि वह श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने को लेकर उत्साहित हूं। इसका कारण है कि मैंने उनके साथ जूनियर स्तर पर खेला है। हमने डीवाई पाटिल टी20 कप में एक साथ खेला था और हमारे बीच अच्छा समन्वय है। इस क्रिकेटर ने कहा कि मैं बेहद भाग्यशाली हूं कि मैं पिछले साल इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा था और मुझे बरकरार रखा गया था।

ऋषभ पंत को लॉरियस 'वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर' पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया

नई दिल्ली । भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना से बचने के खेल में वापसी पर प्रतिष्ठित लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार 2025 के 'कमबैक ऑफ द ईयर (वापसी करने वाले साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी)' श्रेणी में नामांकित किया गया है। पुरस्कार समारोह 21 अप्रैल को मैड्रिड में होगा। पंत को 30 दिसंबर 2022 को दिल्ली से अपने गृहनगर रुड़की जाते समय कार दुर्घटना का सामना करना पड़ा था। देहरादून के एक अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद इस 27 साल के खिलाड़ी को मुंबई ले जाया गया, जहां बीसीसीआई के विशेषज्ञ सलाहकार की देखरेख में उनका इलाज हुआ। दाएं घुटने के तीनों लिगामेंट की सर्जरी के बाद पंत ने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा किया। पंत चोट से उबरने के बाद पिछले साल मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी तत्कालीन आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के लिए मैदान में उतरे। पंत ने इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में विजयी वापसी की और कार दुर्घटना के बाद अपने पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ शतक बनाया। उनके प्रदर्शन ने भारत को 280 रनों से जीत दिलाने में मदद की।

रिचर्ड्स बोले, अपने जज्बे, ऊर्जा और जुनून के कारण सर्वश्रेष्ठ हैं विराट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमैका (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। रिचर्ड्स ने कहा है कि अपने जुझारू जज्बे, ऊर्जा और जुनून के कारण ही विराट सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। है। वह अपने आलोचकों को हमेशा ही अपने खेल से जवाब देते हैं। इंटरनेशनल मास्टर लीग (आईएमएल) की संचालन परिषद के सदस्य रिचर्ड्स ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह वास्तव में हम सभी के सवालों का जवाब देता है। एकदिवसीय विश्व कप से पहले वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था पर उसने टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया। ये सभी उसके जुनून और जज्बे से हुआ है।

उन्होंने कहा, 'इसलिए ही मैं उन्हें सर्वश्रेष्ठ और महानतम खिलाड़ी मानता हूं। आपको हर बार ऐसे खिलाड़ी नहीं मिलते जो फॉर्म में नहीं होने के बाद भी अच्छी वापसी कर सकें। उनका जुझारू जज्बा, ऊर्जा और अच्छा प्रदर्शन करने का जुनून उन्हें सबसे अलग बनाता है।

रिचर्ड्स ने कहा कि अगर वह अब भी खेल रहे होते तो वह मैदान पर कोहली की ऊर्जा से खेलना पसंद करते। रिचर्ड्स ने कहा, 'उनकी ऊर्जा उनके जुनून को दिखाती है। वह हर समय खेल में अपनी भागीदारी से आपको अपने जुनून को दिखाते हैं। वह इस तरह से शानदार खिलाड़ी हैं। जब उनसे उनकी पसंद के बल्लेबाजों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कोहली उन्हें अपनी याद दिलाते हैं। उन्होंने कहा, 'बहुत सारे बल्लेबाज हैं, भारतीय टीम के पास पहले सचिन तेंदुलकर जैसे क्रिकेटर थे जो अब संन्यास ले चुके हैं पर वर्तमान समय में विराट ही हिम्मत करते हैं और जीतते हैं। वह अपने पर भरोसा करता है, हर वक्त 120 फीसदी आश्वस्त रहता है और जब भी आक्रामक होने की जरूरत होती है और विरोधियों का सामना करने की जरूरत होती है तो आपको ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत होती है।

रिचर्ड्स ने कहा कि कोहली की फिटनेस और भूख को देखते हुए वह लंबे समय तक

एकदिवसीय में खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आपको एक बात बताता हूं, वह जिस तरह के हैं और जिस तरह से फिट रहते हैं और जिस तरह से वह अभी भी खेल के प्रति बहुत जुनूनी है तो आप कुछ नहीं कह सकते, वह 50 साल की उम्र में भी खेल सकता है।

रिचर्ड्स ने कहा, 'आप कुछ नहीं कह सकते। लेकिन यह देखना शानदार है। उन्होंने हाल में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ 100 रन बनाए, तो इससे पता चलता है कि वह अब भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। उन्होंने हालांकि कोहली की तुलना तेंदुलकर से करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं तुलना में विश्वास नहीं रखता। हमें इस बात के लिए आभारी होना चाहिए कि हर कोई जिस दौर से गुजरा होगा, उस दौर में इन खिलाड़ियों को देखने वाले लोगों को लगा होगा कि उन्होंने कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ियों को खेलते हुए देखा है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल के लिए गेंदबाजों के चयन ने बढ़ायी टीम प्रबंधन की मुश्किलें

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में टीम इंडिया के लिए गेंदबाजों का चयन कठिन रहेगा। टीम के सभी गेंदबाज अभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐस मे किसे बाहर बैठाया जाये ये कठिन होगा। पिछले मैच में वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन कर अपना दावा भी पक्का किया है। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के आखिरी लीग मैच में तेज गेंदबाज हर्षित राणा की जगह मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका दिया था। वरुण ने धमाकेदार गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की आधी टीम को अकेले आउट कर दिया था। 42 रन देकर 5 विकेट लेने के लिए वरुण चक्रवर्ती को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। ऐसे में उन्हें बाहर करना कठिन होगा। अगर इसी स्पिन कॉम्बिनेशन के साथ भारतीय टीम उतरती है तो आपके पास एकमात्र तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी होंगे, जबकि दूसरे तेज गेंदबाज की जिम्मेदारी हार्दिक पांड्या के पास रहेगी। गेंदबाजी के लिए चार और विकल्प भारत के पास होंगे पर वे चारों ही स्पिनर हैं। इनमें एक कुलदीप यादव, दूसरे रविंद्र जडेजा, तीसरे अक्षर पटेल और चौथे वरुण चक्रवर्ती हैं। अब अगर आप अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा में से किसी एक को खिलाएंगे तो फिर बाहर किस स्पिनर को करेंगे। वरुण आपके लिए पिछले मैच में पांच विकेट लिए हैं। इस मैच में कुलदीप यादव ने 2 विकेट निकाले हैं। अक्षर पटेल आपके लिए गेंद के साथ-साथ बल्ले से अच्छा योगदान दे रहे हैं।

अभी मुझे पता है कि मेरा सही समय चल रहा है, न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद बोले अक्षर पटेल

दुबई (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 42 रनों की पारी खेलने वाले अक्षर पटेल का मानना है कि वेस्टइंडीज में एकदिवसीय मैच में अच्छी बल्लेबाज कर टीम को जीत दिलाने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

मैच के बाद अक्षर ने कहा, 'बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद से कहें या वेस्टइंडीज में जब मैंने एकदिवसीय मैच जीताया था तो उसके बाद मेरा आत्मविश्वास बढ़ा था। मेरे पास कौशल तो था, लेकिन मैं उसका प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था। जैसे ही एक पारी आई तो मैंने नहीं सोचा कि बल्लेबाजी दिखाने का यही सही मौका है। टैंपरामेंट की बात करें तो जब आप लगातार अच्छा करते हो तो आप अधिक सोचते नहीं है। अभी मुझे पता है कि मेरा सही समय चल रहा है।'

अक्षर ने कहा, 'विराट भाई और श्रेयस अच्छा ही कर रहे हैं तो मैं नहीं सोचता और ऊपर खेलूं। जब भी अवसर मिले तो मैं वही सोचता हूं कि टीम की क्या आवश्यकता है। नीचे जब खेलता था तो आपको जल्दी रन बनाने होते थे। अभी मुझे पता है कि मेरे पीछे भी बल्लेबाज हैं और मैं परिस्थिति के हिसाब से भी खेल सकता हूं। मैच की स्थिति से जैसे स्पिनर पर हिट करना है या आज जैसे साझेदारी की आवश्यकता थी तो हमने वही किया।' उन्होंने कहा, 'वरुण को लेकर हम सभी खुश हैं। हम पहले दो मैच जीत चुके थे। वह पिछली बार टी-20 विश्वकप खेला था। इतना आसान नहीं होता है। वहां अच्छा नहीं हुआ था, उसके बाद उसने दिखाया कि वह मानसिक तौर पर कितना मजबूत हुआ है। टी-20 के बाद उसने यहां भी अच्छा प्रदर्शन किया।' अक्षर ने कहा, 'मैं धीमी गेंद करने का दो-तीन साल से प्रयास कर रहा हूं। इन परिस्थितियों में मैं धीमी और तेज दोनों तरह की गेंद कर रहा हूं। जब विकेट मिलता है तो हौसला भी बढ़ता है।'

केंद्रीय मंत्री की बेटी और सहेलियों से छेड़छाड़ करने वाले 3 युवक गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता रक्षा खडसे की बेटी के साथ जो कुछ भी हुआ उसने सभी को हैरानी में डाल दिया है। अब हर किसी के मन में सवाल उठ रहा है कि अगर एक केंद्रीय मंत्री की बेटी ही सुरक्षित नहीं है, तो आम लड़कियों की सुरक्षा का क्या होगा। बता दें 24 फरवरी रात को कोथली गांव में संत मुक्ताई यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री खडसे की बेटी और उनकी कुछ सहेलियों के साथ कुछ मनचले लड़कों ने छेड़छाड़ कर दी थी। इस घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। रक्षा खडसे के सुरक्षा गार्ड की शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस के मुताबक अनिकेत भोई, किरण माली और अनुज पाटिल को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया है। पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। केंद्रीय मंत्री खडसे ने इस घटना के बाद कहा था कि अगर एक केंद्रीय मंत्री और सांसद की बेटी के साथ छेड़छाड़ की जा रही है, तो बाकी लोगों का क्या होगा? उन्होंने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी बात की थी और मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

स्कूलों में स्मार्टफोन ले जाने पर रोक लगाने से हाईकोर्ट का इनकार

-कहा- इसका अनुशासन या शैक्षिक वातावरण पर कोई नकारात्मक असर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्कूलों में बच्चों को स्मार्टफोन ले जाने पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि स्मार्टफोन के इस्तेमाल से कक्षा में शिक्षण, अनुशासन या समग्र शैक्षिक वातावरण पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता है। यह फैसला एक छात्र की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुनाया, जिसमें स्कूल में मोबाइल फोन के प्रयोग को लेकर दिशा निर्देश जारी करने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में अपना रुख साफ करते हुए कहा कि तकनीक के इस युग में स्मार्टफोन पूरी तरह से नकारात्मक नहीं माना जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि स्मार्टफोन का इस्तेमाल अगर सही दिशा में किया जाए तो यह बच्चों के लिए शैक्षिक संसाधन के रूप में काम कर सकता है। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि मनोरंजन के उद्देश्य से इसका इस्तेमाल स्कूल परिसर में करना स्वीकार नहीं है। इस फैसले के बाद स्कूलों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे बच्चों के स्मार्टफोन इस्तेमाल पर उचित दिशा-निर्देश बनाएं ताकि इसका दुरुपयोग न हो। कोर्ट ने इस्तेमाल के नियमों का उल्लंघन रोकने के लिए पारदर्शी, निष्पक्ष नियम लागू करने का आदेश कोर्ट ने स्कूलों को दिया है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि स्मार्टफोन का इस्तेमाल केवल शैक्षिक उद्देश्यों तक सीमित रहना चाहिए। मनोरंजन, सोशल मीडिया या गेमिंग जैसे कार्यों के लिए इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।

पंजाब के हाईटेक बंटी-बबली! ने कर दिया 3500 करोड़ का बड़ा कांड?

चंडीगढ़(एजेंसी)। पंजाब के इस जोड़े की दास्तां सुनकर आपको भी शायद भरोसा ना हो। इस कपल ने सालों से लोगों को लूट-लूट कर 3500 करोड़ रुपए छाप लिए। पुलिस की आंखों में धूल झोंककर दोनों कई महीनों से पकड़ में नहीं आ रहे थे। हालांकि बीते शुक्रवार पुलिस ने इस जोड़े को धर दोबाचा और फिलहाल वे ईडी की हिरासत में हैं। शनिवार को जालंधर की एक पीएमएलए कोर्ट ने सुखविंदर सिंह खरौर नाम के शख्स को 10 दिन और उसकी पत्नी डिंपल खरौर को पांच दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया है। इस जोड़े की ठगी की लिस्ट लंबी है। दोनों ने मिलकर क्लाउड स्पेस खरीदने और उसे वापस लीज पर देने के नाम पर सालों तक लोगों को ठगा और उससे मोटी रकम छापी। कपल ने पिछले 2-3 सालों में 3,500 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इकट्ठी की और उससे ऐश करते रहें। पिछले महीने ईडी ने इनके ठिकानों से 80 करोड़ रुपये की कम से कम 26 लग्जरी कारें जब्त की थीं। वहीं पंजाब में दोनों की 178 करोड़ रुपये की प्रापर्टी भी पुलिस ने जब्त की थी। जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने अपनी काली कमाई को सफेद करने के लिए कई शेल कंपनी बनाईं। डिंपल के बैंक अकाउंट्स और उसकी फर्जी कंपनियों जैसे खरौर फिल्म्स एलएलपी, फ्रूटचैट एंटरटेनमेंट प्राइवेट और अवनी आईटीइंफ्रा वेंचर्स लिमिटेड के जरिए पैसे डायवर्ट किए गए। ईडी ने बताया है कि व्यूनाउ ग्रुप के सीईओ और संस्थापक सुखविंदर इस घोटाले के मास्टरमाइंड हैं।

जॉर्डन-इजरायल बॉर्डर पर सेना ने बरसा दी गोलियां, भारत के शख्स की मौत

तिरुवनंतपुरम(एजेंसी)। जॉर्डन-इजरायल बॉर्डर पर केरल के एक शख्स की उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि वह कथित तौर पर सीमा पार कर रहा था। आरोप है कि मृतक अवैध रुप से जॉर्डन-इजरायल सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। मरने वाले की पहचान थुंबा निवासी 47 वर्षीय एनी थॉमस गेब्रियल के रूप में हुई है। मृतक गेब्रियल के परिवार ने रविवार को बताया कि उन्हें एक मार्च को भारतीय दूतावास की तरफ से एक ईमेल मिला, जिसमें एनी की मौत के बारे में कन्फर्म किया गया था। एनी की रिश्तेदार मेटिल्डा ने रविवार को बताया, हमें जॉर्डन में भारतीय दूतावास से एनी की मौत के बारे में एक ईमेल मिला, लेकिन उसके बाद कोई और जानकारी नही मिली है। यह घटना 10 फरवरी को हुई, जब जॉर्डन के सैनिकों ने सीमा पर गोलीबारी की। परिवार के सूत्रों के अनुसार, गेब्रियल के रिश्तेदार एडिसन को भी गोली मारी गई, लेकिन वह बच गया और वह घायल अवस्था में घर लौट आया है। गेब्रियल के एक रिश्तेदार ने एक टीवी चैनल को बताया कि पांच फरवरी को जब वह घर से निकला था, तो तमिलनाडु में ईसाई धार्मिक स्थल वेलंकन्नी जाने की बात कही थी इंडियन एंबेसी ने 'एक्स' पर लिखा, पार्थिव शरीर को ले जाने के लिए जॉर्डन के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

अब राफेल को टक्कर देने आ रहे केएफ-21 और एमकेएल लड़ाकू विमान

-दोनों की कीमत और मेंटेनेंस भी काफी कम, क्षमताएं भी एडवांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राफेल फाइटर जेट की एक अलग पहचान है। ये एक मल्टीरोल लड़ाकू विमान है जो एडवांस टेक्नोलॉजी और युद्ध में अपनी क्षमता साबित कर चुका है, लेकिन फ्रांस का लालच जल्द ही इस फाइटर जेट के मार्केट को बर्बाद कर सकता है। फ्रांसीसी राफेल को अमेरिकी स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 या रूसी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एसयू-57 से खतरा नहीं है, बल्कि दो ऐसे फाइटर जेट्स बाजार में आने वाले हैं, जो राफेल को चुनौती पेश कर सकते हैं। ये फाइटर जेट हैं दक्षिण कोरिया का केएफ-21 बोरामे और भारत का तेजस एमकेएल इन दोनों फाइटर जेट्स को लेकर दावा किया जा रहा है कि ये राफेल के बराबर शक्तिशाली हैं। इनमें एडवांस एवियोनिक्स और हथियार रखने की जगह है। इसके अलावा इन दोनों की कीमत भी राफेल की तुलना में काफी कम बताई जा रही है।

डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये क्षमताएं फ्रांसीसी राफेल के बाजार को खराब कर सकती हैं। फ्रांस के लिए राफेल फाइटर जेट लंबे वक्त से एक प्रीमियम प्रोडक्ट रहा है। इसमें एडवांस रडार सिस्टम, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और मल्टीरोल क्षमताएं हैं। इस वजह से भारत, कतर और मिस्र के देशों ने राफेल फाइटर जेट खरीदा है, लेकिन राफेल फाइटर जेट की कीमत बहुत ज्यादा है। राफेल के रखरखाव, अपग्रेडेशन और हथियारों के एकीकरण में बहुत ज्यादा खर्च होता है, जिसकी वजह से देशों के लिए राफेल फाइटर जेट का मेंटिनेंस करना मुश्किल है। इंडियन डिफेंस रिसर्च विंग की रिपोर्ट के मुताबिक 2016 में भारत ने 36 राफेल जेट के लिए 8.7 अरब डॉलर का सौदा किया था। इसमें कोई शक नहीं की राफेल को खरीदकर भारतीय वायुसेना की ताकत में जबरदस्त इजाफा हुआ है। डिफेंस एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर भागीदारी के तहत राफेल को बनाया जाता तो इस लागत को कम किया जा सकता था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दक्षिण कोरिया में बना केएफ-21 बोरामे लड़ाकू विमान और भारतीय तेजस फाइटर जेट डिफेंस बाजार में तहलका मचा सकते हैं। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह ये है कि राफेल के मुकाबले इसके मेंटिनेंस में काफी कम है। केएफ-21 एक 4.5-पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जिसका डिजाइन और डेवलपमेंट कोरिया एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने किया है। इस फाइटर जेट को खास तौर पर राफेल और टाइफून जैसे विमानों को टक्कर देने के लिए डिजाइन किया गया है। वहीं केएफ-21 लड़ाकू विमान के एक यूनिट की कीमत करीब 65 मिलियन डॉलर होने की संभावना है। लिहाजा देशों के लिए ये एक आकर्षक पैकेज हो सकता है। जबकि राफेल फाइटर जेट के एक यूनिट की कीमत 120 मिलियन डॉलर है।

वहीं भारत का तेजस एमकेएल, जो स्वदेशी तेजास एमकेएल का एक विकसित वैरिएंट है, अगले कुछ सालों में ये बनकर तैयार हो जाएगा। इसमें एडवांस जीई एफ414 इंजन, एडवांस एवियोनिक्स और भारत के स्वदेशी हथियारों जैसे अस्त्र और ब्रह्मोस के साथ आसानी से एकीकरण की क्षमता है। लिहाजा तेजस एक बेहतरीन लड़ाकू विमान बन गया है। इसके अलावा इसका मेंटिनेंस और भी कम होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक तेजस के एक यूनिट की कीमत सिर्फ 50 से 60 मिलियन डॉलर प्रति यूनिट हो सकती है। इसके अलावा क्षमताओं के लिहाज से ये राफेल फाइटर जेट से ज्यादा एडवांस होगा।

मायावती के एक्शन पर आकाश ने दी प्रतिक्रिया : मेरा राजनीतिक करियर समाप्त नहीं

लखनऊ(एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी ऐलान किया कि उनके जीते जी पार्टी का कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। मायावती ने अपने भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को पार्टी का नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है और उनके कार्यों का बंटवारा कर दिया है। मायावती के इस फैसले के बाद पहली बार आकाश आनंद की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक विस्तृत पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने इस फैसले का सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा, कुछ विरोधी दल के लोग ये सोच रहे हैं कि पार्टी के इस फैसले से मेरा राजनीतिक करियर समाप्त हो गया, उन्हें समझना चाहिए कि बहुजन मूवमेंट कोई करियर नहीं, बल्कि करोड़ों दलित, शोषित, वंचित और गरीबों के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान की लड़ाई है। अपनी पोस्ट में आकाश आनंद ने आगे लिखा, मैं परमपूज्य आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी का कैडर हूं, और उनके नेतृत्व में मैंने त्याग, निष्ठा और समर्पण के कभी ना भूलने वाले सबक सीखे हैं। यह सब मेरे लिए केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य हैं। आदरणीय बहन जी का हर फैसला मेरे लिए पत्थर की लकीर के समान है, मैं उनके हर फैसले का सम्मान करता हूं और उनके साथ खड़ा हूं। मायावती के इस निर्णय को बसपा में बड़े नेतृत्व परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से ऐसा माना जा रहा था कि आकाश आनंद पार्टी में उनकी राजनीतिक विरासत संभालेंगे, लेकिन अब मायावती के स्पष्ट संदेश से इन अटकलों पर विराम लग गया है।

पीएम मोदी, नड्डा के बाद अब संघ प्रमुख भागवत पहुंच रहे बिहार दौरे पर

सुपौल (एजेंसी)। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने है। यह देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित तमाम सियासी दिग्गज बिहार में दौरा कर रहे है। वहीं अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 6 मार्च को बिहार के सुपौल जिले आ रहे है। विधानसभा चुनाव से पहले उनके इस दौरे को खासा महत्व है। इस दौरान भागवत बीरपुर नगर पंचायत के वार्ड संख्या 01 स्थित केशव नगर में बने सरस्वती विद्या मंदिर के नए भवन का उद्घाटन करने वाले है।

बता दें, यह पहली बार होगा जब संघ प्रमुख इंडो-नेपाल बॉर्डर पर किसी कार्यक्रम को संबोधित करने वाले है। उनके इस दौरे को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सर संघ संचालक भागवत गुरुवार को दिन के 11.30 बजे बीरपुर पहुंचकर 1 बजे से कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचने वाले है। फिर अपने संबोधन के बाद 2.30 बजे स्वयं सेवकों के साथ बैठक करने वाले है। नेपाल से सटे बीरपुर जैसे इलाके में इस तरह के आयोजन का खास महत्व है। यह क्षेत्र राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समृद्धि और सीमावर्ती इलाकों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार का प्रतीक बन रहा है। सीमावर्ती इलाकों में विद्या भारती के स्कूल जैसे संस्थान न केवल शिक्षा का स्तर बढ़ा रहे हैं, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा को भी मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

विद्या भारती बिहार के क्षेत्र संगठन मंत्री ख्याली राम ने कहा, भागवत जी का वीरपुर में आना हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। यह लंबे समय से योजना में था कि विद्यालय का उद्घाटन उनके हाथों कराया जाए। कोरोना महामारी के कारण यह संभव नहीं हो सका। अब यह मौका आ रहा है, और हम सभी कार्यकर्ता जोरदार तैयारी कर रहे हैं। उनके आगमन से यह संदेश जाएगा कि हिंदुत्व के सबसे बड़े चिंतक और मार्गदर्शक हमारे बीच आ रहे हैं। अपने दौरे के दौरान भागवत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों से मुलाकात करने वाले है। वे समाज और राष्ट्र निर्माण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने वाले है। इस मौके पर हिंदुत्व, शिक्षा और सामाजिक एकता को लेकर संवाद होगा। कार्यक्रम स्थल पर भारी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है।

पप्पू यादव ने बीजेपी पर साधा निशाना और कहा- नीतीश कुमार के बिना कोई हैसियत नहीं

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भाजपा और एनडीए पर तीखा हमला बोला और कांग्रेस को बेहतर पार्टी बताया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के बिना बीजेपी की कोई औकात नहीं है। पप्पू यादव ने दावा किया कि एनडीए में मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार से बेहतर कोई चेहरा नहीं है।

पप्पू यादव ने कहा, बीजेपी को कभी भी नीतीश कुमार का चेहरा पसंद नहीं था, लेकिन इस जन्म में उनसे बेहतर सीएम पद के लिए कोई नेता बीजेपी के पास नहीं होगा। उन्होंने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि किसी को जबरदस्ती पाउडर लगाकर मुख्यमंत्री बना सकते हैं, लेकिन असली नेतृत्व की कमी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के बयान- इस बार बिहार में ए टीम बनकर काम करेंगे- पर पप्पू यादव ने समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस ही बीजेपी को टक्कर दे सकती है और बिना कांग्रेस के एनडीए को हराना नामुमकिन है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा महिलाओं को 2500 रुपये भत्ता देने और वृद्धा पेंशन बढ़ाने की मांग पर भी पप्पू यादव ने तंज कसा। उन्होंने कहा, जब सरकार में थे, तब क्यों नहीं बढ़ाया? चुनावी मौसम में वैज्ञानिक बनने का क्या मतलब है? पप्पू यादव ने केंद्रीय बजट पर भी निशाना साधा और कहा कि इसका कोई फायदा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में प्रति व्यक्ति 8000 रुपये कर्ज बढ़ गया है, जबकि 91 लाख करोड़ शेयर मार्केट में बर्बाद हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावी मार्केटिंग के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए और फ्री बिजली देने की योजना पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए।

पप्पू यादव के इस बयान के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। अब देखना यह होगा कि बीजेपी और अन्य विपक्षी दल इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

डब्ल्यूएचओ का दावा, दुनिया में 2 बिलियन से ज्यादा लोगों की आंखों की रोशनी कमजोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में बड़ी चीज हैं आंखें, आंखों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। उम्र बढ़ने के साथ यह बढ़ा देनी चाहिए क्योंकि इनका स्वास्थ्य कमजोर होने लगता है और नजर कम होने लगती है। आंखों की केयर नजरअंदाज करने पर वक्त से पहले चश्मा चढ़ सकता है, जिसे हटाना मुश्किल हो सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने बताया कि दुनिया के 2 बिलियन से ज्यादा लोगों को आंखों की रोशनी कमजोर है। इनमें से किसी को पास का देखने में तो किसी को दूर का देखने में दिक्कत होती है, लेकिन इनमें से 1 बिलियन लोग कुछ टिप्स की मदद से समस्या को कम कर सकते हैं। ?आंखों की किसी समस्या से बचना है तो रेगुलर आई टेस्ट करवाते रहें। इससे आई डिजीज और कमजोर रोशनी को पहचानकर उसे वहीं रोका जा सकता है।

घर से बाहर जाते हुए सनग्लास और ब्रिम्ड हैट पहनें। इससे धूप में मौजूद यूवी रेज आंखों को नुकसान नहीं पहुंचाती है। साथ ही धूल-मिट्टी से इंफेक्शन का डर कम हो जाता है। वैसे तो डिजिटल डिवाइस का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए, अगर आपका काम इनके बिना नहीं चलता है तो बीच-बीच में ब्रेक लेना ना भूलें। इससे आंखों पर तनाव ज्यादा नहीं पड़ेगा। टूल और केमिकल इस्तेमाल करते हुए आई प्रोटेक्शन पहनें। क्योंकि इनके पार्टिकल्स आंखों में जा सकते हैं, जिससे जलन, इंफेक्शन, धुंधला दिखना या आई डिजीज हो सकती है।

अगर आप धूम्रपान करते हैं तो इससे ब्लड फ्लो बाधित हो सकता है, जिससे आंखों को पोषण मिलने में दिक्कत हो सकती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि अगर आंखों को हेल्दी रखना हैं तो स्मोकिंग ना करें। यह नुस्खे की जानकारी व दावे पर आधारित हैं। इसकी सटीकता और असर की जिम्मेदारी हम नहीं लेते है।

बीजेपी के साथ गठबंधन करेगी नेशनल कॉन्फ्रेंस? सामने आया उमर अब्दुल्ला का बड़ा बयान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के साथ इस तरह के गठबंधन की न तो कोई गुंजाइश है और न ही इसकी कोई जरूरत है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके विचार काफी अलग हैं। जम्मू-कश्मीर बजट सत्र से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हम (भाजपा के साथ) किसी गठबंधन की बात नहीं कर रहे हैं, न तो इसकी कोई गुंजाइश है और न ही इसकी जरूरत है। हमारे विचार भी मेल नहीं खाते।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर हम जम्मू-कश्मीर के बारे में बात करते हैं, तो हमारे विचार बहुत अलग हैं। हम (सत्र के दौरान) हर चीज पर चर्चा करेंगे। इससे पहले उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार लोगों से किये गये सभी वादों को पूरा करेगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कथित तौर पर छाया मंत्रिमंडल (शैडो कैबिनेट) गठित करने की आलोचना करते हुए कहा कि भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में सिर्फ एक ही मंत्रिमंडल है। कोई 'छाया मंत्रिमंडल' नहीं है। अब तक यहां भाजपा ने राज किया है। अब जनता की सरकार अपना काम करेगी।''

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''छाया (मंत्रिमंडल) की कोई जरूरत नहीं है। हमने लोगों से उनकी उम्मीदों को पूरा करने का वादा किया है और हम अपने वादों पर कायम हैं।'' मुख्यमंत्री ने गुलाम सिब्तैन मसूदी के निवास पर जाकर अपनी संवेदना व्यक्त की, जिनका इस सप्ताह की शुरुआत में निधन हो गया था। मसूदी नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक हसनैन मसूदी के भाई और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक के ससुर थे।

गारंटीड इनकम वाला प्रोडक्ट है आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट

एजेंसी

मुंबई : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने 'आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट' पेश किया है। यह प्रोडक्ट ग्राहकों को लंबी अवधि की बचत प्रदान करने के साथ ही तुरंत आय की गारंटी भी देता है, जिससे उन्हें आर्थिक लिक्विडिटी मिलती है। इस प्रोडक्ट में कई विकल्प हैं, जैसे ग्राहक तय कर सकते हैं कि गारंटीड इनकम कब शुरू होगी, कितने समय तक मिलेगी और मैच्योरिटी पर कितना पैसा मिलेगा। इसके साथ ही, इसमें लाइफ कवर भी शामिल है, जो परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है। बढ़ती हुई आय का विकल्प इस प्रोडक्ट की खासियत है। इसमें हर साल 5% की कंपाउंडिंग दर से इनकम बढ़ती है, जिससे महंगाई से निपटने में मदद मिलती है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ प्रोडक्ट एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, श्री अमित पालटा ने कहा, हम अपने ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नवाचार की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में एक नया और महत्वपूर्ण जोड़ है। यह अनोखा प्रोडक्ट ग्राहकों को गारंटीड इनकम का लाभ देता है, जिसे वे अपनी जीवन योजनाओं और नकदी जरूरतों के अनुसार कस्टमाइज कर सकते हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि हमने हाल के महीनों में देखा है, आज के अनिश्चित आर्थिक माहौल में बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहती है। ऐसे समय में ग्राहक गारंटीड रिटर्न वाले प्रोडक्ट को प्राथमिकता देते हैं, जो उनकी पूँजी को सुरक्षित रखते हुए उनकी वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करे। आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट ग्राहकों को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाते हुए उनके वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करेगा। उन्होंने आगे कहा, ₹इस प्लान का बढ़ती हुई आय का विकल्प ग्राहकों को महँगाई से निपटने में मदद करेगा। हमारे ग्राहकों से किए गए वादों को पूरा करने की प्रतिबद्धता हमारे 99.3% के इंडस्ट्री-लीडिंग क्लेम सेटलमेंट रेशियो और सिर्फ 1.2 दिनों के औसत क्लेम सेटलमेंट समय में साफ झलकती है।

राममंदिर में दर्शन के बाद जूते-चप्पल लेने लगाना पड़ रहा 5-6 किमी का फेरा

-लोग छोड़कर ही जा रहे जूते-चप्पल, इसे हटाना नगर निगम के लिए बना चुनौती

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए पिछले डेढ़ महीने से भीड़ बढ़ने से नगर निगम अधिकारियों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। भीड़ को मैनेज करने कुछ नियमों में बदलाव किए हैं जिससे बहुत से श्रद्धालु अपने जमा जूते चप्पलों को लेने नहीं आ रहे हैं। अब इन्हें हटाना प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक मंदिर के प्रवेश द्वार पर प्रतिदिन जूते-चप्पल जमा किया जाते हैं, जिन्हें जेसीबी मशीनों से इकट्ठा कर ट्रॉलियों में भरकर दूर किसी स्थान पर डंप किया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार गेट नंबर 1 जो राम पथ पर स्थित है, वहां भक्तों से उनके जूते-चप्पल उतरवाकर जमा कराए जाते हैं। मंदिर परिसर में करीब आधा किलोमीटर का चक्कर लगाने के बाद श्रद्धालु उस गेट पर वापस आकर अपने जूते-चप्पल लेते हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अयोध्या प्रशासन ने भक्तों को गेट नंबर 3 और अन्य गेटों से बाहर निकलने के निर्देश दिए हैं। इससे अपने जूते-चप्पल लेने के लिए उन्हें 5-6 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। इस कारण कई श्रद्धालु अपने जूते-चप्पल वहीं छोड़कर नंगे पांव ही चले जाते हैं।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य ने बताया कि महाकुंभ के कारण भक्तों की संख्या बढ़ गई। पिछले 30 दिनों में व्यवस्थाओं में बदलाव किए गए हैं, ताकि भक्तों की भीड़ को बिना किसी अव्यवस्था के आसानी से दर्शन करने की सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर का गेट नंबर 3 खोल दिया गया है। मंदिर के दर्शन के बाद, भक्तों को इस गेट से बाहर जाने का मार्ग दिया जा रहा है। दर्शन के बाद, श्रद्धालु श्रीराम अस्पताल होते हुए आगे बढ़ते हैं। चूंकि राम पथ पर एकतरफा मार्ग है, इसलिए भक्तों को अपने जूते-चप्पल लेने के लिए 5 से 6 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इसलिए वह इस परेशानी से बचने के लिए अपने जूते-चप्पल वहीं छोड़कर चले जाते हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**